{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 11 सितम्बर 2026
भाद्रपद कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 348
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,902.59
निफ्टी	-	23,477.80
सोना	-	1,64,446
चांदी	-	2,55,000
डॉलर	-	95.62

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

चिनाब नदी पर बनेगा सावलकॉट डैम

श्रीनगर। भारत ने सिंधु जल समझौते को लेकर अपने पुराने रुख में बड़ा बदलाव किया है। इस बदलाव का असर अब जम्मू-कश्मीर के विकास कार्यों पर दिखने लगा है। लंबे समय से अटके पड़े प्रोजेक्ट्स को फिर से शुरू किया जा रहा है। इसी सिलसिले में चिनाब नदी पर प्रस्तावित 1850 मेगावाट के सावलकॉट जलविद्युत प्रोजेक्ट को लेकर भारत ने एक बेहद अहम कदम उठाया है। बीते 40 साल से ये महत्वाकांक्षी परियोजना सिर्फ कागजों पर ही झूल रही थी। अब इसके जमीन पर उतरने की उम्मीदें काफी पुख्ता हो गई हैं। भारत सरकार पश्चिमी नदियों के पानी का पूरा इस्तेमाल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में सावलकॉट डैम के टेंडर की प्रक्रिया को गति दी गई है। सावलकॉट हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पिछले करीब चार दशकों से कई तरह के पचड़ों में फंसा हुआ था। इसका सबसे बड़ा कारण भारत-पाकिस्तान के बीच हुआ सिंधु जल समझौता था।

आजम खान पर एक और एफआईआर

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज हुई है। लखनऊ हज कमेटी की करीब 60 हजार वर्गफीट जमीन एक प्राइवेट बिल्डर को बेचने के मामले में विजिलेंस ने लखनऊ सेक्टर थाने में केस दर्ज किया है। आजम खान के साथ ही हज कमेटी के तत्कालीन सचिव लईक अहमद, डॉक्टर एमएए खान, अमीश डेवलपर्स के मालिक मोहम्मद अयूब और मुस्तकीम अहमद पर भी एफआईआर दर्ज हुई है। आरोप है कि हज समिति के नियमों का उल्लंघन कर जमीन बेची गई, जिससे सरकार को 2 करोड़ 8 लाख रुपये से ज्यादा के राजस्व का नुकसान हुआ। यह एफआईआर उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान के लखनऊ सेक्टर थाने में दर्ज हुई है। शिकायत उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान लखनऊ के निरीक्षक ध्रुव चन्द्र मौर्य ने दर्ज कराई है।

जेल से बाहर नहीं आएगा अबू सलेम

नई दिल्ली। गैंगस्टर अबू सलेम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर भारत की जेल से रिहाई की मांग की थी। उसका कहना था कि वह भारत में 25 साल जेल में रह चुका है और पुर्तगाल से उसके प्रत्यर्पण के समय भारत ने जो शर्तें मानी थीं, उनके मुताबिक उसकी जेल की अवधि 25 साल से ज्यादा नहीं हो सकती। इसी आधार पर सलेम ने तत्काल रिहाई की मांग की थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने गुरुवार को सलेम की याचिका पर फैसला सुनाया। पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के अप्रैल में दिए आदेश को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने सलेम की तत्काल रिहाई की मांग को 'समय से पहले' और 'गलत आधार पर' दायर याचिका माना था। सुप्रीम कोर्ट ने इसी आदेश को चुनौती देने वाली सलेम की याचिका को खारिज कर दिया।

कुछ ना कहना

भारत-चिन और रूस खत्म करेंगे करंसी में डॉलर की दादागिरी

दिल्ली पर टिकी दुनिया की नजर, आज आयेंगे पुतिन, 12 को जिनपिंग, पीएम मोदी से खास मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आयोजित होने जा रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। भारत की मेजबानी में हो रहे इस सम्मेलन में रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका समेत संगठन के सभी प्रमुख सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं। इस बार ब्रिक्स का आयोजन नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 और 13 सितंबर को किया जा रहा है। इस बैठक का मुख्य एजेंडा वैश्विक व्यापार में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करना, स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देना और एनर्जी सेफ्टी को मजबूत करना है। कहा जा रहा है कि मौजूदा वैश्विक हालात में यह बैठक भारत जैसे विकासशील देशों के लिए एक नया मोड़ साबित हो सकता है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने भारत आ रहे हैं। हालांकि, उनकी यात्रा में सबसे अहम पड़ाव 11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होने वाली द्विपक्षीय बैठक होगी जिस पर पूरी दुनिया की नजरें हैं। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शनिवार को नई दिल्ली आ रहे हैं। उनकी शाम करीब छह बजे भारत मंडपम में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात हो सकती है। इस मुलाकात को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही उथल पुथल को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चीन की नीति डॉलर में व्यापार की मजबूरी !

बिना डॉलर का वैश्विक व्यापार असंभव तो नहीं है लेकिन कठिन जरूर है। ब्रिक्स देश अपनी करेंसी बनाने की बात करते हैं। वहीं चीनी युआन डॉलर का विकल्प बनने की कोशिश कर रहा है। लेकिन चीन की पूंजी पर कड़े सरकारी नियंत्रण के कारण दुनिया के देश पूरी तरह युआन पर भरोसा नहीं करते।

रेयर अर्थ मटेरियल और रक्षा सौदों पर सहमति संभव

डॉलर को लेकर भारत की सतर्क रणनीति

अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने के मुद्दे पर इस बार काफी चर्चा होने की उम्मीद है। हालांकि भारत इस मामले में काफी फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। नई दिल्ली का साफ मानना है कि उसका मकसद सीमा पार भुगतान को सस्ता, आसान बनाना है, न कि कोई डॉलर विरोधी अभियान चलाना। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी कह चुके हैं कि भारत किसी साझा ब्रिक्स मुद्रा के पक्ष में नहीं है। इसके बजाय स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, पेमेंट सिस्टम को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने क्रॉस-बॉर्डर व्यापार के लिए ब्रिक्स देशों की डिजिटल करेंसी को जोड़ने का भी प्रस्ताव दिया है।

चीन में भरपूर हैं दुर्लभ खनिज

गौरतलब है कि पूर्व में चीन के साथ हुई बातचीत में वह भारत को दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति का भरोसा दिला चुका है। सूत्रों का कहना है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता में इस समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। भारत में दुनिया के करीब छह फीसदी ही दुर्लभ खनिज होने का अनुमान है। इस मामले में भारत तीसरे स्थान पर है। हालांकि अभी तक इनका पर्याप्त दोहन नहीं हो पाया है। सरकार ने बताया था कि भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र में 7.23 मिलियन टन दुर्लभ खनिजों की मौजूदगी का पता लगाया है।

क्या है दुर्लभ खनिज? दुर्लभ खनिजों की श्रेणी में कुल 17 तत्व हैं, जिनमें से सात चीन में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। इनमें स्कैंडियम, सैमरियम, डिस्प्रोसियम, टेरबियम, इट्रियम, गैडोलिनियम और ल्यूटेनियम शामिल हैं। दुनिया में इन दुर्लभ खनिजों की उपलब्धता का करीब 80 फीसदी हिस्सा अकेले चीन में है।

रूस भी तैयार

इस बीच, रूस ने भी कहा है कि वह भारत को दुर्लभ खनिजों की खोज में मदद करने के लिए तैयार है। पुतिन के साथ वार्ता में इस मुद्दे पर भी चर्चा होने की संभावना है।

रूस के साथ 75 सुखोई-57 की डील

रूस के साथ क्रूड ऑयल, व्यापार, रक्षा और निवेश समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र में कुछ बड़ी डील और घोषणाओं पर भी नजर है। पीएम मोदी और पुतिन की बैठक ऐसे समय हो रही है, जब भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस से मिलने वाला कच्चा तेल यानी क्रूड काफी महत्वपूर्ण हो गया है। वहीं, रूसी तेल खरीद को लेकर भारत पर कई तरह के दबाव भी बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी-पुतिन की बैठक में रक्षा क्षेत्र सबसे अहम मुद्दों में से एक हो सकता है। खबर है कि भारत रूस से 75 सुखोई-57 स्टील्थ फाइटर जेट खरीदने के समझौते को अंतिम रूप दे सकता है। यह पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है और संभावित सौदे की कीमत करीब एक लाख करोड़ रुपये तक हो सकती है। इसके अलावा भारत और रूस के बीच ज्वाइंट डिफेंस प्रोडक्शन, यानी रक्षा उपकरणों का मिलकर उत्पादन करने को लेकर भी बड़ा ऐलान हो सकता है। भारत की कोशिश लंबे समय से रक्षा क्षेत्र में स्थानीय उत्पादन और तकनीकी सहयोग बढ़ाने की रही है।

सुदर्शन पर भी

भारत ने रूस के साथ करीब 5 अरब 43 करोड़ डॉलर में सुदर्शन 5 S-400 सिस्टम खरीदने का समझौता किया था। 4 यूनिट भारत आ चुकी हैं, पांचवीं यूनिट की सप्लाई बाकी है।

आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप...

7 दिन में राघव चड्ढा का दिल्ली में बना वोट

चंडीगढ़। पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के वोट को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच सियासी टकराव अब दिल्ली बनाम पंजाब की राजनीति तक पहुंच गया है। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि चड्ढा ने दिल्ली में वोट बनाने के लिए 26 अगस्त को आवेदन किया और महज सात दिन में 2 सितंबर को उनका वोट राजिंदर नगर में बन गया। पार्टी ने इसी टाइमलाइन को आधार बनाकर चुनावी प्रक्रिया की गति और चड्ढा के पुराने आरोपों पर सवाल खड़े किए हैं। आप के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुराग ढांडा ने गुरुवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि जिस रफ्तार से चड्ढा का वोट बना, उतनी तेज तो बुलेट ट्रेन भी नहीं चलती। उनका सवाल था कि जब 2 सितंबर को दिल्ली में वोट बन चुका था, तो इसके अगले दिन पंजाब में वोट कटने को लेकर सवाल क्यों उठाए गए? ढांडा ने चुनाव आयोग की कथित प्रक्रिया का हवाला देते हुए कहा कि 26 अगस्त को आवेदन, 1 सितंबर को बीएलओ की नियुक्ति, 2 सितंबर को फील्ड वेरिफिकेशन, उसी दिन मंजूरी, एपिक जनरेशन और प्रिंटिंग की प्रक्रिया पूरी हो गई। आप ने इसी आधार पर सामान्य मतदाताओं के आवेदनों से इसकी तुलना करते हुए चुनावी प्रक्रिया में कथित असमानता का मुद्दा उठाया है।

वोट बनाना चुनाव आयोग का काम

ढांडा ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आती है। इसमें पंजाब सरकार की सीधे तौर पर कोई भूमिका नहीं होती। उन्होंने दावा किया कि चड्ढा के आवेदन और वोट बनने से संबंधित दस्तावेजों की टाइमलाइन इस बात को स्पष्ट करती है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि दिल्ली में नया वोट बनाने के लिए आवेदन किया गया था तो आवेदन में पुराने वोट की जानकारी दी गई होगी। ऐसे में पुराने वोट के डिलीट होने और नए वोट के बनने की प्रक्रिया में किस स्तर पर क्या सत्यापन हुआ, यह भी स्पष्ट होना चाहिए।

एक आवेदन 26 अगस्त का, दूसरा 5 अगस्त का...यहीं से उठाया सवाल

आज ने वोट बनने की रफ्तार की तुलना एक अन्य मतदाता के आवेदन से करते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। ढांडा ने कहा कि उनकी सहयोगी ने 5 अगस्त को वोट के लिए आवेदन किया था, लेकिन अभी तक बीएलओ तक नियुक्त नहीं हुआ। इसके उलट, उनके मुताबिक राघव चड्ढा ने 26 अगस्त को आवेदन किया, 1 सितंबर को बीएलओ नियुक्त हुआ और 2 सितंबर को पूरी प्रक्रिया पूरी हो गई। यही अंतर आप के हमले का सबसे बड़ा आधार है। पार्टी का सवाल है कि जब एक सामान्य मतदाता का आवेदन कई सप्ताह तक प्रक्रिया में अटका हुआ है, तो चड्ढा का आवेदन इतने कम समय में कैसे पूरा हो गया?

कॉकरोच जनता पार्टी के नेता मानहानि मामले में तलब, बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने मांगा हर्जाना

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया द्वारा दायर 2 करोड़ रुपये के मानहानि के मुकदमे में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को अदालत तलब किया है। अदालत ने सीजेपी को समन जारी किया है। यह मामला भाटिया के खिलाफ आपत्तिजनक और बिना सत्यापन के पोस्ट करने से जुड़ा है। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका द्वारा भाटिया के बारे में बिना सत्यापन के किए पोस्ट अनुचित थे। अदालत ने उन्हें ये पोस्ट स्वयं हटाने का सुझाव दिया था, जिसके बाद उनके वकीलों ने कुछ पोस्ट हटाने की पुष्टि की और अन्य को भी हटाने का आश्वासन दिया। वहीं, दीपके ने अपना बचाव कर कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ नहीं लिखा था। मामले की सुनवाई के दौरान भाटिया ने मध्यस्थता के लिए अदालत की पेशकश को अस्वीकार कर अपनी प्रतिष्ठा को पहुंची क्षति के लिए हर्जाना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीजेपी नेताओं के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स हैं और उनके पोस्ट एक दिन में 10 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचते हैं, जिससे हुई क्षति गंभीर है। बीजेपी प्रवक्ता भाटिया की मांग पर अदालत ने सभी आपत्तिजनक पोस्ट को 24 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया और एक्स तथा मेटा को निर्देश दिया कि भविष्य में ये पोस्ट प्लेटफॉर्म पर फिर न दिखें। इसके साथ ही अदालत ने सीजेपी और उसके नेताओं को समन जारी किया। अदालत ने सीजेपी नेताओं को सलाह दी कि वे कुछ भी साझा करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करें। न्यायालय ने कहा कि विरोध करने के कई वैध तरीके हैं और युवाओं को इस हद तक जाने की आवश्यकता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को जारी किया नोटिस, चार हफ्ते में मांगा जवाब

विधायकों को पेंशन और दूसरी सुविधाएं क्यों ?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पूर्व और मौजूदा विधायकों को मिलने वाली पेंशन और दूसरी सुविधाओं पर सवाल उठाने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया है। एनजीओ लोक प्रहरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर उत्तर प्रदेश के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को मिलने वाली पेंशन, भत्तों और दूसरी सुविधाओं को चुनौती दी है। जस्टिस जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। सरकार को इस नोटिस का जवाब चार हफ्ते के भीतर देना होगा।

एनजीओ लोक प्रहरी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य विधानमंडल (सदस्यों के वेतन और पेंशन) अधिनियम, 1980 के प्रावधानों को चुनौती देने वाली उसकी जनहित याचिका को खारिज कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि राज्य विधानसभा को अपने मौजूदा और पूर्व सदस्यों के लिए पेंशन और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाएं देने का अधिकार है। हाई कोर्ट ने 1980 अधिनियम की धारा 4, 5, 9, 13(3), 13(4), 15(2), 17-ए और अध्याय आठ को बरकरार रखा। याचिका में मौजूदा सदस्यों को विभिन्न भत्ते और सुविधाएं तथा पूर्व सदस्यों, उनके परिवारों और साथियों को पेंशन और पारिवारिक पेंशन के अलावा लाभ प्रदान करते हैं। लोक प्रहरी का कहना है कि संविधान के अनुच्छेद 195 में राज्य के विधायकों के वेतन और भत्तों का प्रावधान है, लेकिन इसमें पेंशन का जिक्र नहीं है। याचिका में सवाल उठाया गया है कि जब कोई व्यक्ति विधायक या एमएलसी नहीं रहता, तो उसे सरकारी खजाने से लगातार आर्थिक लाभ क्यों दिया जाए?

1952 में विधायकों का 200 रुपये था वेतन

याचिका में यह भी बताया गया कि 1952 में विधायकों को सिर्फ 200 रुपये वेतन और सीमित भत्ते मिलते थे। अब यह रकम बढ़ कर 1.25 लाख रुपये से ज्यादा महीने की हो गई है। इसके अलावा मुफ्त यात्रा, आवास, इलाज, फोन और दूसरी सुविधाएं भी मिलती हैं। लोक प्रहरी ने इन सुविधाओं को संविधान के अनुच्छेद 14 यानी समानता के अधिकार के खिलाफ भी बताया है। हालांकि, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इन दलीलों को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि विधायक एक अलग वर्ग हैं, क्योंकि वे कानून बनाने और सरकार की निगरानी जैसे संवैधानिक काम करते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले में यूपी सरकार का पक्ष सुनेगा। चार हफ्ते बाद मामले में आगे की सुनवाई होगी।

अभिषेक बनर्जी के पीए की अग्रिम जमानत अर्जी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित रॉय की सालबोनी जमीन घोटाला मामले में अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने 6 अगस्त के अपने उस पुराने आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें रॉय की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। इस फैसले के बाद, सुमित रॉय को अब हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए गिरफ्तार हो सकती है। न्यायालय की पीठ ने रॉय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन और राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद निर्णय सुनाया। यह मामला पश्चिम बंगाल की सरकारी जमीन को कथित तौर पर बेचकर और बिक्री से मिली रकम को पार्टी के खाते में जमा कराने के आरोपों से जुड़ा है। इससे पहले, 3 अगस्त को कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी कथित सरकारी जमीन घोटाला मामले में रॉय की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस मामले की जांच सालबोनी पुलिस कर रही है। रॉय पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी, जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल और आपराधिक साजिश जैसी धाराओं के तहत आरोप दर्ज हैं।

आरोप सिद्ध हुए तो राजनीति छोड़ दूंगा-सीएम सम्राट

बांकीपुर हार पर पहली बार बोले मुख्यमंत्री- लोकतंत्र में जनता मालिक, 2025 का जनादेश पूरी तरह एनडीए के पक्ष में

पटना। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उपचुनाव में हुई हार को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी है। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही मालिक होती है और जनता का फैसला उनके लिए शिरोधार्य है। लगातार लग रहे आरोपों पर सीएम सम्राट ने कहा कि उनके खिलाफ लगाया गया एक भी आरोप साबित हो जाता है तो वह राजनीति से संन्यास लेना पसंद करेंगे।

मीडिया द्वारा यह पूछे जाने पर कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव बांकीपुर की हार को उनकी व्यक्तिगत हार बता रहे हैं, सम्राट चौधरी ने कहा कि वर्ष 2025 का जनादेश पूरी तरह एनडीए के पक्ष में रहा है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के लिए था। एनडीए के सहयोगी के तौर पर वे राज्य को विकास और उन्नति के रास्ते पर आगे ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांकीपुर में उनकी पार्टी चुनाव हार गई, लेकिन भाजपा ने अपने एक कार्यकर्ता को चुनाव लड़ने का मौका दिया था। उन्होंने कहा कि पार्टी के मंडल अध्यक्ष ने चुनाव लड़ा और आगे भी भाजपा कार्यकर्ताओं को चुनाव मैदान में अवसर देती रहेगी। उनका लक्ष्य कार्यकर्ताओं को चुनाव जिताने का रहेगा।

सम्राट चौधरी ने जनसुराज नेता और बांकीपुर से विधायक प्रशांत किशोर को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि उनके खिलाफ लगाया गया एक भी आरोप साबित हो जाता है तो वह राजनीति से संन्यास लेना पसंद करेंगे। मुख्यमंत्री का यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। इसी के साथ ही उन्होंने बिहार के बाहर रह रहे राज्य के लोगों से भी अपील की कि वे अपनी कर्मभूमि से वापस जन्मभूमि की ओर लौटें और बिहार के विकास में योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के स्वर्णिम काल को वापस लाने के लिए, सभी को मिलकर काम करना होगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि उनकी सरकार चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार अपने काम का हिसाब वर्ष 2030 में जनता के सामने देगी।

कर्नाटक में वंदे मातरम के दो पैरा ही गाए जाएंगे

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के सिर्फ पहले 2 अंतरे गाने का आदेश जारी किया है। यह आदेश राज्य में होने वाले सरकारी कार्यक्रमों पर लागू होगा। लेकिन राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल के शामिल होने वाले कार्यक्रमों को इससे बाहर रखा गया है। इसी साल 9 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया था कि सभी सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान जन-गण-मन के साथ वंदे मातरम के सभी 6 पद गाए जाएं। इसके बाद 19 अगस्त को कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने वंदे मातरम को लेकर 1937 के अपने प्रस्ताव का पालन करने का फैसला किया। इस प्रस्ताव के तहत पार्टी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल 2 पैरा गाए जाते हैं।

ममता बनर्जी की श्रीरामपुर रैली को हाईकोर्ट की हरी झंडी, जुलूस पर लगाई रोक

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हुगली के श्रीरामपुर में जनसभा करने की अनुमति दे दी, लेकिन जीटी रोड पर उनके प्रस्तावित जुलूस रोक दिया है। अदालत ने यातायात बाधित होने की आशंका और पिछले निर्देशों के कथित उल्लंघनों का हवाला देकर फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक असीत मजूमदार की याचिका पर सुनवाई कर महेश जगन्नाथ देव स्नानपीरी मैदान में दोपहर एक बजे से तीन बजे तक सभा की मंजूरी दी। इसमें अधिकतम 2,000 लोग शामिल हो सकते है। अदालत ने सख्त निर्देश दिए कि सभा के दौरान इसतरह के कोई भड़काऊ बयान नहीं दिए जाएं, जिनसे सांप्रदायिक तनाव पैदा हो सकता है, और पुलिस को किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात करने को कहा। बंगाल की सुवेंदु अधिकारी सरकार ने जुलूस का विरोध कर अदालत को बताया था कि जीटी रोड एक संकरी सड़क है और आवागमन के लिए खुला रखना अनिवार्य है, क्योंकि इसके आसपास अस्पताल, स्कूल और एक दमकल केंद्र स्थित हैं। सुवेंदु सरकार ने तर्क दिया था कि यह इलाका सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील है। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी थी कि अन्य राजनीतिक दल नियमित रूप से जीटी रोड पर रैलियां करते हैं, लेकिन जब बनर्जी कोई कार्यक्रम आयोजित करना चाहती हैं, तभी आपत्ति उठाई जाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की हालिया रैली से जादवपुर में हुई यातायात अव्यवस्था का भी जिक्र किया।

बैगा अंचल के विकास को मिलेगी रफ्तार-मंत्री डॉ. शाह

छात्रावासों से लेकर बैगा बस्तियों तक बदलेगी व्यवस्था, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने ली अधिकारियों की बैठक

झमध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने 10 सितम्बर को बालाघाट प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर जनजाति क्षेत्रों के विकास के संबंध में निर्देश दिये। बैठक में विधायक गौरव सिंह पारधी, संजय उइके, मधु भगत, पिछडा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, नगर पालिका बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर भी उपस्थित थी। इस बैठक में जबलपुर संभाग के कमिश्नर धनंजय सिंह, भोपाल से स्वास्थ्य आयुक्त श्री एस धनराजु एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थी। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि बैगा जनजाति बहुल क्षेत्रों में नर्सिंग स्टाप एवं बाल विकास परियोजना से संबंधित कोई भी पद खाली नही रहना चाहिए, इन पदों की 15 दिनों के भीतर पूर्ति की जाए। उन्होंने बताया कि जनजाति कार्य विभाग द्वारा बैगा जनजाति के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए बैहर, बिरसा एवं परसवाडा तीनो विकासखंड एक-एक एम्बुलेंस उपलब्ध करायी जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इसका प्रस्ताव जनजाति कार्य विभाग को प्रस्तुत करने कहा। मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा कि बैगा जनजाति की बस्तियों में आने जाने के रास्ते पक्के बनाये जाएंगे और एक भी बैगा बस्ती पहुंच विहिन नही रहेगी। सभी बैगा बस्तियों में सीमेंट-कांक्रीट सडक बनाये जाएंगे। बैगा जनजाति के लोगो को प्रधानमंत्री आवास के लिए 2.5 लाख रुपए दिये जा रहे है और बैगा बस्तियों में बिजली, पानी की सुविधा अनिवार्य रूप से रहेगी।

जिले में खुलेगा बैगा मार्ट

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि शहरों में संचालित मॉल की तर्ज पर बैगा बहुल क्षेत्रों में 'बैगा मार्ट' खोलने की दिशा में जनजातीय कार्य विभाग काम कर रहा है। प्रथम चरण में खण्डवा, मण्डला, शहडोल एवं धार में ट्राइबल मार्ट खोले जा रहे है। इसी तर्ज पर बालाघाट जिले में भी बैगा मार्ट खोला जाएगा। इसका संचालन स्वयं सहायता समूह द्वारा किया जाएगा और उसे मार्ट खोलने के लिए 05 करोड रुपए का ऋण एवं 05 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिलाया जाएगा। इस मार्ट से जनजाति क्षेत्र के ग्रामों के युवाओ को जोडा जाएगा और उन्हें इस मार्ट से 25 प्रतिशत डिस्काउंट पर सामग्री उपलब्ध करायी जाएगी, जिससे जनजाति क्षेत्र के युवा स्थानीय स्तर पर सस्ती सामग्री बेच कर स्वयं के लिए भी आय का जरिया तैयार कर सकेंगे। इन मार्ट में बैगा जनजाति के लोगों के लिए कपड़े एवं अन्य आवश्यक सामग्री सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि जनजाति क्षेत्र में हितग्राहियों को 02 माह का राशन एकमुश्त निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से वितरित किया जाए। उन्होंने जनजाति क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक उचित मूल्य दुकान के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने आंगनवाडी की सेवाओ को प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि आंगनवाडी में दर्ज सभी बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति होना चाहिए। जो बच्चे आंगनवाडी में नही आ रहे है उनके हिस्से का खाद्यान्न वापस करने वाली कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक को प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्वास्थ्य परीक्षण से लेकर शिक्षा व भोजन व्यवस्था की होगी नियमित मॉनिटरिंग

मंत्री डॉ. विजय शाह ने बैठक में बताया कि जिले के जनजाति वर्ग के छात्र छात्राओ के लिए संचालित छात्रावास की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए कदम उठाए जा रहे है। छात्रावास के सभी बच्चों का माह में एक बार स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रत्येक बच्चे का हेल्थ कार्ड बनाना सुनिश्चित किया जा रहा है। छात्रावास अधीक्षक रात्रि में छात्रावास में ही रहें, इसकी मानिटरिंग की जाएगी। छात्रावास में नही रहने वाले अधीक्षक को अगले दिन ही कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। छात्रावास में सुबह और रात के समय दिये जाने वाले भोजन के साथ छात्रावास अधीक्षक को सेल्फी लेकर वरिष्ठ अधिकारी को भेजना होगा। छात्रावास में हर माह पालको की बैठक आयोजित करना होगा। प्रत्येक छात्रावास में बच्चों की कोचिंग की व्यवस्था सुनिश्चित होना चाहिए। छात्रावास के बच्चों का परीक्षा परिणाम 33 प्रतिशत से कम आने पर अधीक्षक को हटा दिया जाएगा। सभी छात्रावासों में पर्याप्त संख्या में बेड होना चाहिए। किसी भी पलंग पर 02 बच्चें नही रहेंगे। सभी छात्रावासों में वाटर प्यूरिफायर की व्यवस्था रहेगी। छात्रावासों में बिजली की सुविधा के लिए सोलर पेनल लगाने विभाग द्वारा 200 करोड रुपए स्वीकृत किये गए है।

छात्रावासों की निगरानी के लिए जनप्रतिनिधि व अधिकारी होंगे संबद्ध

मंत्री डॉ. विजय शाह ने बताया कि प्रत्येक छात्रावास पर निगरानी के लिए क्षेत्र के एक-एक जनप्रतिनिधि को छात्रावास आवंटित किया जाएगा, जिसमें वे सप्ताह के एक दिन जाकर बच्चो के साथ संवाद करेंगे। इसी प्रकार जिला प्रशासन द्वारा भी प्रत्येक छात्रावास के लिए एक अधिकारी संबंद्ध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनजाति कार्य विभाग द्वारा बालाघाट जिले के बैहर, बिरसा, परसवाडा विकासखंड में 07 सांदीपनि विद्यालय के प्रस्ताव तैयार किये गए है। उन्होंने सांदीपनि विद्यालय के 20 किमी की परिधि के बच्चों के स्कूल आने के लिए बस का टेण्डर करने के निर्देश भी दिये। जनजाति कार्य विभाग द्वारा कॉलेज पढने वाली बालिकाओ के लिए अलग से बसो की व्यवस्था भी करने कार्य योजना बनायी जा रही है। इसमें बैहर क्षेत्र को भी 10 बसे मिलने की संभावना है। बैठक में मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी, कलेक्टर कुमार सत्यम, वनमण्डलाधिकारी नित्यानंदम एल, रेशम सिंह धुर्वे, जिला पंचायत सीईओ सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, संयुक्त आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग नरोत्तम वरकडे, सुधांशु वर्मा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघन सिंह दाहिया एवं सभी विभागो के अधिकारी उपस्थित थे।

घर कैसे चलाए ?, 03 माह से नहीं मिला मानदेय व भुगतान

वर्षो से लंबित विभिन्न मांगों को लेकर रसोईया बहनों ने सौपा ज्ञापन, मांग पूरी न होने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन की दी चेतावनी, कहा- 15 सितंबर से करेंगे,काम बंद हड़ताल

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। जिले के विभिन्न शासकीय स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में मध्यान भोजन बनाने का कार्य करने वाली रसोईया बहनों ने, प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।जिन्होंने प्रांतीय स्व सहायता समूह रसोइया महासंघ के बैनर तले 3 माह के बकाया मानदेय का भुगतान यथाशीघ्र किए जाने सहित वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर

जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। जिसमें उन्होंने मानदेय सहित अन्य मांगे जल्द से जल्द पूरी न होने पर जिले सहित पूरे प्रदेश में 15 सितंबर से काम बंद ह?ताल कर सभी रसोईया बहनों के साथ सड़क पर उतरकर धरना प्रदर्शन कर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है ।

3 माह नही मिलता मानदेय,कैसे करे गुजारा ?

सामाजिक सुरक्षा, बीमा ,पेंशन योजना का लाभ दिए जाने ,मानदेय बढाने सहित वर्षों से लंबित अपनी स्थानीय व प्रदेश व्यापी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर उपस्थित रसोईया बहनों ने वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा कराए जाने की गुहार लगाई है। इस दौरान रसोईया बहनों ने अपने इतने कम मानदेय में गुजारा ना होने,समय पर मानदेय ना मिलने, और 3 माह का मानदेय लंबित होने से उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानी में होने की बात कहते हुए कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौपा है। तो वही मांग पूरी न होने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन की चेतावनी दी है।

आवेदन निवेदन पर भी नही हो रही सुनवाई

शासकीय स्कूलों में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन तैयार करने वाली स्व-सहायता समूह की रसोइया महिलाओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। प्रांतीय स्व सहायता समूह रसोइया महासंघ के पदाधिकारियों ने कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांगें पूरी नहीं होने पर 15 सितंबर से मध्याह्न भोजन योजना का काम बंद करने की चेतावनी दी है।महासंघ ने ज्ञापन में कहा कि रसोइया महिलाएं लंबे समय से विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने के साथ-साथ साफ-सफाई सहित अन्य जिम्मेदारियां निभा रही हैं, लेकिन उन्हें शासन की ओर से पर्याप्त मानदेय और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। कम मानदेय के कारण रसोइयों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

11 सूत्रीय मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

महासंघ ने ज्ञापन के माध्यम से 11 सूत्रीय मांगें शासन के समक्ष रखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से रसोइयों के मानदेय में वृद्धि करने, मानदेय का नियमित भुगतान करने, रसोइयों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने तथा विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों के हित में स्थायी व्यवस्था करने की मांग शामिल है।इसके अलावा रसोइयों को निर्धारित समय पर मानदेय उपलब्ध कराने, कार्य के अनुरूप सुविधाएं देने, दुर्घटना अथवा अन्य परिस्थितियों में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा शासन स्तर पर उनकी समस्याओं के निराकरण की मांग की गई है।

मांगें नहीं मानीं तो प्रदेशभर में बंद रहेगा काम

ज्ञापन में महासंघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि लंबे समय से मांगों के निराकरण के लिए शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया जा रहा है, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। यदि 15 सितंबर तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर के स्व-सहायता समूहों से जुड़ी रसोइया महिलाएं मध्याह्न भोजन योजना का कार्य बंद कर आंदोलन करेंगी।महासंघ ने शासन से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए रसोइया महिलाओं की मांगों का निराकरण करने और उन्हें सम्मानजनक मानदेय एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

15 से काम बंद कर,करेंगे हड़ताल-कविता

प्रांतीय स्व सहायता समूह रसोइया महासंघ जिलाध्यक्ष कविता लाडे, ने बताया कि हम हमें तीन माह के मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है वही मध्यान भोजन में लगने वाली सामग्री भी उपलब्ध नहीं कराई गई है।जिससे हम काफी परेशान हो चुके हैं।मानदेय ना मिलने से घर चलाना भी मुश्किल हो रहा है। अब तक हम दुकानों से उधार सामान लाकर काम चला रहे थे लेकिन अब दुकानदारो भी उधारी में सामान देने से मना कर दिया है।समय पर मानदेय न मिलने के चलते कई बहने ब्याज में कर्ज लेकर अपना काम चल रही हैं इसीलिए आज हमने ज्ञापन सौपा है।जिसमे 11 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है यदि 14 सितंबर तक मांगे पूरी नहीं होती तो 15 सितंबर से बालाघाट सहित संपूर्ण मप्र की रसोइया बहनों द्वारा काम बंद अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा
नो बी फार्मा
मो. 9340308019

क्षेत्र में धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया पोला उत्सव

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र में किसानों और ग्रामीणों द्वारा पोला पर्व बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास तथा उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किसानों ने अपने अहम सहयोगी पशुधन बैलों को आकर्षक ढंग से सजाया तथा उनकी पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। पोला पर्व कृषि और पशुधन के प्रति किसानों की कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। सुबह समय मे ग्रामीणों ने अपने पशुधन बैलों को रंग-बिरंगी सजावट से सजाकर उन्हें लेकर उत्सव स्थल पर पहुंचाया। इस दौरान ग्रामीणों में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने भी पारंपरिक पोला पर्व में सहभागिता की।पोला पर्व के माध्यम से किसानों ने खेती-किसानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बैल एवं पशुधन के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। पूरे क्षेत्र में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा। इस अवसर पर ग्राम पंचायत किरनापुर सरपंच प्रतिनिधि जे पी रामटेके एवं पंचायत सदस्यों तथा ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों के हस्ते पोला उत्सव स्थल पर मौजूद सभी किसान भाइयों को प्रतिवर्षानुसार परंपरा का निर्वहन करते हुए किसानों को गमछा एवं पारितोषिक भेंट स्वरूप प्रदान किए गए।

पोला पर्व पर पशुधन को खिलाए गए अनेक व्यंजन

पोला उत्सव स्थल से शाम के समय वापस घर पहुंचने पर किसानों ने पशुधन का तिलक वंदन कर आरती उतारकर पूजन किया एवं अपने घरों में बनाए गए विभिन्न तरह के पारंपरिक पकवानों का भोग लगाकर उन्हें प्रेमपूर्वक खिलाया गया।किसानों ने पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखी रहने की कामना की। बताएं कि पोला पर्व ग्रामीण अंचलों में किसान और पशुधन के बीच आत्मीय संबंध एवं कृषि संस्कृति का प्रतीक माना जाता है।

नगर में मूलनिवासी बहुजन समाज जोड़ो यात्रा आज

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। भारत मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में 'मूलनिवासी बहुजन समाज जोड़ो यात्रा' का आयोजन 11 सितंबर को बालाघाट नगर में किया जाएगा। यात्रा का शुभारंभ सुबह 11 बजे से होगा और शाम 5 बजे तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।आयोजकों के अनुसार यह यात्रा छत्रपति शिवाजी महाराज की 400वीं, राष्ट्रपिता ज्योतिबा फुले की 200वीं एवं जननायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को समर्पित है। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं आदिवासी संगठनों के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता शामिल होंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत मुक्ति मोर्चा नई दिल्ली. वामन मेश्राम साहब सहित अन्य पदाधिकारियों एवं अतिथियों की मौजूदगी रहेगी। कार्यक्रम के उद्घाटन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल को दी गई है। वहीं राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरसिंह राणा सहित विभिन्न पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।उक्त जानकारी जिला प्रभारी रामदास ठवकर द्वारा प्रेस विज्ञप्ति कर दी गई।

सामाजिक मुद्दों पर भी होगी चर्चा

आयोजकों ने कार्यक्रम के माध्यम से मूलनिवासी, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाने की बात कही है।इसमे चलो गांव की ओर, चलो बूथ की ओर का आह्वान करते हुए सामाजिक एकजुटता और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। कार्यक्रम में संविधान एवं सामाजिक अधिकारों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा प्रस्तावित है।आयोजकों ने क्षेत्र के मूलनिवासी बहुजन समाज, महिला, युवा, बेरोजगार, किसान तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों से नगर के माता सावित्री बाई फुले भवन में आयोजित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया है की है।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पोला पाटन पर्व

बैलों को दूल्हें की तरह सजाकर की गई पूजा अर्चना, जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में पोला पाटन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जिलेभर में जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।गुरुवार को बैलों की पूजा अर्चना का पर्व पोला पारम्परिक रीति-रिवाज के अनुसार मनाने के दौरान ग्रामीणों में खासा उत्साह नजर आया। किसानों का उपयोगी साथी एवं भगवान शंकर के परम भक्त नंदी बैलों को मवेशी मालिकों द्वारा नहलाकर रंग-बिरंगे कलर कर, सिंगो में चमकीला बेगड़ लगाया गया। वही गुब्बारा बांधकर फूलों का हार पहनाकर दूल्हें की तरह सजाया गया। जिसके बाद बैल जोड़ी को पोला मैदान में ले जाया गया। जहां गांव के बच्चे युवा व बुर्जुग महिलाए व पुरूष पोला मैदान में एकजुट हुये। इस अवसर पर गांव के मुखिया के घर से ढोल नगाड़ों के साथ आरती की थाल सजाकर पोला मैदान लाई गई। जहां सभी बैलजोडियों की पूजा अर्चना कर लोकगीत गाए गए।वही बैलों के पैर पखार कर उनकी विशेष पूजा अर्चना की गई। जिसके उपरांत उपस्थितजनों ने एक दूसरे को चांवल का तिलक लगाकर छोटे ने बड़े बुर्जुगों का आशीर्वाद लिया व पोला पर्व की बधाई देकर बैलजोड़ी दौड़ाई गई।

बैल जोड़ी को घर घर परोसा गया विशेष भोजन

पोला पर्व के बाद मवेशी मालिको द्वारा अपने घरों में बैल जोड़ी को ले जाकर उसकी आरती उतारी गई। वही घर में बने स्वादिष्ट पकवान खिलाकर उसकी पूजा की। तत्पश्चात गांव में आस-पास पड़ोस में बैल जोड़ी को लोगों के घर-घर ले जाया गया। जहां बैलों की आरती उतारकर तिलक लगाकर पूजा कर उन्हें पकवान खिलाया गया और बैल जोड़ी लाने वालों को भी तिलक लगाकर उपहार दिया गया।शहर मुख्यालय के वार्ड नंबर 33 गायखुरी दुर्गा चौक में पोला भराया गया। वहीं सरेखा मैदान, बगदरा, नेतरा और गायखुरी वार्ड नं 5, कोसमी सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में पोला भराकर, बैलजोड़ी की पूजा अर्चना कर बैल जोड़ी दौड़ाया गया।

आम की तोरन के नीचे लाइन से खड़ी की गई बैल जोड़ी

ग्रामीण अंचलों में पाटन पोला पर्व पर आखर मैदान में यह उत्साह मनाया गया।जहा आम के पत्ते की बनी तोरन के सामने सभी ग्रामीणों ने अपनी अपनी बैल जोड़ी लाइन से खडी की,वही स्थानीय नागरिको, व प्रतिष्ठित ग्रामीणों ने स्थानीय मंदिरो मे विशेष पूजा अर्चना कर बैल जोड़ी को तिलक लगाकर पूजा की।जहाँ पूजा सम्पन्न कर ग्रामीणों ने पत्ते से बनी तोरन लूट कर अपनी अपनी बैल जोड़ी को दौड़ाते हुए घर ले गए।जहाँ बैल जोड़ी को किसानों ने घर मे पकवान बनाकर अपने हाथों से खिलाया।वही कृषि कार्य मे सहयोग करने के लिए उनका आभार जताया।

परंपरा व संस्कृति से जुड़ा है पर्व

बालाघाट जिला मध्यप्रदेश का सबसे अधिक धान उत्पादक जिला है जो महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ की परंपरा व संस्कृति से जुड़ा है।जिसके चलते बालाघाट जिले में पोला के त्योहार का खास महत्व है।इस दिन किसान बैलों को दूल्हे की तरह सजाकर उन्हें पकवान खिलाते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किसान बैलों की सेवा उनका कृषि कार्य में सहयोग के लिए उपकार मनाते है। जिसके चलते यहां पोला किसानों का प्रमुख त्योहार माना जाता है।

कोसमी में बैल जोड़ी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नगर मुख्यालय से लगे ग्राम कोसमी में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष से भी पारंपरिक तरीके से पाटन पोल का पर्व मनाया गया। जहां पूर्व वर्षो की भांति सभी किसान अपनी अपनी बैल जोड़ी को सजाकर आखर मैदान पहुचे, जहां विशेष पूजा अर्चना के बाद पाटन पर्व के अवसर पर बैल जोड़ी दौड़ प्रतियोगिता कराई गई।वही आकर्षक कट काठी और बहतरीन सजावट के आधार पर ईनाम दिए गए जहा प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ व पाँचवे स्थान आने वाली बैल जोड़ी मालिको को नगद राशि,दीवाल घड़ी सहित पशु प्रेमी उत्कृष्ट किसान को नगद राशि, स्मृति सहित अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सरेखा व ग्राम बगदरा में भी पर्व विशेष की रही धूम

वहीं ग्राम बगदरा में भी पाटन पोला पर्व की धूम देखने को मिली। जहां वर्षो से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए पारंपरिक तरीके से यह पर्व मनाया गया। जिसका स्थानीय ग्रामवासियों ने जमकर लुत्फ उठाया। तो वहीं नगर के सरेखा वार्ड नंबर 30, 31 और 5 में भी पोला पाटन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।जहां सर्वप्रथम ग्रामीणों द्वारा काली मंदिर सरेखा में विशेष पूजा अर्चना की गई। जिसके उपरांत सभी बैल जोड़ी को शारदा मंदिर के पास आखर मैदान ले जाकर उन्हें एक पंक्ति में खड़ा किया गया। इसके उपरांत बारी-बारी से स्थानीय लोगों ने उनकी पूजा अर्चना कर गांव की खुशहाली के लिए मन्नते की। जिसमें वार्ड नंबर 30 वार्ड नंबर 31 और वार्ड नंबर 5 के स्थानीय लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जिन्होंने सह परिवार इस पर्व में शामिल होकर पर्व विशेष का जमकर लुत्फ उठाया।

बच्चों में पर्व विशेष को लेकर देखा गया खासा उत्साह

पोला पाटन पर्व पर खासकर बच्चो में खासा उत्साह देखा गया।बच्चों द्वारा भी तान्हा पोला के रूप में पर्व मनाकर मिट्टी व लकड़ी से बने बैलों को रंग रोगन कर आर्कषक सजाकर लोगों के घर-घर ले जाया गया। जहां बच्चों को उपहार दिया गया। इस पर्व को लेकर बाजार में पूजन सामग्री व मिट्टी व लकड़ी से बने बैलों व मिट्टी के खिलौने की दुकानें सजी रही।

यह वर्षो से चली आ रही परंपरा है-योगेश बिसेन

गायखुरी में आयोजित तन्हा पोला पर्व को लेकर की गई चर्चा के दौरान नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन ने बताया कि हिंदू संस्कृति के हिसाब से आज पोला पर्व मनाया जा रहा है।यह वर्षो से चली आ रही परंपरा है जिसे आज भी लोग निभा रहे हैं।किसान लोग खेती खुशहाली के लिए इस पर्व को मनाते हैं. स्थानीय ग्रामीण लोग अधिक से अधिक मवेशी पाले इसीलिए आयोजन किया जा रहा है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शुक्रवार 11 सितम्बर 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज़
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

पोला पाटन पर्व पर इनामी बैलजोड़ी दौड़ प्रतियोगिता सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लामता। पोला पाटन पर्व के अवसर पर लामता में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पारंपरिक इनामी बैलजोड़ी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता को लेकर किसानों एवं ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। ग्राम पंचायत लामता की ओर से प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बैलजोड़ियों के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि रखी गई थी। प्रतियोगिता में लामता

क्षेत्र के किसानों ने अपनी-अपनी बैलजोड़ियों को आकर्षक ढंग से सजाकर बाजे-गाजे के साथ सहभागिता की। पोला पर्व की परंपरा और उत्साह के बीच महकारी नदी पुल के समीप सभी बैलजोड़ियों को कतारबद्ध किया गया। विधिवत पूजा-अर्चना के बाद पटाखे फोड़कर बैलजोड़ी दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। करीब 200 मीटर की इस रोमांचक दौड़ में बैलजोड़ियों ने अपनी पूरी ताकत के साथ दौड़ लगाई। पहली बैलजोड़ी ने महज 15 सेकेंड में दूरी पूरी कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं दूसरी बैलजोड़ी ने 17 सेकेंड में दूरी पूरी कर द्वितीय तथा तीसरी बैलजोड़ी ने 20 सेकेंड में दूरी पूरी कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता बैलजोड़ियों को ग्राम पंचायत लामता के सरपंच श्री हुलासमल कोचर द्वारा प्रथम पुरस्कार के रूप में 2100 पुनाराम निवारे को दिया गया, लामता उपसरपंच मानेश्वर द्वारा द्वितीय पुरस्कार के रूप में 1100 शिब्बू लाल तथा सुशील कोचर द्वारा तृतीय पुरस्कार के रूप में 701 की पुरस्कार राशि प्रियांशु को प्रदान की गई।

32 बच्चों की मौत के बाद भी जवाबदेही तय नहीं, सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल

सागर में कार्रवाई तो बालाघाट में खामोशी क्यों?, 4-4 लाख की सहायता ने बढ़ाया संदेह

पदमेश न्यूज़। बालाघाट।

जिले के आदिवासी अंचल में बीमारी से 32 बच्चों की मौत का मामला अब कई गंभीर सवालों के घेरे में है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इन बच्चों की मौत किन परिस्थितियों में हुई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है? प्रशासनिक स्तर पर मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार मृत बच्चों के परिजनों को पहले 2-2 लाख और बाद में मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2-2 लाख रुपए अतिरिक्त दिए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि, मृत बच्चों के नामों की एक सूची सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है। सूची की पुष्टि और अधिकृत जानकारी के लिए जनसंपर्क अधिकारी से संपर्क किए जाने के बावजूद कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया।

इसी बीच बालाघाट के आदिवासी अंचल में बच्चों की मौत और सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद प्रशासनिक कार्रवाई की तुलना ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सागर में मौतों के बाद जिम्मेदारी तय करने और कार्रवाई का सिलसिला नजर आया, लेकिन बालाघाट में बच्चों की मौत के मामले में अब तक किसी की जवाबदेही तय नहीं होने से दोहरे मापदंड के आरोप उठ रहे हैं। सवाल यह है कि एक मामले में प्रशासनिक जिम्मेदारी तय की जा सकती है तो बच्चों की मौत के मामले में जवाबदेही तय करने से परहेज क्यों किया जा रहा है?, कांग्रेस विधायक एवं

जिला अध्यक्ष संजय उईके का कहना है कि कांग्रेस शुरुआत से ही इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग करती रही है। उनका तर्क है कि जब जिम्मेदारी तय होगी तभी प्रशासनिक कसावट आएगी और व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश बनेगी। उन्होंने सागर में जवाबदेही तय करने वाली सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में जिम्मेदारी तय नहीं हो पाना सरकार की संवेदनशीलता को ही कटघरे में खड़ा करता है। वहीं उन्होंने 32 बच्चों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने की जानकारी से अनभिज्ञता जताई। उईके ने कहा कि यदि सरकार ने वास्तव में प्रत्येक मृत बच्चे के परिवार को 4 लाख रुपए की सहायता दी है तो यह सहायता कहीं न कहीं सरकार की उस जिम्मेदारी को स्वीकार करने की दिशा में भी देखी जा सकती है, जिसमें बच्चों की मौत के पीछे व्यवस्था की विफलता के सवाल उठ रहे हैं। मामले को लेकर सरकार की ओर से मंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा कि सरकार पूरे घटनाक्रम को लेकर चिंतित है और स्थिति को नियंत्रित करने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शासन को जिस स्तर पर खामी महसूस हुई, वहां अधिकारी को हटाया गया है और नए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री स्वयं भी मामले को लेकर चिंतित हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। उधर, बालाघाट के प्रभावित आदिवासी अंचलों में बच्चों की मौत का मामला अब हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है। याचिकाकर्ता की ओर से मैदानी स्तर पर सामने आए तथ्यों को न्यायालय के समक्ष रखा गया है, जिसके बाद मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर को निर्धारित है। प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने को लेकर दिए गए तर्क पर हाईकोर्ट ने भी तल्ख टिप्पणी की है। न्यायालय ने सवाल किया कि क्या प्रशासन 27 बैगा बच्चों की मौत के बाद जागा है? अदालत की यह टिप्पणी पूरे मामले की गंभीरता को और बढ़ाती है। इधर बैहर क्षेत्र में भाजपा नेत्री एवं जिला पंचायत सदस्य के जन्मदिन समारोह को लेकर भी राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके और बैहर विधायक ने आदिवासी परिवारों के बीच जाकर जन्मदिन मनाने और मिठाई बांटने के तरीके पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि जिस समय क्षेत्र के आदिवासी परिवार अपने बच्चों की बीमारी और मौत को लेकर संकट से गुजर रहे हैं, ऐसे समय में उत्सव का माहौल बनाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि जन्मदिन के अवसर पर किसी जरूरतमंद की मदद की जाती तो वह सराहनीय कदम होता, लेकिन इस तरह सार्वजनिक रूप से उत्सव मनाना संवेदनशील परिस्थितियों में उचित नहीं माना जा सकता। वहीं बच्चों के उपचार को लेकर भी जनप्रतिनिधियों ने चिंता जाहिर की है। जिस तरह प्रभावित क्षेत्र के बच्चे उपचार के लिए दूसरे शहरों का रुख कर रहे हैं, उससे यह संकेत मिलता है कि आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रशासन के बीच अभी भी कहीं न कहीं बड़ा अंतर बना हुआ है। हालांकि क्षेत्र में कुछ सुधार होने की बात भी स्वीकार की जा रही है, लेकिन बच्चों की मौत, उपचार के लिए पलायन और कुपोषण जैसे सवालों के बीच यह सुधार अभी उस स्तर तक नहीं पहुंचा है, जहां व्यवस्था को पूरी तरह सुरक्षित और भरोसेमंद माना जा सके।

घेऊन ...जा रही नारबोद!

आज जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा नारबोद पर्व

पर्व को लेकर बच्चो में दिख रहा विशेष उत्साह

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ नारबोद पर्व मनाया जाएगा। इसको लेकर जिलेवासियों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। खास तौर पर छोटे बच्चे इस पर्व को मनाने के लिए उत्साहित हैं जिले के ग्रामीण अंचलों में जहां नारबोद पर्व भोर सुबह मनाया जाएगा तो वही नगर व तहसील क्षेत्र में सूरज निकलने के बाद इस पर्व की धूम नजर आएगी।वही इस पर्व विशेष पर ग्रामीण अंचलों में विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन किए जाएगे।धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान कृष्ण ने इस दिन पूतना राक्षसनी का वध किया था। तब से यह पर्व पोला पाटन के दूसरे दिन मनाया जाता है। इस दिन पूतना नामक राक्षसनी का एक पुतला बनाकर लोग आफत, बलाए, बीमारियों, मंहगाई, आदि बुराइयों को भी नगर या गाँव की सीमा से निकालने की बात कहते हुए तमाम बुराइयों को घेऊन जा री नारबोद कहकर पुतले का भ्रमण कराकर गाँव या शहर की सीमा से बहार ले जाकर पुतले का दहन करते है।

बुराईयो को दूर भगाने की करेंगे प्राथनाएं

देवकाल से चली आ रही यहा परम्परा आज भी निभाई जा रही है।माना जाता है कि यह पर्व किसानों की समृद्धि ही नहीं बल्कि उनकी तनाव मुक्त जीवन शैली का पैगाम देता है।जिले में नारबोद की अनुपम छटा आज शुक्रवार को देखने को मिलेगी।यह भी कहा जाता है कि खेत खलियानों में होने वाली पूजा में किसान उन खराब वस्तुओं को अपने से दूर करने की प्रार्थना करते है जो उन्हें बेहद परेशान करती है और उनके लिए आये दिन मुसीबत खड़ी करती है। किसान समुदाय प्रार्थना करता है कि नारबोद उस समस्या को अपने साथ लेकर चली जाए।इस दौरान कई जगह उस मुसीबतों का नाम लेकर उसका पुतला भी जलाया जाता है।जंगलों में निवासरत आबादी अपने घरों के सामने तेन्दु, पलाश और नीम के शाखाएं लगाते है।ये हरी भरी शाखाये संपन्नता का प्रतीक मानी जाती है।वही ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले किसान गराड़ी नामक पेड़ की टहनियां तोड़कर उसे अपनी हरी-भरी फसलों में लगाते हैं माना जाता है कि ऐसा करने से उनकी फसल हमेशा हरी-भरी और लहराती हुई रहेगी वहीं उनकी यह फसल बीमारियों से दूर रहेगी। शायद यही वजह है कि नगरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में इस पर्व को हर्षोल्लास और पूर्ण विधि-विधान के साथ मनाया जाता है।

बूढ़ी से बैंड बाजे के साथ निकाली जाएगी नारबोद

पोला पाटन पर्व के दूसरे दिन शुक्रवार को पारम्परिक रीति- रिवाज के साथ जिलेभर में मारबत पर्व मनाया जाएगा। जहा नगरीय क्षेत्र के अलावा ग्रामीण अंचलों में मारबत पर्व की धूम देखने को मिलेगी।मारबत के दिन सुबह सुबहा लोग अला-बला व बुराईयों को ले जा रही नारबोद चिल्लाते हुए मारबत का पुतला निकाल नगर व गांव की सीमा के बाहर ले जाएगे। जहा मुसीबत रूपी मारबत के पुतले को जलाकर सुख समृद्धि की प्राथनाएं की जाएगी। इसी कड़ी में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी पोला के दूसरे दिन वार्ड नंबर 11 बूढ़ी से बैंड बाजे की धुनों के साथ मारबत का पुतला निकाला जाएगा। मारबत का यह पुतला बूढ़ी से होते हुए बस स्टैंड, भटेरा चौकी, रेल्वे क्रासिंग से भटेरा चौकी नाका के उस तरफ एक स्थान पर रखा जाएगा।जहाँ घेऊन

जा री नारबोद चिल्लाते हुए पुतला दहन किया जाएगा।

वर्षो पुरानी परम्परा का किया जाएगा निर्वाह

मार्बत पर्व को लेकर बताया कि हर साल रात भर मार्बत का पुतला तैयार किया जाता है, जिसे सुबह पूरे बूढ़ी क्षेत्र का भ्रमण कराते हैं और भटेरा के आगे उस पुतले को जलाया जाता है. ऐसी मान्यता है कि इस इसे बीमारी दूर भागती है, पुतले का दहन कर सुख समृद्धि व शांति के लिए प्रार्थना की जाती है।यह परम्परा वर्षो से चली आ रही है जिसका इस वर्ष भी निर्वाह किया जाएगा।

न्यायालय भवन की मांग पर अधिवक्ताओं का मोर्चा, 12 सितंबर की लोक अदालत का बहिष्कार

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। बालाघाट में नए न्यायालय भवन की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। जिला अधिवक्ता संघ ने निर्णय लिया है कि आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में जिले का कोई भी अधिवक्ता शामिल नहीं होगा। इस दिन सभी अधिवक्ता न्यायालयीन कार्य से विरत रहेंगे और लोक अदालत की किसी भी प्रक्रिया में अपनी सहभागिता नहीं देंगे। अधिवक्ताओं का कहना है कि लंबे समय से नवीन न्यायालय भवन की मांग की जा रही है, लेकिन जमीन आवंटित होने के बावजूद निर्माण के लिए आवश्यक राशि अब तक स्वीकृत नहीं की गई है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 12 सितंबर शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन होना है। इसमें विभिन्न समझौता योग्य मामलों का निराकरण किया जाना है और अधिवक्ता भी इन मामलों को प्रक्रिया में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन इस बार न्यायालय भवन के मुद्दे पर सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं होने से अधिवक्ताओं ने लोक अदालत से दूरी बनाने का निर्णय लिया है। गुरुवार को बार रूम में आयोजित प्रेसवार्ता में जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष प्रवेश मलेवार ने न्यायालय भवन की बदहाल स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि बालाघाट का न्यायालय परिसर और बार रूम दशकों पुराने हैं और वर्तमान में बेहद जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं। यहां न्यायाधीशों के साथ अधिवक्ताओं और न्यायालय पहुंचने वाले पक्षकारों को भी अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जर्जर भवन के चलते हर समय सुरक्षा का खतरा बना हुआ है और किसी बड़े हादसे की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। मलेवार ने बताया कि जिला अधिवक्ता संघ के प्रयासों के बाद नवीन न्यायालय भवन के लिए 9 एकड़ 87 डिसमिल भूमि का आवंटन हो चुका है। इसके बावजूद भवन निर्माण के लिए सरकार द्वारा आवश्यक बजट उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। राशि आवंटन की मांग को लेकर चीफ जस्टिस और मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के साथ ही कई बार पत्राचार भी किया जा चुका है। हर स्तर पर आश्वासन मिलने के बावजूद अब तक निर्माण के लिए राशि स्वीकृत नहीं होने से अधिवक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। अधिवक्ता संघ का कहना है कि जब नवीन न्यायालय भवन के लिए जमीन उपलब्ध है और संबंधित स्तर पर लगातार मांग भी रखी जा रही है, तो फिर निर्माण के लिए बजट उपलब्ध कराने में देरी क्यों की जा रही है। इसी नाराजगी के चलते संघ ने 12 सितंबर की नेशनल लोक अदालत का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि यह निर्णय केवल सांकेतिक विरोध नहीं है, बल्कि लंबे समय से लंबित मांग को लेकर सरकार पर दबाव बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। जिला अधिवक्ता संघ ने चेतावनी दी है कि यदि इसके बाद भी नवीन न्यायालय भवन के निर्माण के लिए राशि आवंटित कर मांग पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अधिवक्ता धरना-प्रदर्शन, आंदोलन और बालाघाट बंद जैसे बड़े कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

सर्पदंश और पानी में डूबने से हुई मौत पर तीन परिवारों को 04-04 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्राकृतिक आपदा के कारण असमय जान गंवाने वाले तीन नागरिकों के परिवारों को प्रशासन ने राहत प्रदान की है। कटंगी एसडीएम विजय सिंह यादव ने आरबीसी 6(4) के प्रावधानों के तहत तीन प्रकरणों का निराकरण करते हुए 04-04 लाख रुपये इस प्रकार कुल 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्रत्येक प्रकरण में पीड़ित परिवार को 04 लाख रुपये की राहत राशि मंजूर की गई है। कटंगी अनुभाग के अंतर्गत तहसील तिरोड़ी में अगस्त एवं सितंबर माह में सर्पदंश और पानी में डूबने से तीन नागरिकों की असमय मृत्यु हुई थी। इन घटनाओं पर तहसीलदार तिरोड़ी श्रीमती गीता राहंगडाले ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आवश्यक जांच पूरी कर प्रकरण तैयार किए और उन्हें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय भेजा। प्रकरण प्राप्त होते ही एसडीएम श्री विजय सिंह यादव ने तत्काल संज्ञान लेते हुए तीनों मामलों में आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। तिरोड़ी तहसील के ग्राम बोनकट्टा निवासी संतोष पिता मंगरू की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनके पीड़ित परिवार के लिए चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार ग्राम गोरेघाट निवासी प्रियांशी पिता संजय की सर्पदंश से मृत्यु होने पर उनके परिवार को चार लाख रुपये तथा ग्राम गर्रागोसाई निवासी सविता मेश्राम पत्नी राहुल मेश्राम की सर्पदंश से मृत्यु होने पर उनके परिवार को भी चार लाख रुपये की राहत राशि स्वीकृत की गई है।इस प्रकार तीनों प्रकरणों में कुल 12 लाख रुपये की सहायता राशि पीड़ित परिवारों को प्रदान की जाएगी। एसडीएम श्री विजय सिंह यादव ने तहसीलदार कटंगी एवं तिरोड़ी को निर्देश दिए हैं कि अनुभाग में प्राकृतिक आपदा के कारण होने वाली जनहानि के मामलों में तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। सर्पदंश, पानी में डूबने, आकाशीय बिजली सहित अन्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली मृत्यु के प्रकरणों को बिना अनावश्यक विलंब के तैयार कर अनुविभागीय कार्यालय भेजने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि समय पर प्रकरण तैयार होने और भेजे जाने से पात्र पीड़ित परिवारों को आरबीसी 6(4) के प्रावधानों के तहत निर्धारित आर्थिक सहायता शीघ्र उपलब्ध कराई जा सकेगी। प्रशासन का उद्देश्य आपदा की स्थिति में पीड़ित परिवारों को नियमानुसार राहत पहुंचाने में किसी प्रकार की देरी न होने देना है।

बालक-शिक्षक सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों व उत्कृष्ट शिक्षकों का हुआ सम्मान

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। जन शिक्षा केंद्र मोहझरी में बुधवार को बालक-शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य एम.के. अवसरे की अध्यक्षता, बीईओ प्रमोद कुमार भीमटे के मुख्य आतिथ्य, बीआरसी शिवेंद्र ऊके के विशिष्ट आतिथ्य तथा डाइट बालाघाट के व्याख्याता श्री तुलेंद्र कुथे के अतिविशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ।समारोह में जन शिक्षा केंद्र अंतर्गत कक्षा 5वीं और 8वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही केंद्र की शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा अपने शिक्षकीय कार्य में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी शील्ड और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।इस अवसर पर डाइट बालाघाट के व्याख्याता तुलेंद्र कुथे ने जन शिक्षा केंद्र स्तर पर कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप 500-500 रुपये की नगद राशि प्रदान की।कार्यक्रम को सफल बनाने में जनशिक्षक मदनलाल

टांडेकर, श्रवण नखाते, प्रभारी प्रधानपाठक चिखलामाली, हितेन्द्र तिवारी, प्रभारी प्रधानपाठक बोरिकला, महेश उमरे, प्रभारी प्रधानपाठक कुम्हारी खुर्द सहित समस्त शिक्षकों का सहयोग रहा।कार्यक्रम का संचालन शासकीय माध्यमिक शाला सावरी कला के शिक्षक गिरीश कुमार पारधी ने किया।

आस-पास की खबरें

बेहरई में पोषण माह का हुआ शुभारंभ

जागरूकता रैली निकालकर दिया स्वस्थ जीवन शैली का संदेश

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में बुधवार को राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे के कुशल मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षक श्रीमती प्रिया ठाकुर की

उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर पोषण जागरूक रैली निकाली गई। साथ ही दीवार लेखन, वेबकास्ट प्रसारण और नारों के जरिये ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। चर्चा में पर्यवेक्षक श्रीमती प्रिया ठाकुर ने बताया कि यह पोषण माह 9 सितंबर 2026 से 8 अक्टूबर 2026 तक निरंतर संचालित किया जायेगा। इसका मुख्य उद्देश्य ब%चों, गर्भवती एवं धात्री (स्तनपान कराने वाली) महिलाओं तथा उनके परिवारों को पोषण और बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। आगे बताया कि इस अभियान के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में ग्रामीणों को पोषण से संबंधित वेबकास्ट का प्रसारण दिखाया गया। इसके साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों तथा आसपास के सार्वजनिक स्थलों की दीवारों पर पोषण संबंधी जागरूकता संदेश व प्रेरक नारे (दीवार लेखन) लिखे गये। यह अभियान एक माह तक चलेगा। इस दौरान जन-सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कई तरह की गतिविधियां आयोजित की जायेगी। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग पर्यवेक्षक श्रीमती प्रिया ठाकुर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता यशोमति काटेकर, सुनीता बारेकर, यशोदा चौधरी, सहायिका अनिता उइके सहित महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष, सचिव, सदस्यों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बैलों को सजाकर की गई विशेष पूजा

क्षेत्रभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पोला पर्व

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में 10 सितंबर को पोला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किसानों के द्वारा अपने अपने बैलों को सजाया गया, उन्हें अलग-अलग रंगों से रंगाया गया। साथ ही सीगों में बेगड़, पेंट लगाकर विशेष वनस्पति की तोरन बांधी गई व नये दांवन के साथ उन्हें ग्राम के मुख्य चौक-चौराहों पर इकट्ठा कर अपनी-अपनी बैल जोडियों को ग्राम के प्रमुख रास्तों में दौड़ाकर पोला पाटन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित खिल्या मुठया स्थल, अमोली के मंदिर चौक, बेहरई चौक में भी समस्त किसान बैलों को लेकर पहुंचे। जिसके पश्चात परंपरानुसार बांधी गई तोरन के नीचे गांव के बुजुर्गों के द्वारा पांच झड़तियां बोली गई तत्पश्चात बैलों को गांव भर घुमाया गया। इस दौरान लोगों के द्वारा बैलों की पूजा कर पकवान का भोग लगाया गया। जिसके बाद एक दूसरे को चांवल का तिलक लगाकर पोला पर्व की बधाई दी गई। यह पोला-पाटन का पर्व कृषि कार्य के समाप्त होने के बाद पोला एक विशेष पर्व है जो हरियाली का प्रतीक है। चर्चा में स्थाई पटेल, वरिष्ठ कांग्रेसी अनिल शर्मा ने बताया कि यह पोला पर्व विशेष रूप से किसानों व उनके पशुओं का पर्व है जो कृषि कार्य होने के बाद मनाया जाता है और यह एक विशेष पर्व है जो हरियाली का प्रतीक है। साथ ही यह भी बताया कि पोला पर्व पर किसानों के द्वारा बैलों को सजाकर व्यंजन बनाकर उनकी पूजा अर्चना की जाती है क्योंकि बैलों की मदद से ही किसान अपने सभी तरह के कृषि कार्य करता है। उन्ही की वजह से फसल का उत्पादन होता है और बैलों की मदद से ही किसानों के घर अनाजों से भरे रहते है, किसान को धन्य धान की प्राप्ति होती है इसलिये बैल के प्रति अपना प्रेम व सम्मान प्रकट करने एवं उनका आभार व्यक्त करने के लिए पोला का पर्व किसानों के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाकर खुशियां मनाई जाती है। श्री शर्मा ने बताया कि पोला पर्व हमारी लोक परंपरा और किसान जीवन की आत्मा है। हमारे जीवन और खेती में पशुधन का विशेष योगदान रहा है, आज का दिन उन्हीं बेजुबान पशुओं के प्रति अपनी श्रध्दा और कृतज्ञता अर्पित करने का अवसर है। हमें अपनी इन जड़ों और सांस्कृतिक विरासत को हमेशा संजोकर रखना चाहिए। इस पोला पाटन पर्व के अवसर पर ईश्वर से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखे। इस अवसर पर किसानगण व नगरवासी उपस्थित रहे।

घोटी में कृषकों ने धूमधाम से मनाया पोला पर्व

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में कृषकों के द्वारा परंपरानुसार बैलों को सजाकर पोला पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर किसानों के द्वारा बैलों को अलग-अलग रंगों से रंगाया गया। साथ ही सीगों में बेगड़, पेंट लगाकर विशेष वनस्पति की तोरन बांधी गई व नये दांवन के साथ उन्हें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सामने मैदान में एकत्रित किया गया। जहां पर ढोल-बाजे की धुन पर कृषकों ने एक दूसरे को तिलक लगाकर अभिनंदन किया एवं बैलों की पूजा की गई तत्पश्चात वरिष्ठ कृषकों के द्वारा झड़तियां बोलकर बैलों को दौड़ाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आज जलेगा मारबत का पुतला

पारम्परिक पोला पर्व के दूसरे दिन मारबत (नारबोद) पर्व नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया जाता है। इसी कड़ी में 11 सितंबर को प्रत्येक ग्रामों में मारबत (पूतना) का पुतला गांव की सरहद के बाहर जलाया जायेगा।

सड़क के बीच गड्डा और किनारे खुला सीवेज चैंबर दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण

आवागमन में हो रही परेशानी, सड़क की मरम्मत और खुले चैंबर पर ढक्कन लगाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण स्थल के आगे, पनबिहरी रोड एवं पुराने जनपद पंचायत कार्यालय के समीप तिराहे पर आवागमन जानलेवा साबित हो रहा है। मार्ग के ठीक बीचों-बीच एक गड्डा बन गया है, वहीं सड़क के किनारे पीएचई विभाग का सीवेज चैंबर बिना ढक्कन के खुला पड़ा है। चैंबर के आसपास झाड़ियां उग आने के कारण वह दूर से दिखाई नहीं देता, जिससे हर समय किसी बड़े हादसे का अंदेशा बना रहता है। वहीं सड़क के बीच में गड्डा होने के कारण वाहन चालक जान जोखिम में डालकर पटरी के किनारे से गुजरने को मजबूर हैं। यदि किसी दुपहिया, साइकिल सवार

या पैदल राहगीर का ध्यान ज़रा भी चूका, तो वे सीधे खुले सीवेज चैंबर में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं। जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। साथ ही पूर्व में दुर्घटनाएं भी हो चुकी है लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की बेरूखी से रोष व्याप्त

यह मार्ग नगर के सबसे व्यस्ततम मार्गों में से एक है। इसी रास्ते पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, तहसील कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सहित अन्य शासकीय कार्यालय स्थित है और स्कूली छात्र-छात्राएं, तहसील कार्यालय सहित अन्य शासकीय विभागों के कर्मचारी और आम नागरिक रोजाना आवागमन करते हैं। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की गाड़ियां भी दिनभर गुजरती हैं, फिर भी निर्माणाधीन अस्पताल भवन और पुराने जनपद कार्यालय के समीप सड़क के बीच में बना यह गड्डा और खुला सीवेज चैंबर किसी को नजर नहीं आ रहा है। जिससे ऐसा लगता है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। जबकि दुर से गड्डा एवं खुला सीवेज चैंबर दिखाई नही देने से रोजाना छोटी-बड़ी दुर्घटना हो रही है। साथ ही तीन रास्तों का संगम होने के कारण इस तिराहे पर वाहनों का दबाव अधिक रहता है। तेज गति से आने वाले वाहन चालकों को दूर से गड्डा और झाड़ियों में छिपा चैंबर दिखाई नहीं देता, ऐसी स्थिति में अगर सामने से कोई तेज गति से आते है तो तीन ओर से आने वाले लोग अनियंत्रित हो जाते है और दुर्घटना का शिकार हो जाते है। गत दिवस स्कूली छात्रा एवं एक व्यक्ति के वाहन की आपस में टक्कर हो गई थी लेकिन वह धीमी गति में होने के कारण उन्हे मामूली चोटे आई थी। अगर तेज गति में वाहन रहता तो बड़ा हादसा घटित हो सकता था। जागरूक नागरिक एवं राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार किये बिना सड़क के गड्डे का तत्काल समतलीकरण व मरम्मत करवाई जाये एवं पीएचई विभाग के खुले सीवेज चैंबर पर सीमेंट का पक्का ढक्कन लगवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

महाविद्यालय में "विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में गुरूवार को मानसिक स्वास्थ्य और वेलनेस कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया गया। जिससे विद्यार्थियों को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्या डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा अपने आसपास ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने के लिए प्रेरित किया, जो भावनात्मक रूप से परेशान हों। साथ ही विद्यार्थियों को मदद प्रदान करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने अपने व्याख्यान में कहा कि जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियॉ स्थायी नहीं होती। तनाव, असफलता, अकेलापन, पारिवारिक समस्याऐं अथवा मानसिक दबाव की स्थिति में व्यक्ति को स्वयं को अकेला न समझकर परिवार, मित्रों, शिक्षक अथवा विशेषज्ञ से संवाद कर साझा करना चाहिए। ताकि जीवन जीने की नई राह एवं नई सोच प्राप्त हो सके। समाजशास्त्र विषय के सहायक प्राध्यापक डॉ. निर्मल कीर्ति गेड़ाम ने विद्यार्थियों को आत्महत्या की समस्या का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से विश्लेषण प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को समझाया कि आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है बल्कि इसके पीछे सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक एवं भावनात्मक परिस्थितियॉ भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. हषिकेश पटेल ने आत्महत्या रोकथाम से संबंधित प्रेरणादायी कहानी सुनाकर विद्यार्थियों को जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियों को धैर्य एवं सकारात्मक सोच के साथ सामना करने का संदेश दिया। साथ ही योग एवं शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाये रखने उपाय भी बताये। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित योग, प्राणायाम, ध्यान एवं व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती अनिभा शरणागत के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

पुलिस की अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं खरीद-बिक्री के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत लालबर्रा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ग्राम कौड़िया-मुरझड़ में दबिश देकर 60 लीटर अवैध हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब जब्त करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त की गई शराब की अनुमानित कीमत लगभग 6 हजार रूपये बताई जा रही है। वहीं पुलिस ने गिरफ्तार हुए व्यक्ति के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) के तहत मामला पंजीबध्द कर लिया है।

पोला नारबोद त्यौहार के दौरान गश्त पर थी पुलिस

जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) वारासिवनी के मार्गदर्शन में अवैध गतिविधियों पर लगाम कसने हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है। 10 सितंबर को पोला नारबोद त्यौहार के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाये रखने और ग्राम भ्रमण के दौरान लालबर्रा पुलिस ने कौड़िया मुरझड़ निवासी बलीराम पंचेश्वर के घर के समीप स्थित खेत में पैरा के ढेर के पास बड़ी मात्रा में अवैध हाथ भट्टी क%ची महुआ शराब बेचने की नीयत से छिपाकर रखा हुआ था जिसे पुलिस ने जप्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से करीब 60 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची महुआ शराब बरामद कर कार्यवाही की है। वहीं पुलिस के द्वारा ग्राम कौड़िया में आरोपी की रैली निकालकर ग्रामीणों को एवं पनबिहारी में ग्राम चौपाल लगाकर अवैध शराब के दुष्परिणामों एवं उससे होने वाले सामाजिक नुकसान के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही आरोपी एवं ग्रामीणों को भविष्य में अवैध रूप से शराब का निर्माण एवं विक्रय नहीं करने की सख्त समझाइश भी दी गई। वहीं लालबर्रा पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरूध्द लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी राजमल दायमा, सहायक उपनिरीक्षक प्रशांत बंसोड़, प्रधान आरक्षक राजेंद्र गौतम, प्रधान आरक्षक पवन मर्सकोले, आरक्षक दिलीप राहंगडाले, अमर पांडे, प्रधान आरक्षक कृष्णकुमार पटले एवं आरक्षक हेमंत बिसेन का सराहनीय योगदान रहा।

उत्साह के साथ मनाया गया पोला पर्व गोवंश की हुई पूजा

जनप्रतिनिधियों सहित गणमान्य नागरिकों ने दर्ज कराई उपस्थिति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पोला पर्व नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक धार्मिक राजनीतिक सौहाद्र एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान घेऊन जारी नारबोद की आवाज गौवंश की पूजा के बाद गूंज उठी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर में पोला पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया और स्थानीय जय स्तंभ चौक पर पोला पर्व को लेकर लोगों में काफ ी उत्साह देखा गया। इस दौरान गोलीबारी चौक , आंबेडकर चौक , नेहरू चौक सहित सैकड़ों की संख्या में दोनो ओर पोला पर्व को देखने के लिये लोगों की भीड़ रही। स्थानीय जय स्तंभ चौक पर पत्तों की तोरन बैलों के लिये लगाई गई । जिसके नीचे लोगों ने अपने सजायें बैलों को लाकर खड़ा किया जहां आरती के बाद आतिशबाजी कर बैलों को दौड़ाया गया।

चौधरी बाड़े से निकली आरती

नगर के चौधरी बाडे से प्रतिवर्ष पोला पर्व पर आरती निकाली जाती है इस वर्ष भी चौधरी बाडे से आरती निकाली गई। जिसमें नगर के गणमान्य नागरिकों के साथ बैल जोड़ी लेकर और पूजा की थाली के साथ जुलूस के रूप में जय स्तंभ चौक पहुंची। जहां बैलों की पूजा अर्चना करने के बाद आतिशबाजी कर बैलों को दौड़ाया गया। इस अवसर पर गणमान्य नागरिकों के साथ ही सभी राजनीतिक दलों के लोगों ने पोला पर्व के अवसर पर स्थानीय जय स्तंभ पर उपस्थित बैलों की पूजा अर्चना कर सभी को पोला पर्व की शुभकामनाएं दी।

गौवंश की खुशी का पर्व है पोला

यह पोला पर्व गोवंश का त्यौहार है जिसमें किसानो ने अपनी खेती कार्य पूर्ण होने के बाद इस अवसर पर अपने बैलों को सजाकर उनकी पूजा अर्चना की है। जिसमें पहला दिन मोबिल पड़ा जिसमें पहले सुबह गांव वंशों की पूजा अर्चना कर उन्हें भोग लगाया गया। दूसरे दिन उन्हें पोला पर्व पर आकर्षक रंग बिरंगी रस्सी एवं रंग लगाकर सजाया गया। इसके बाद दौड़ कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनकी पूजा कर दौड़ाया गया। जहाँ से वह गौवंश पूरे नगर में घर घर पहुंचे जहाँ लोगो ने उनकी पूजा कर पकवान खिलाये गयें।

पोला पर्व पर नगर में मेले का हुआ आयोजन

पोला पर्व मनाने को लेकर नगर में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान जय स्तंभ चौक पर पोला पर्व मनाया गया जहां पर भव्य मेले का आयोजन हुआ। जिसमें गुब्बारे ,चकरी ,खिलौने और चटपटे पकवानों की दुकान भी लगी रही। जहां पर नगर के सैकड़ो लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराकर इस मेल को भव्य बनाया। जहां दोपहर ४ बजे के बाद लोगों की भीड़ एकत्रित होने लगी और रात ८ बजे तक यह भीड़ सड़कों पर उत्सव मनाती रही। जहां पर छोटे से लेकर बड़े हर किसी के द्वारा पर्व का आनंद मनाया गया।

पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने किसानो का गमछे से किया सम्मान

गौवंश की पूजा करने पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल सहित भाजपा के पदाधिकारी सदस्यों के साथ चौधरी बाड़े में पहुंचे। जहाँ से निकली शोभायात्रा के साथ वह जय स्तंभ चौक आए। जहां पर गौवंश मालिकों को तिलक लगाकर उन्हे गमछा भेंट कर किसानों का सम्मान किया गया। पदमेश से चर्चा में प्रदीप जायसवाल ने बताया कि हमारा भारत देश कृषि प्रधान देश है। हमारा क्षेत्र भी कृषि से ताल्लुक रखता है। हमारे किसानों के लिये गौवंश उनकी खेती में एक मददगार की भूमिका निभाते है। वर्षो से यह परंपरा चली आ रही है कि पोला पर्व के अवसर पर हम अपने गौवंश की विशेष पूजा अर्चना कर उन्हे सॅजाकर उनका आर्शीवाद ग्रहण करते है। इस दौरान पूर्व मंत्री श्री जायसवाल के साथ भाजपा के पदाधिकारी सदस्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विधायक विवेक पटेल ने गौवंश मालिको को भेंट किया गमछा

विधायक विवेक पटेल भी कांग्रेसियों के साथ चौधरी बाड़े से निकली शोभायात्रा में शामिल होकर जय स्तंभ चौक पहुॅचकर गौवंश की पूजा अर्चना की और उनके मालिकों को गमछा उपहार स्वरूप भेंट किया। पद्मेश से चर्चा में विधायक विवेक पटेल ने बताया कि हमारे यहाँ गौवंश का काफ ी महत्तव माना गया है। साथ ही इन्ही नंदी भगवान के रूप में देखा जाता है। कृषि प्रधान क्षेत्र होने के कारण किसानों के लिये पोला पर्व का एक खासा ही महत्तव रहता है। क्योंकि किसानों की खेती में गौवंश का अहम योगदान है। आज पोला पर्व पर वे समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई देते है। इस अवसर पर राहुल प्रियंका विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक डॉ. योगेंद्र निर्मल ने किसानों को दिया गिफ्ट

चौधरी परिवार से निकली आरती की शोभायात्रा में पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए। उन्होंने पशु मालिकों को तिलक लगाकर गिफ्ट भेंट कर उन्हें पोला पर्व की शुभकामनाएं दी। पद्मेश से चर्चा में पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल ने बताया कि आदिकाल से यह पर्व मनाया जा रहा है अच्छी फ सल और किसान की खुशहाली का प्रतीक यह पर्व माना जाता है। हमारा क्षेत्र कृषि प्रधान है अभी कृषि कार्य खत्म होने पर यह पर्व मनाया जाता है लोगों में काफ ी उत्साह है। हर वर्ष यह परंपरा अदा की जाती है जो चौधरी बाडे ने आज भी जिंदा रखी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली ने किसानों को दिया गमछा

पोला पर्व पर राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली ने किसानों को तिलक लगाकर गमछा वितरित कर सम्मानित किया। जावेद अली ने कहा कि यह पर्व मुख्य रूप से कृषि कार्यों में अहम भूमिका निभाने वाले पशुधन के सम्मान और उनकी पूजा के लिए समर्पित है। यह त्योहार जिले के साथ ही महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान अपने बैलों को नहलाकर दुल्हन की तरह सजाते है और उनके सींगों पर रंग किए जाते है। तथा उन्हें सुंदर वस्त्रों और फूलों की मालाओं से सजाया जाता है।

आज मनाई जायेगी नारबोद

पोला पर्व के साथ ही पैशाचिक वृत्तियों को दूर किये जाने के लिये हर बलाओं और परेशानियों से मोक्ष के लिये रात भर जागरण कर नारबोद के पुतले को पूरे नगर और ग्राम में घुमाया जायेगा और सुबह उसे सरहद के पार मारकर फेंक दिया जायेगा। ताकि नगर सहित क्षेत्र में आने वाली बुराई बलाओं से बचाया जा सके।

अधिवक्ताओं ने जर्जर भवन के विरोध में रैली निकाल किया अनोखा प्रदर्शन

अधिवक्ता हेलमेट पहनकर पहुंचे कोर्ट, नेशनल लोक अदालत से विरत रहने का लिया निर्णय

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। व्यवहार न्यायालय वारासिवनी परिसर में गुरुवार को अधिवक्ताओं का एक अनोखा और उग्र विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। अधिवक्ता संघ वारासिवनी के तत्वाधान में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान सभी अधिवक्ता सिर पर हेलमेट पहनकर न्यायिक कार्यों में उपस्थित हुए। इसके पश्चात न्यायालय परिसर में ही एक रैली निकालकर अधिवक्ताओं ने शासन प्रशासन और संबंधित विभाग के खिलाफ अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की।

५० साल पुराना भवन लगातार गिर रहा प्लास्टर

अधिवक्ता संघ से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान व्यवहार न्यायालय भवन का निर्माण लगभग ५० वर्ष पूर्व हुआ था। लंबे समय से मरम्मत नही होने के कारण भवन अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। छत का प्लास्टर आए दिन टूटकर गिरता रहता है। पूर्व में भी न्यायालयीन कार्यप्रणाली के दौरान रीडर की टेबल के समीप छत की सीमेंट का एक बड़ा टुकड़ा आ गिरा था। गनीमत यह रही कि उस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन कई बार अधिवक्ता, न्यायालयीन कर्मचारी और पक्षकार गंभीर चोटिल होने से बाल बाल बचे हैं। जर्जर भवन के कारण हर समय किसी बड़े हादसे का डर बना रहता है। इस गंभीर समस्या से निजात पाने के लिए नवीन न्यायालय भवन का निर्माण किया जाना अत्यंत आवश्यक है ताकि भविष्य में होने वाली किसी भी अप्रिय घटना से अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं आम जनता की जान माल की सुरक्षा की जा सके। जर्जर स्थिति पर कोई ठोस कदम नही उठाए जाने से नाराज अधिवक्ता संघ वारासिवनी ने आपातकालीन बैठक कर विरोध दर्ज कराने की रणनीति तैयार की। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विरोध स्वरूप सभी अधिवक्ता हेलमेट पहनकर कोर्ट में उपस्थित होंगे और रैली निकालेंगे। इसके साथ ही अधिवक्ताओं ने आने वाली नेशनल लोक अदालत से विरत रहने का कड़ा फैसला लिया है। इसी के तहत सभी अधिवक्ताओं के द्वारा हेलमेट धारण कर रैली निकाली गई वहीं कार्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई गई हैं।

व्यवहार न्यायालय भवन की स्थिति जर्जर हो गई है-संदीप नगपुरे

अध्यक्ष संदीप नगपुरे ने बताया कि यह हेलमेट पहनकर हम विरोध प्रकट कर रहे हैं व्यवहार न्यायालय भवन ५२ वर्ष पुराना है पिछले ५ वर्षों से छत का प्लास्टर गिर रहा है । इसकी सूचना कई बार दी गई है नए परिषद आज तक नहीं बनाए गए हैं हम लोगों की फ ाइलों पर पानी गिरता है । न्यायाधीश को भी अपनी कुर्सी हटाकर बैठना होता है यह जो भवन है इसे डिस मेंटल कर नया भवन बनाना चाहिए । हाई कोर्ट ने इस पर ऑर्डर भी दिया है पर आज तक कोई काम नहीं हुआ यहां कभी भी किसी के भी साथ दुर्घटना हो सकती है और हमने लोक अदालत से विरत रहने का ऐलान कर दिया है।

वारासिवनी रेलवे परिसर में २५ वर्षीय काजल बिसेन का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

क्षेत्र में फैली सनसनी, गोंदिया से वारासिवनी तक के घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी जांच टीम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के रेलवे स्टेशन परिसर में गुरुवार की सुबह एक अज्ञात युवती का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थिति को संभालते हुए स्थानीय पुलिस ने तत्परता दिखाई और मामला रेलवे सीमा का होने के कारण आरपीएफ तथा वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। फ्लिहाल मौत की वजह साफ नहीं हो सकी है। यह हत्या है या कोई दुर्घटना पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी है।

सुबह लोगों ने दी सूचना बैग से हुई पहचान

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह जब कुछ स्थानीय नागरिक वारा रेलवे क्रॉसिंग से स्टेशन की ओर मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। तभी पोल नंबर १०६०,१० एवं ११ के बीच फुटपाथ के प्रारंभ में किनारे झाड़ियों में एक शव पड़ा हुआ दिखाई दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत डायल ११२ पर सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्टेशन मास्टर और आरपीएफ को सूचित किया। इसके बाद एडिशनल एसपी निहित उपाध्याय सहित पुलिस और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने युवती के पास मिले ग्रे रंग के बैग और पर्स की जांच की जिसमें मिले दस्तावेजों के आधार पर परिजनों से संपर्क किया गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने मृतिका की पहचान काजल बिसेन पिता फुलचंद बिसेन २५ वर्ष निवासी ग्राम डोके थाना रामपायली के रूप में की। अधिकारियों ने करीब ४ घंटे तक घटना स्थल का गहन निरीक्षण किया। इसके बाद शव को एंबुलेंस से सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह भेजा गया। जहां आवश्यक कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

गोंदिया के निजी अस्पताल में कार्यरत थी काजल बिसेन

ग्राम डोके निवासी फुलचंद बिसेन के चार पुत्री और एक पुत्र हैं जिनका मुख्य पेशा खेती बाड़ी है। उनकी बेटी काजल बिसेन ने उच्च शिक्षा प्राप्त की थी और वह गोंदिया महाराष्ट्र के एक निजी अस्पताल में कार्यरत थी जहां वह किराए के मकान में रहती थी। काजल बीते दिनों कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाने अपने गृह ग्राम डोके आई हुई थी। सोमवार की सुबह उसके भाई रोहित बिसेन ने उसे गोंदिया जाने के लिए वारासिवनी रेलवे स्टेशन छोड़ा था। गोंदिया पहुंचकर काजल अपने काम पर उपस्थित भी हुई। इसके बाद मंगलवार को वह कुछ बैंकिंग कार्यों के सिलसिले में पुनः वारासिवनी आई थी। इस बात की जानकारी काजल ने मंगलवार शाम करीब ६.३० बजे फ ोन पर अपने भाई रोहित को दी थी। मंगलवार की शाम उससे बातचीत के बाद से काजल और उसके परिजनों के बीच कोई संपर्क नहीं हो सका था। परिजन बेखबर थे कि अचानक गुरुवार की दोपहर पुलिस के माध्यम से युवती का शव मिलने की खबर मिली। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर जब शव देखा तो उनकी चीख पुकार निकल गई। पुलिस अब मामले की हर कड़ी को जोड़कर विस्तृत तहकीकात कर रही है।

मृतिका मेरी बहन है गोंदिया के निजी अस्पताल में काम करती थी-रोहित बिसेन

मृतिका के भाई रोहित बिसेन ने बताया की रेलवे स्टेशन में जो युवती का शव मिला है वह मेरी बहन है उसका नाम काजल बिसेन है। वह गोंदिया के निजी अस्पताल में काम करती थी और किराए से रहती थी। अभी जन्माष्टमी मनाने के लिए गांव आई हुई थी जिसे सोमवार की सुबह मेरे द्वारा रेलवे स्टेशन छोड़ गया था इसके बाद फोन पर हमारी बात होती रहती थी। मंगलवार की शाम ६.३० बजे मेरी बहन ने फोन करके बताया था कि वह वारासिवनी बैंक के काम से आई थी अब वापस गोंदिया जा रही है ,उसके बाद से हमारी कोई बात नहीं हुई और मेरा फोन भी नहीं उठाई। आज दोपहर में हमें सूचना मिली मौके पर आकर देख तो हमारी बहन थी अब कैसे क्या हुआ यह जानकारी हमें नहीं है मामले में पुलिस जांच करें।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि रेलवे स्टेशन परिसर में शव मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर उपस्थित होकर संबंधित अधिकारियों को जानकारियां दी गई। तत्पश्चात आवश्यक पूछताछ कर कार्यवाही करने के बाद मर्ग जांच की जा रही हैं।

अनूप कुमार उइके
थाना प्रभारी वारासिवनी

खैरलांजी में धुमधाम से मनाया गया पोला पर्व, पोला पर्व सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता को दर्शाता है-रामकुमार नगपुरे

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी । क्षेत्र में पोला त्योहार कृषि संस्कृति और पारंपराओं से गहराइयों से जुड़ा हुआ है। यह त्यौहार भाद्रपद मास की अमावस्या को मनाया जाता है और विशेष रूप से किसानों के द्वारा बैलों के प्रति श्रद्धा और आभार प्रकट करने के लिए समर्पित होता है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पोला पर्व खैरलांजी निवासी पूर्व सरपंच स्व.मोहनलाल नगपुरे के घर से किसानो व जनप्रतिनिधियों के साथ आरती की थाल लेकर खैरलांजी के आंबेडकर पहुँचे। जिसके पश्चात बैलो की पूजा अर्चना की गई और बैलो को दौड़ाया गया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ने बताया की पोला पर्व केवल एक धार्मिक त्योहार ही नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता को भी दर्शाता है। पोला पर्व मुख्य रूप से किसानों का त्यौहार है जो कृषि में बैलों की अहम भूमिका को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। इस दिन किसान अपने बैलों को स्नान कराते हैं उन्हें सजाते हैं और बैलो के सिंग पर तेल लगाकर उन्हें सुंदर रंगों से सजावट करते है। वहीं बैलों को फूलों की मालाओं और रंग बिरंगे कपड़ों से सजाया जाता है। किसान अपने बैलो की पूजा कर उसे विशेष भोजन खिलाते हैं इस दिन पारंपरिक व्यंजन भी बनाए जाते है। श्री नगपुरे ने बताया कि बैलों की साज सज्जा में प्रथम इनाम कार्तिक बहेटवार आलमारी,द्वितीय प्रहलाद पताहे ड्रेसिंग,तृतीय फदिस पताहे होमथेटर,चौथा इनाम रूपेश सिहोरे टेबल पंखा, पांचवा इनार्म रामरत्न लिल्हारे को प्रेस इनाम के रूप में दिया गया है। वहीं अन्य किसानों को भी इनाम दिया जाता है। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे, भगतसिंह नगपुरे,सदाराम लिल्हारे, योगेन्द्र कृपगये, अनिल कृपगये, मदनलाल बनोटे, विनोद लिल्हारे, राजकुमार नगपुरे, शरद नगपुरे, कामता प्रसाद दमाहे, किरण लोधी, धनेन्द्र मसखरे, ज्ञानीराम लिल्हारे, सहशराम बहेटवार, सुरेश दमाहे,अजबसिंह कृपगये, कपील मेश्राम, रामेश्वर लिल्हारे, दिनेश दमाहे, पितम दमाहे, गिरीश नगपुरे, नितेंद्र नगपुरे, संभरसिंह मसखरे, रूपेश शिवहरे, छन्नू दमाहे,लक्ष्मण देवारे, रामेश्वर लिल्हारे, नरेंद्र बसेने, राजेश पताहे,विनोद देवगडे, किशन मसखरे, राधेश्याम लिल्हारे,बालचंद करकाडे, निलू नगपुरे, बुधराम नगपुरे,दुर्गा मंदरेले सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पर्युषण-मन की भटकन मिटाकर आत्मा को निर्मल बनाने वाला अलौकिक पर्व

जैन धर्म में पर्युषण महापर्व का स्थान अत्यंत ऊंचा और विशिष्ट है। यह केवल धार्मिक परंपरा निभाने का अवसर नहीं, बल्कि मनुष्य को अपने भीतर झांकने, जीवन का मूल्यांकन करने और आत्मा को विकारों से मुक्त करने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। जैन दर्शन का मूल संदेश अहिंसा, संयम, अपरिग्रह, सत्य, करुणा और आत्मजागरण है। पर्युषण इन्हीं सिद्धांतों को जीवन में उतारने का विशेष अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि इसे पर्वराज कहा गया है। यह बाहरी उत्सव से अधिक अंतरात्मा का उत्सव है, जिसमें श्रावक-श्राविकाएं अपने जीवन को धर्म, तप, त्याग और आत्मचिंतन से समृद्ध करने का प्रयास करते हैं। वर्षा ऋतु प्रकृति को नई ऊर्जा देती है। गर्मी से सूखी धरती वर्षा का जल पाकर फिर हरी-भरी हो जाती है। इसी प्रकार चातुर्मास में संतों और साध्वियों के सान्निध्य से समाज के भीतर भी धर्म की चेतना का संचार होता है। उनकी वाणी मनुष्य को संसार की भागदौड़ से कुछ समय हटकर आत्मा की ओर देखने की प्रेरणा देती है। चातुर्मास के दौरान धर्मसभा, स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण, तप, जाप और संयम जैसी साधनाओं के माध्यम से श्रावक-श्राविकाओं को आत्मिक विकास का अवसर मिलता है। इसी धार्मिक वातावरण में पर्युषण का आगमन मनुष्य के लिए विशेष जागरण का संदेश लेकर होता है। जैन धर्म में भगवान महावीर ने मनुष्य को बाहरी उपलब्धियों से अधिक अपने स्वभाव की पहचान करने का मार्ग बताया। मनुष्य जब अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर परभाव और विषय-वासनाओं में उलझ जाता है, तब उसके जीवन में अशांति बढ़ती जाती है। इच्छा, क्रोध, मान, माया और लोभ मन को निरंतर भटकाते रहते हैं। पर्युषण इस भटकन को रोककर व्यक्ति को अपने भीतर लौटने का अवसर देता है। यह पर्व पूछता है कि हम वर्षभर किस दिशा में चलते रहे, हमारे व्यवहार से किसी को दुख तो नहीं पहुंचा, हमने अपने जीवन में कितना संयम अपनाया और आत्मकल्याण के लिए कितना पुरुषार्थ किया। आज का जीवन सुविधाओं से भरपूर होने के बावजूद मानसिक तनाव और असंतोष से घिरा दिखाई देता है। मनुष्य बाहरी सुखों की खोज में लगातार दौड़ रहा है, लेकिन भीतर की शांति उससे दूर होती जा रही है। जैन धर्म का अध्यात्म इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। वह बताता है कि स्थायी आनंद बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि में है। पर्युषण इसी सत्य को अनुभव करने का अवसर है। इन दिनों श्रावक-श्राविकाएं अपनी दिनचर्या में धर्म को प्रमुखता देते हैं और भोजन, मनोरंजन तथा सांसारिक व्यस्तताओं के स्थान पर आत्मचिंतन और साधना को महत्व देते हैं। पर्युषण का एक बड़ा उद्देश्य तप और त्याग की भावना को मजबूत करना है। अपनी क्षमता के अनुसार उपवास, एकासन, आयंबिल, सामायिक, स्वाध्याय और अन्य धार्मिक नियमों का पालन करने से व्यक्ति में आत्मअनुशासन विकसित होता है। तप केवल शरीर को कष्ट देने का साधन नहीं है, बल्कि इच्छाओं पर नियंत्रण और मन को साधने की प्रक्रिया है। जब व्यक्ति अपनी आदतों और इच्छाओं पर संयम करना सीखता है, तब उसके भीतर धैर्य और आत्मविश्वास बढ़ता है। इससे जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी अनुशासन और संतुलन आता है। पर्युषण श्रावक-श्राविकाओं को क्षमा, करुणा और मैत्री का संदेश भी देता है। मन में किसी के प्रति नाराजगी, द्वेष या कटुता बनी रहे तो आत्मा पर उसका प्रभाव पड़ता है। इसलिए यह पर्व पुराने मनमुटाव को समाप्त करने और संबंधों में मधुरता लाने का अवसर देता है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश बनाम स्थानीय प्रशासन

सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट दिशानिर्देश या आदेश का सम्मान करना वैकल्पिक नहीं बल्कि संवैधानिक दायित्व है

वैश्विक स्तरपर लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती केवल चुनाव कराने में नहीं, बल्कि इस बात में होती है कि सत्ता स्वयं कानून के सामने जवाबदेह रहे।दुनियाँ के परिपक्व लोकतांत्रिक देशों में संविधान सर्वोच्च होता है,कानून शासन का आधार होता है और न्यायपालिका के आदेशों का पालन शासन-प्रशासन की अनिवार्य जिम्मेदारी मानी जाती है।लोकतंत्र तब और मजबूत दिखाई देता है, जब सरकार का मंत्री हो या सामान्य कर्मचारी,मुख्य सचिव हो या निचले स्तर का अधिकारी,हर व्यक्ति संविधान और न्यायालय के आदेश के सामने समान रूप से उत्तरदायी हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में न्यायपालिका को न्याय का मंदिर मानने की गहरी लोकतांत्रिक आस्था इसी व्यवस्था को मजबूती देती है। लेकिन 9 सितंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट के सामने आया गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्र से जुड़ा मामला इसी बुनियादी सिद्धांत पर एक गंभीर सवाल खड़ा करता है, यदि सर्वोच्च न्यायालय स्पष्ट रूप से किसी कार्रवाई पर रोक लगा चुका हो,तो उसके बाद कोई कार्यकारी अधिकारी उसी मामले में कार्रवाई करने का साहस कैसे कर सकता है? सुप्रीम कोर्ट का 9 सितंबर 2026 का रुख इसी संवैधानिक संदेश को रेखांकित करता है अधिकारी कानून के संरक्षक हैं, कानून से ऊपर नहीं। प्रशासन के पास शक्ति है,लेकिन उस शक्ति की सीमा संविधान तय करता है; और जब सर्वोच्च न्यायालय किसी मामले में स्पष्ट दिशा देता है, तो उस दिशा का सम्मान करना वैकल्पिक नहीं, बल्कि सटीकता से संवैधानिक दायित्व है। साथियों, मामला गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के दूसरे वर्ष के छात्र से जुड़ा है।,उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार,छात्र को 4 सितंबर को ग्रेटर नोएडा के कार्यकारी मजिस्ट्रेट की ओर से ऐसा नोटिस जारी किया गया,जिसमें छह महीने तक शांति बनाए रखने के लिए 5 लाख रूपए का निजी मुचलका और समान राशि के दो जमानतदार देने को कहा गया था। यह कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता यानी बीएनएसएस की धारा 130 के तहत की गई थी और इसके पीछे पुलिस की ओर से यह आरोप बताया गया कि छात्र ने अन्य विद्यार्थियों को सीजेपी के नेतृत्व वाले प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया तथा ऐसी गतिविधियों से परिसर में तनाव और कानून- व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। छात्र ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उसने प्रदर्शन में शांतिपूर्ण ढंग से हिस्सा लिया था।लेकिन इस पूरे प्रकरण की असली गंभीरता नोटिस में मांगी गई 5 लाख रूपए की राशि से भी आगे जाती है। साथियों सवाल यह है कि जब 1 सितंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट पहले ही 20 से 25 जुलाई के सीजेपी प्रदर्शनों से संबंधित एसआईआर्स को रद्द कर चुका था और ऐसे प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के खिलाफ आगे दंडात्मक कार्रवाई न करने की स्पष्ट दिशा दे चुका था, तब 4 सितंबर को उसी आंदोलन से जुड़े एक छात्र को नया नोटिस कैसे जारी हुआ? सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर के आदेश का उद्देश्य ही यह सुनिश्चित करना था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल युवाओं का भविष्य आपराधिक मामलों के कारण प्रभावित न हो। अदालत ने अधिकांश प्रदर्शनकारियों को राहत दी थी, हालांकि गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों के लिए अपवाद रखा गया था। साथियों, यही वह बिंदु है जहां 9 सितंबर को भारत की सर्वोच्च अदालत का स्वर असाधारण रूप से कठोर दिखाई दिया।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ,जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे,के सामने जब यह मामला रखा गया तो अदालत ने पूछा कि जब उसके आदेश की भाषा स्पष्ट थी और छात्रों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक थी,तब कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने ऐसा कदम कैसे उठाया। रिपोर्टों के अनुसार सीजेआई ने इस कार्रवाई पर तीखी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगने की बात कही।अदालत के लिए मुद्दा केवल एक नोटिस नहीं था; प्रश्न न्यायिक आदेश की गरिमा और उसके अनुपालन का था। साथियों,यहां एक कानूनी बारीकी को समझना भी आवश्यक है। शांति बंधपत्र या प्रवेनटिव बांड अपने आप में किसी व्यक्ति को अपराधी घोषित करने वाली सजा नहीं है। कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका होने पर प्रशासन कुछ परिस्थितियों में निवारक कार्रवाई कर सकता है।लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी निवारक शक्ति का इस्तेमाल भी कानून, न्यायिक आदेश और संवैधानिक अधिकारों की सीमाओं के भीतर ही होना चाहिए। यही कारण है कि इस प्रकरण को केवल 5 लाख रूपए के नोटिस के रूप में देखना अधूरा होगा। असली प्रश्न यह है कि निवारक प्रशासनिक शक्ति और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संरक्षित नागरिक अधिकारों के बीच सीमा-रेखा कहां है?छात्रों का प्रदर्शन इसी व्यापक विवाद की पृष्ठभूमि में हुआ था। जुलाई में सीजेपी के नेतृत्व में नीट और कथित पेपर-लीक से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों के बाद विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध एसआईआर्स और अन्य कानूनी कार्रवाई हुई। मामला अंततः सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और 1 सितंबर को अदालत ने आर्टिकल 142 के तहत अपने असाधारण अधिकार का प्रयोग करते हुए अधिकांश संबंधित एसआईआर्स समाप्त कर दीं। अदालत ने इस राहत के पीछे युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखने की बात कही। इसी घटनाक्रम के बाद प्रस्तावित 5 सितंबर के मार्च को भी वापस लिया गया। साथियों,इस पृष्ठभूमि में 4 सितंबर का नोटिस इसलिए अधिक संवेदनशील बन जाता है क्योंकि इससे यह संदेश जाने का खतरा पैदा होता है कि एक ओर सर्वोच्च न्यायालय किसी आंदोलन में शामिल छात्रों को आपराधिक कार्रवाई से राहत देता है और दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन उसी घटनाक्रम के आधार पर निवारक कार्यवाही शुरू कर देता है।भले ही दोनों कानूनी प्रक्रियाओं की तकनीकी प्रकृति अलग हो, आम नागरिक के मन में स्वाभाविक प्रश्न उठेगा,यदि सर्वोच्च न्यायालय का आदेश छात्रों को सुरक्षा देता है, तो क्या कोई प्रशासनिक प्रक्रिया उसी सुरक्षा को अप्रत्यक्ष रूप से निष्प्रभावी कर सकती है? यही लोकतांत्रिक शासन की असली परीक्षा है। किसी अधिकारी की शक्ति इस बात से निर्धारित नहीं होती कि उसके पास कितना प्रशासनिक अधिकार है; उसकी शक्ति की वैधता इस बात से निर्धारित होती है कि वह उस अधिकार का इस्तेमाल संविधान और न्यायालय के आदेशों के अनुरूप कैसे करता है। यदि कोई अधिकारी न्यायालय के आदेश को गलत समझता है, तो उसके पास स्पष्टीकरण मांगने, कानूनी राय लेने या उच्च अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त करने के रास्ते मौजूद होते हैं। लेकिन यदि स्पष्ट न्यायिक निर्देश के बावजूद कार्रवाई होती है, तो मामला व्यक्तिगत प्रशासनिक निर्णय से उठकर सटीकता से रूल ऑफ लॉ का प्रश्न बन जाता है। साथियों,इस घटना का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भी है न्यायपालिका की अवमानना केवल अदालत की प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं है। न्यायिक आदेशों का पालन इसलिए आवश्यक है क्योंकि नागरिक अपने अधिकारों की अंतिम सुरक्षा के लिए अदालत की ओर देखते हैं। यदि किसी छात्र को यह भरोसा हो कि अदालत ने उसके पक्ष में स्पष्ट आदेश दिया है, लेकिन अगले ही दिन कोई स्थानीय अधिकारी उसी विषय में कार्रवाई कर सकता है, तो इससे न्यायिक संरक्षण की विश्वसनीयता पर असर पड़ सकता है।वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा अदालत के सामने यह चिंता भी रखी गई कि ऐसी कार्रवाई छात्रों के बीच भय का वातावरण पैदा कर सकती है।हालांकि इस मामले में स्थानीय प्रशासन ने बाद में नोटिस वापस ले लिया। पुलिस के अनुसार, मामला संज्ञान में आने के बाद कार्रवाई की समीक्षा की गई और नोटिस निरस्त कर दिया गया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट का रुख यह संकेत देता है कि केवल आदेश वापस लेना ही पर्याप्त नहीं माना जा सकता। क्योंकि यदि किसी अधिकारी ने न्यायालय के स्पष्ट निर्देश के बाद ऐसी कार्रवाई की है, तो यह जानना भी जरूरी है कि ऐसा क्यों हुआ, किस आधार पर हुआ और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए क्या संस्थागत व्यवस्था बनाई जाएगी। साथियों,यहीं से यह मामला भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक बड़ी सीख बन सकता है। कानून का शासन तभी वास्तविक होता है जब कानून बनाने वाले, कानून लागू करने वाले और कानून की व्याख्या करने वाले तीनों अपनी-अपनी संवैधानिक सीमाओं को स्वीकार करें। न्यायपालिका प्रशासन की जगह नहीं ले सकती और प्रशासन न्यायपालिका के आदेश की जगह अपना विवेक नहीं रख सकता। दोनों की भूमिकाएं अलग हैं, लेकिन संविधान दोनों के ऊपर है।विश्व स्तरपर किसी भी लोकतंत्र की प्रतिष्ठा केवल उसकी आर्थिक शक्ति, सैन्य क्षमता या चुनावी व्यवस्था से नहीं बनती। उसकी वास्तविक प्रतिष्ठा इस बात से बनती है कि वह अपने नागरिकों के अधिकारों, न्यायालयों के आदेशों और कानून के शासन की कितनी ईमानदारी से रक्षा करता है।

भारत के लिए यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया के सामने भारत स्वयं को एक जीवंत, संवैधानिक और संस्थागत लोकतंत्र के रूप में प्रस्तुत करता है। ऐसी स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय का कठोर रुख लोकतंत्र की कमजोरी नहीं,बल्कि संवैधानिक संस्थाओं की सक्रियता का प्रमाण भी माना जा सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा प्रश्न किसी एक छात्र, एक नोटिस या 5 लाख रूपए के मुचलके तक सीमित नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या भारत में किसी नागरिक को यह भरोसा हो सकता है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया संरक्षण वास्तव में जमीन पर भी उतनी ही मजबूती से लागू होगा? यदि जवाब हां है, तो हर प्रशासनिक अधिकारी को न्यायिक आदेश की अक्षरशः पालना करनी होगी। और यदि कहीं कोई भ्रम, अतिरेक या उल्लंघन दिखाई देता है, तो उसे तत्काल सुधारा जाना चाहिए।इसलिए इस प्रकरण को केवल मजिस्ट्रेट बनाम छात्र के रूप में देखना भूल होगी।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

राम के प्रति सेवा भाव आवश्यक है फिल्म तो आती जाती है

-संजय गोस्वामी

राम भक्त,नीम करौली बाबा के जीवन पर बनी हनुमान अंश फिल्म की चर्चा जोरो पर है अच्छी बात है लेकिन आप फिल्म से भी भगवान राम शक्ति के बारे में पता चला भगवान राम के प्रति श्रद्धा बहुत अच्छी बात है लेकिन आप पहले उनके जीवन की गहराई में जाने की कोशिश करें तो मालूम होगा कि वों खुद के प्रचार से दूर रहें और भगवान राम के प्रचार और उनके मर्यादा के पालन हेतु लोगों को प्रेरणा दि, भगवान के मर्यादा का पालन करना बहुत दुर्लभ है मान लीजिये आप सिनेमा घर पर गए और सीट पर कोई और बैठना चाह रहा हो तो क्या आप बदल लेंगे आप गाड़ी को चलाने के लिए यू टूब देखते है फिर भी गाड़ी चला पाते हैं क्या? इसके लिए अपने को बदलना बहुत जरुरी है फिल्म भगवान राम की महिमा का बखूबी बखान करता है लेकिन मात्र तीन घंटे में नहीं सीखा जा सकता है आपने महाकुम्भ में स्नान किया क्या मन में करुणा या दया का भाव आया इसका मात्र एक ही हल है सेवा करें गरीबों की भलाई करें बड़े बुजुर्गो का सम्मान करें फिल्म कुछ भी देखें उससे बदलाव तभी आएगा जब मन को निर्मल रखेंगें हनुमान तो हनुमान जी को बाल ब्रह्मचारी माना जाता है और यही कारण है कि स्त्रियों को उनकी मूर्ति छूने या उनसे जुड़ा कोई भी प्रतीकात्मक चीज पहनने से मना किया जाता है।लेकिन मेरे अनुसार भगवान किसी से भेदभाव नहीं करते सभी के लिए समान भाव है हनुमान जी भगवान राम के परम भक्त माने जाते हैं और उन्होंने अपना जीवन श्रीराम की सेवा में समर्पित किया। सूर्य के अनुसार, सुवर्चला एक अयोनिजा (योनि की भागीदारी के बिना पैदा हुई) थीं। हनुमान जी की माता अंजनी ने उनसे वचन लिया था कि वे ब्रह्मचारी रहेंगे ताकि वे धर्म की सेवा कर सकें।संस्कार ऐसे नहीं बदलते आपको अंगारो पर चलना आना चाहिए लोगों की भलाई और अच्छे कर्म ही भगवान राम के पास ला सकती है नहीं तो जैसे महाकुम्भ में स्नान करने के बाद भी समय बीतने के बाद लोगों में परिवर्तन देखने को नहीं मिला वैसे ही कुछ समय बाद कोई और नई धार्मिक फिल्म आएगी फिर वही अच्छा लगने लगेगा अभी गणपति आ रहें आप फिर भगवान गणेश की पूजा करेंगे और करना भी चाहिए लेकिन बाद में उसी मूर्ति को गन्दे तालाब में डालने पर बड़ा दु:ख होता है जब तक इस माया के जाल से बाहर निकलकर अन्त:करण में नहीं देख देख पाते तब तक आप भगवान राम को नहीं पा सकते हैँ हनुमान जी भगवान राम के परम भक्त इसलिए हुए क्योंकि राम नाम का जप में लीन होने के बाद भगवान राम के लिए लंका भी पार कर गए क्योंकि उड़ने की शक्ति भगवान राम के ध्यान से ही मिली लेकिन कुछ शरारतवश किसी साधु की साधना भंग होने पर श्राप मिला की शक्ति पर घमंड ना करो यह शक्ति अब चली जाएगी लेकिन यदि कोई याद करा देगा तो पुनः जागृत हो जाएगी और ऐसा ही हुआ जब माता सीता को जटायु का भाई सम्पाती ने ऊँचे छोटी से देखकर बताया कि माता सीता लंका के अशोक वाटिका में रावण की कैद में है क्योंकि तुलसीदास जी रामचरित्र मानस में लिखते है कि गिद्ध की दृस्टि बहुत अधिक होती है और इसलिए लंका जाना जरुरी है तब जाम्बन्त ने हनुमान की शक्ति को याद दिलाया और वों हवा को चिरते हुए लंका पार कर गए दरअसल वों भूलगए थे कि वों पवन के पुत्र है राम की भक्ति सद्गुणों और सदाचार पर आधारित है; यह चिंतन की क्रिया को उच्च चरित्र के निर्माण से अटूट रूप से जोड़ती है। इसके बिना मेरे जीवन में कुछ भी संभव नहीं है। विविधता पूरे ब्रह्मांड की एक सार्वभौमिक वास्तविकता है; यह स्वाभाविक और अपरिहार्य है। यदि विविधता अपरिहार्य है, तो इन विविधताओं के बीच आपसी सामंजस्य और एकीकरण ही सृष्टि का मूल आधार है। मानव समाज सृष्टि का एक अभिन्न अंग है और इस नियम का अपवाद नहीं है। हालाँकि समय, स्थान और संदर्भ के आधार पर विविधताएँ विभिन्न रूपों में प्रकट होती हैं, लेकिन यह वास्तव में असाधारण और अद्भुत है कि श्री राम सभी के भीतर निवास करते हैं। 5114 ईसा पूर्व में पृथ्वी पर उनके अवतार के बाद से, वे सामाजिक-आर्थिक स्थिति, संस्कृति, लिंग, भाषा और क्षमता की विविधताओं से परे, सभी के दिलों में निवास करते रहे हैं। श्री राम ने धर्म और सद्गुण के बीच सेतु बनाकर विविधता में सामंजस्य स्थापित किया; इसने उनमें आस्था को बनाए रखा और आज भी उनकी सर्वव्यापकता सुनिश्चित की। विविधता एक स्वाभाविक और ज़रूरी सच्चाई है; इसके बिना सृष्टि का अस्तित्व ही असंभव होता है । रामचरितमानस में कहा गया है- पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु—यह शरीर इन्हीं पाँच तत्वों से बना है। फिर भी, अलग-अलग तत्वों का संतुलित मेल और उनकी आपसी निर्भरता ही सृष्टि का आधार है। यह सच्चाई न केवल प्रकृति पर, बल्कि उसमें रहने वाले सभी जीवों पर भी लागू होती है। मानव समाज में भी विविधता पाई जाती है—जिसमें सामाजिक माहौल, सांस्कृतिक परंपराएँ, भाषाई अंतर, लिंग-भेद, आर्थिक असमानताएँ और क्षेत्रीय अंतर शामिल हैं।स्वाभाविक रूप से, इंसानी सोच, बौद्धिक स्तर, क्षमताओं और व्यवहार में विविधता होती है। हालाँकि, इस सारी विविधता के बीच एक अद्भुत समानता भी है- समय और हर तरह की विविधता की सीमाओं से परे, हर कोई श्री राम को अपना मानता है और वे हर दिल में बसते हैं। कहा जाता है, रामणे कणे-कणे इति रामः (जो हर कण में बसता है, वही राम है)। यह एक वैज्ञानिक तथ्य है कि कोई भी बेकार चीज़ समय के साथ भुला दी जाती है; फिर भी, लगभग साढ़े सात हज़ार साल बाद भी, श्री राम न केवल वैश्विक मंच पर मौजूद हैं, बल्कि सभी के द्वारा पूजे और पसंद किए जाते हैं। इसका एक ज़बरदस्त सबूत हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर में हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान देखने को मिला। यह सिर्फ़ अयोध्या या भारत की बात नहीं थी; पूरी दुनिया राम की भावना में डूब गई थी। इसके अलावा, राम को दूर-दूर तक पूजा जाता है—श्रीलंका, इंडोनेशिया, कंबोडिया और लाओस जैसे पूर्वी देशों से लेकर मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो, गुयाना, सूरीनाम और फिजी जैसे एशिया के बाहर के देशों तक। रामायण 300 से ज़्यादा भाषाओं में लिखी गई है। ऐसा क्यों है? इसका जवाब वाल्मीकि की रामायण के अरण्य कांड में मिलती इस उक्ति में है- रामो विग्रहवान् धर्मः (राम धर्म का साक्षात रूप हैं)। राम धर्म का साक्षात रूप हैं। राम नाम ही धर्म के सार को दर्शाता है। यह उक्ति राम को पूरी तरह से परिभाषित करती है। यह एक वाक्यांश धर्मशास्त्रों और ऋषियों के वचनों के पूरे संग्रह से भी ज़्यादा वज़नदार है। यह इतने कालातीत महत्व के साथ गूंजता है कि इसमें भारतीय संस्कृति के भीतर राम-तत्व की अनंत व्याख्याएँ समाहित हैं। हमारी सामूहिक मानवीय, जातीय, लोक, ऐतिहासिक, वैदिक और पौराणिक चेतना में जो कुछ भी सर्वोच्च, सार्वभौमिक रूप से सामंजस्यपूर्ण, कालातीत और मूल रूप से धर्मपूर्ण है, वह राम-तत्व में अपना साकार रूप पाता है। भारतीय संस्कृति में, राम मानवता के लिए जो कुछ भी सर्वोत्तम है, उसके शिखर का प्रतिनिधित्व करते हैं। श्री राम ने धर्म और गुण के बीच एक सेतु का निर्माण किया; धर्म के दायरे में सदाचार का अपना खास महत्व है। धर्म ही सदाचार को परिभाषित करता है, और धर्म का सही पालन इन गुणों को आत्मसात करने, उन पर अमल करने और जीवन में उनके अनुसार चलने में ही निहित है। उन्होंने अपने आचरण में धर्म के लिए ज़रूरी सभी गुणों को उतारा। उन्होंने विविधता को अपनाने के लिए ज़रूरी सभी तत्वों को अपने जीवन में शामिल किया, इसीलिए समाज के हर वर्ग के लोग उनसे जुड़ाव महसूस करते थे—मानो वे उन्हीं के अपने हों। भारतीय संस्कृति के मूल्य और नेक भावनाएँ श्री राम में पूरी तरह से समाहित हैं। विविधता को अपनाते हुए श्री राम सबके नायक कैसे बने, इसका जवाब उनके गुणों में छिपा है। माना जाता है कि सोलह गुण होते हैं, और श्री राम ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिनमें ये सभी सोलह गुण मौजूद हैं; इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम (धर्म की सीमाओं का पालन करने वाले आदर्श पुरुष) के रूप में पूजा जाता है।

ब्रिक्स सम्मेलन से भारत का विश्व को शांति का संदेश

पूरा विश्व इस समय जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें भारत के नई दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल राष्ट्राध्यक्षों की एक कूटनीतिक बैठक भर नहीं है। यह सम्मेलन बदलती हुई विश्व व्यवस्था, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता, युद्धों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों और विकासशील देशों की बढ़ती आकांक्षाओं के बीच भारत की भूमिका को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। 12 और 13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत कर रहा है। ज्ञात रहे कि वर्ष 2026 में भारत चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और इस बार उसका केंद्रीय विषय है (बिल्डिंग फॉर रेसिलिएंस इनोवेशन कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी) अर्थात लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण। भारत ने अपनी अध्यक्षता को ह्यूमैनिटी फर्स्ट की सोच से जोड़ते हुए ब्रिक्स को अधिक व्यावहारिक और विकासोन्मुख मंच बनाने पर जोर दिया है। यही इस सम्मेलन से भारत का पहला और सबसे बड़ा संदेश है—विश्व राजनीति को टकराव से निकालकर सहयोग की दिशा में ले जाने की आवश्यकता है। आज विश्व के अनेक हिस्से संघर्ष की आग में झुलस रहे हैं। यूक्रेन संकट, पश्चिम एशिया की अस्थिरता और अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को जटिल बना दिया है। ऐसे समय में भारत लगातार इस बात पर जोर देता आया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। ब्रिक्स का मंच भारत को यह संदेश देने का अवसर देता है कि अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं और राष्ट्रीय हितों वाले देश भी संवाद और सहयोग के माध्यम से साझा समस्याओं पर काम कर सकते हैं। भारत की विदेश नीति का मूल स्वर न तो किसी एक शक्ति-गुट के साथ खड़ा होना है और न किसी दूसरे गुट के विरोध में खड़ा होना। भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च रखते हुए सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संवाद बनाए रखना चाहता है। यही रणनीतिक स्वायत्तता आज भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत बनती दिखाई दे रही है। ब्रिक्स अब केवल पांच देशों का आर्थिक समूह नहीं रह गया है। इसके विस्तार ने इसे विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना दिया है। भारत इस मंच के माध्यम से ग्लोबल साउथ की उस आवाज को मजबूती देना चाहता है, जो लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग करती रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं की निर्णय प्रक्रिया में विकासशील देशों की वास्तविक आर्थिक और जनसंख्या-आधारित ताकत के अनुरूप प्रतिनिधित्व का सवाल लगातार उठता रहा है। भारत का संदेश स्पष्ट है—21वीं सदी की वैश्विक व्यवस्था 20वीं सदी की शक्ति-संरचना के आधार पर नहीं चल सकती। विश्व अर्थव्यवस्था में उभरती अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए वैश्विक संस्थाओं में भी उनकी आवाज और भागीदारी बढ़नी चाहिए। नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण आयाम आर्थिक सहयोग भी होगा। भारत ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार, निवेश, वित्तीय सहयोग, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। भारत की अध्यक्षता में व्यापार मंत्रियों की बैठकों में भी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला और विविध बनाने तथा छोटे एवं मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजार से जोड़ने पर जोर दिया गया है।भारत का अनुभव बताता है कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, विशेषकर डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन और तकनीक आधारित सेवाएं विकासशील देशों के लिए परिवर्तनकारी साबित हो सकती हैं। इसलिए ब्रिक्स के मंच से भारत का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि तकनीक केवल विकसित देशों का विशेषाधिकार नहीं होनी चाहिए। भारत आज दुनिया के सामने अपनी डिजिटल क्षमता का उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। डिजिटल भुगतान को आम नागरिक तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यदि ब्रिक्स देश डिजिटल भुगतान, फिनटेक, साइबर सुरक्षा और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाते हैं, तो इससे विकासशील देशों के करोड़ों लोगों को लाभ मिल सकता है। यह भारत की उस सोच से मेल खाता है जिसमें तकनीक का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि आम आदमी का सशक्तीकरण भी है। नई दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष भारत-चीन संबंध भी है। चीन की भागीदारी इस सम्मेलन को रणनीतिक रूप से और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और रणनीतिक अविश्वास के बावजूद हाल के वर्षों में संवाद की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह चीन के साथ संवाद बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा चिंताओं से समझौता न करे। यही भारतीय कूटनीति की परीक्षा है—प्रतिस्पर्धा के बीच सहयोग और मतभेदों के बीच संवाद। भारत यह संदेश देना चाहता है कि किसी देश के साथ आर्थिक या राजनीतिक मतभेद होने का अर्थ यह नहीं कि संवाद के सभी रास्ते बंद कर दिए जाएं। ब्रिक्स में रूस की महत्वपूर्ण भूमिका है। वहीं भारत के अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी रणनीतिक संबंध मजबूत हुए हैं। भारत की यही बहुस्तरीय कूटनीति उसे अन्य देशों से अलग करती है। नई दिल्ली किसी एक ध्रुव की राजनीति का हिस्सा बनने के बजाय अनेक शक्तियों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करना चाहती है। यह संदेश भी महत्वपूर्ण है कि भारत की विदेश नीति किसी दूसरे देश की विदेश नीति की छाया नहीं है। भारत अपने हितों के आधार पर अमेरिका के साथ भी संबंध रख सकता है, रूस के साथ भी और चीन के साथ भी संवाद कर सकता है।विश्व में युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने का सीधा प्रभाव ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर पड़ता है। तेल, गैस, उर्वरक, अनाज और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित होने पर सबसे ज्यादा नुकसान विकासशील देशों को होता है। ब्रिक्स के मंच से भारत ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा को सामूहिक वैश्विक जिम्मेदारी के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। सम्मेलन के प्रमुख मुद्दों में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, आपदा-रोधी क्षमता तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना शामिल है।भारत का संदेश होना चाहिए कि विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को भू-राजनीतिक संघर्षों का अनावश्यक शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए। जलवायु परिवर्तन आज पूरी मानवता के सामने चुनौती है। बाढ़, सूखा, अत्यधिक गर्मी, समुद्री स्तर में वृद्धि और बदलते मौसम का प्रभाव गरीब और विकासशील देशों पर अधिक पड़ता है।भारत की अध्यक्षता में सतत विकास और लचीली अर्थव्यवस्था पर जोर इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है।भारत का संदेश यह होना चाहिए कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर विकासशील देशों के विकास के अधिकार को सीमित नहीं किया जा सकता। विकसित देशों को वित्त, तकनीक और क्षमता निर्माण में विकासशील देशों की मदद करनी चाहिए।भारत लंबे समय से आतंकवाद के खिलाफ कठोर और साझा वैश्विक कार्रवाई की वकालत करता रहा है। आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। इसका नेटवर्क सीमाओं से परे काम करता है और आधुनिक तकनीक तथा डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करता है।ब्रिक्स देशों के बीच आतंकवाद, संगठित अपराध, साइबर अपराध और आर्थिक अपराधों से मुकाबले में सहयोग बढ़ाना समय की जरूरत है। भारत आर्थिक अपराधियों और सीमा पार वित्तीय गतिविधियों के खिलाफ बेहतर अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में भी पहल कर रहा है।

नई दिल्ली में दुनिया के प्रमुख उभरते देशों के नेताओं का जुटना अपने आप में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण है।भारत ने अपनी अध्यक्षता के दौरान देश के 25 से अधिक शहरों में 350 से ज्यादा बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि भारत ब्रिक्स को केवल राजधानी-केंद्रित कूटनीतिक मंच के बजाय व्यापक जनभागीदारी और विकास के मंच के रूप में देख रहा है।यह भारत की एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य वाली व्यापक सोच के साथ भी जुड़ता है। असली सफलता घोषणाओं में नहीं, परिणामों में हालांकि किसी भी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता केवल संयुक्त घोषणा या बड़े-बड़े वक्तव्यों से नहीं मापी जा सकती। नई दिल्ली में आयोजित होने वाला ब्रिक्स सम्मेलन भारत की विदेश नीति के उस संतुलित स्वरूप को दुनिया के सामने रखने का अवसर है जिसमें राष्ट्रीय हित, वैश्विक सहयोग और रणनीतिक स्वायत्तता तीनों साथ चलते हैं। भारत दुनिया को यह संदेश दे सकता है कि नई वैश्विक व्यवस्था किसी एक देश के प्रभुत्व पर आधारित नहीं होनी चाहिए। इसमें सभी क्षेत्रों, सभी सभ्यताओं और सभी विकास स्तर वाले देशों की भागीदारी होनी चाहिए। भारत यह भी स्पष्ट कर सकता है कि ब्रिक्स किसी देश या पश्चिमी दुनिया के खिलाफ गठबंधन नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने का मंच है। यही दृष्टिकोण भारत को एक पुल की भूमिका देता है—पूर्व और पश्चिम के बीच, विकसित और विकासशील देशों के बीच तथा प्रतिस्पर्धा और सहयोग के बीच।नई दिल्ली से दुनिया को यदि कोई सबसे महत्वपूर्ण संदेश जाना चाहिए तो वह यही है।

-सौरभ वार्ष्णेय

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते गुरूवार को अनाज मंडी में चना बाजार बढ़त पर रहे। उड़द व मूंग में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूती के रहे। किराना जिंसों में शक्कर में सुर्खी कायम रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली के चलते गुरूवार को अनाज मंडी में चना बढ़त पर रहा। उड़द व मूंग में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत बना रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में लेवाली से सुर्खी कायम रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5100-5250, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीर्ड?यम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3200, (200) 3500, (250) 4200,

तेल- सींगदाना 1750-1770, मुम्बई 1770, राजकोट तेलिया 2735, सोया साल्वेंट 1385-1390, सोया रिफाइंड 1450-1460, कपास्या 1600, धूलिया 1610, कड़ी 1610,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725, मुम्बई पाम 1500, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 6000, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6750-6850, एवरेज 6500-6550, विशाल 6550-6650, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 235000, चॉंदी (99) 234900, टंच 234200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149600,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गरुवार को 51 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.59 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 25 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.33 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर की लगातार मांग का निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.15 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह और टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.33 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 34 पैसे टूटकर 95.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 98.72 पर रहा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में तीन कारोबारी सत्र के बाद आई ये तेजी दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। इसी के साथ ही पिछले तीन करोबारी सत्र से जारी गिरावट पर भी ब्रेक लग गया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 138.36 अंक बढ़कर 74,902.59 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46 अंक बढ़कर 23,477.80 पर बंद हुआ। आज बाजार में मिली-जुली धारणा लिए रहा, जहां लगभग 1,802 शेयरों में तेजी देखी गई, वहीं 2,224 शेयरों में गिरावट दर्ज हुई और 135 शेयरों में कोई खास बदलाव नहीं आया। दिन की शुरुआत में, सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,764.23 से मामूली गिरावट के साथ 74,742.54 पर खुला। दिन के कारोबार में इसने 74,910.96 का उच्चतम स्तर भी छुआ। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,431.50 से 15 अंक उछलकर 23,446.60 पर खुला, जो बाजार में शुरुआती आशावाद को दर्शाता है। निफ्टी ने दिन के कारोबार में 23,494.95 का उच्चतम स्तर

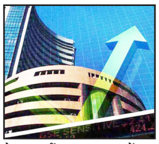

देखा। वहीं व्यापक बाजारों का प्रदर्शन हालांकि उतना मजबूत नहीं रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में भी 0.07 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार प्रदर्शन की बात करें तो, निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया और बढ़त दर्ज की। इसके विपरीत, निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में गिरावट का रुख रहा, जिससे पता चलता है कि यह उछाल कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित रहा। प्रमुख निफ्टी 50 इंडेक्स के भीतर, एचसीएल टेक, हिंडाल्को और टाटा स्टील जैसे शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, जो बाजार में कुछ बड़ी कंपनियों पर दबाव को दर्शाता है। वहीं, एचडीएफसी लाइफ, पावरग्रिड, ओएनजीसी, भारतीय एयरटेल और टेक महिंद्रा के शेयरों में निवेशकों ने सबसे अधिक खरीदारी की, जिससे इन कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट खुला। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 36 अंक की कमजोरी के साथ 74,727.96 और निफ्टी 8.25 अंक की गिरावट के साथ 23,430.00 पर था।

जियो पेमेंट सॉल्यूशंस ने सीमा पार भुगतान सुविधा शुरू की

नई दिल्ली। एजेंसी। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी जियो पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड (जेपीएसएल) ने भारतीय निर्यातकों को वैश्विक ग्राहकों से अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक सीमा पार भुगतान मंच शुरू करने की बुधवार को घोषणा की। यह सुविधा भारतीय व्यवसायों की वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जेपीएसएल का यह नया मंच भारतीय निर्यातकों को वर्चुअल खातों, अंतरराष्ट्रीय कार्ड और स्थानीय भुगतान माध्यमों का उपयोग कर विदेशी ग्राहकों से भुगतान प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से पेमेंट एग्रीगेटर फॉर क्रॉस बॉर्डर (पीए-सीबी) के रूप में काम करने की मंजूरी मिलने के बाद यह पहल शुरू की गई है, जो निर्यात और भविष्य में आयात दोनों लेनदेन को कवर करेगी। जेपीएसएल ने बताया कि ऑनलाइन विक्रेता, डिजिटल कारोबारी और स्वतंत्र पेशेवर जैसे कई भारतीय व्यवसाय वैश्विक स्तर पर विस्तार कर रहे हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्राप्त करने की प्रक्रिया अक्सर जटिल और बिखरी हुई होती है। इसमें कई भागीदार, अलग-अलग मुद्राएँ और अधिक कागजी कार्रवाई शामिल होती है। कंपनी के अनुसार, यह नया मंच इन जटिलताओं को दूर करेगा, वैश्विक भुगतान प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बनाएगा, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और कारोबारियों को उनके वैश्विक ग्राहकों को स्थानीय भुगतान विकल्प प्रदान करने में मदद करेगा।

कच्चे तेल के बढ़ते दाम, फिर भी तेल कंपनियों के मुनाफे में उछाल का अनुमान

नई दिल्ली। एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल आया है, जिससे पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा बिक्री करने वाली सरकारी तेल कंपनियों (ओएमसी) पर दबाव बढ़ गया है। ब्रेंट कच्चा तेल निचले स्तर से 44 फीसदी महंगा होकर 99 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। हालांकि, इस दबाव के बावजूद विशेषज्ञों का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में इन कंपनियों की कमाई में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा। दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें 68 डॉलर प्रति बैरल के निचले स्तर से बढ़कर 99 डॉलर प्रति बैरल तक जा पहुंची हैं। इसका सीधा असर इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियों के पेट्रोल-डीजल बेचने से होने वाले मुनाफे पर पड़ रहा है। मौजूदा स्तर पर पेट्रोल पर मार्केटिंग मार्जिन माइनस 4.2 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल पर माइनस 24.2 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है, जो पहले से ही नकारात्मक था। हालांकि, कच्चे तेल की इस तेजी के बावजूद तेल कंपनियों की कमाई में सुधार के पीछे रिफाइनिंग और एलपीजी कारोबार का हाथ है। एमके जैसे ब्रोकरेज फर्मों का कहना है कि रूस में 40 फीसदी रिफाइनिंग क्षमता बंद होने और पश्चिम एशिया में सप्लाई से जुड़ी बाधाओं के कारण तैयार पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता कम हुई है, जिससे रिफाइनिंग मार्जिन काफी ऊंचा बना हुआ है। खासकर डीजल के मार्जिन में मजबूत वृद्धि देखी गई है। इसी वजह से दूसरी तिमाही में तेल कंपनियों का कुल मार्जिन 9 से 14 रुपये प्रति लीटर रहने का अनुमान है, जो पहली तिमाही में सिर्फ 1 से 3 रुपये प्रति लीटर था। इसके अलावा, एलपीजी कारोबार से भी कंपनियों को राहत मिली है। पहली तिमाही में एलपीजी पर कंपनियों को प्रति सिलेंडर करीब 510 रुपये का घाटा हो रहा था, जिसके दूसरी तिमाही में घटकर 290 रुपये रहने का अनुमान है। सऊदी एलपीजी कीमतों में गिरावट और कीमत बढ़ोतरी का पूरा फायदा मिलने से यह संभव हुआ है।

मेष- आज धन की जरूरत महसूस हो सकती है, लेकिन अच्छी बात यह है कि आमदनी के रास्ते भी मजबूत रहेंगे। निवेश करने का मन जरूर बनेगा, मगर आज जल्दबाजी से बचना ही समझदारी होगी। प्रेम और संतान से जुड़ी खुशियां मन को प्रसन्न रखेंगी और व्यापार में भी स्थिति अच्छी रहेगी। हरी वस्तु का दान करना शुभ रहेगा। कल नौकरी में उच्च अधिकारियों और सहयोगियों का पूरा सहयोग मिल सकता है. कार्यस्थल पर आपकी स्थिति मजबूत होगी. मान-सम्मान और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं. आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो सकता है।

वृषभ- आज ऊर्जा थोड़ी कम महसूस हो सकती है, लेकिन किसी बड़ी परेशानी के संकेत नहीं हैं। आपका प्रिय व्यक्ति आपके बेहद करीब रहेगा और संतान से भी सुखद जुड़ाव महसूस होगा। व्यापार और कामकाज के लिहाज से दिन काफी सकारात्मक है। दिन की शुरुआत शनिदेव के स्मरण से करें। अपनी बुद्धि और चतुराई के बल पर महत्वपूर्ण काम में सफलता मिल सकती है. कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा. धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन- आज मन में अनावश्यक चिंताएं जगह बना सकती हैं और बेचैनी के कारण सिरदर्द या आंखों में परेशानी महसूस हो सकती है। हालांकि प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में परिस्थितियां आपका साथ देंगी। व्यापार में भी अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। अपने पास कोई हरी वस्तु रखना शुभ रहेगा।

कर्क- आज स्वास्थ्य थोड़ा सुस्त और मन कुछ बुझा-बुझा सा रह सकता है, इसलिए खुद पर अतिरिक्त दबाव न डालें। आर्थिक रूप से दिन उम्मीद जगाने वाला है, क्योंकि कमाई के नए रास्ते खुल सकते हैं और पुराने स्त्रोतों से भी धन आता रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं और प्रेम तथा संतान का साथ मन को सुकून देगा। लाल वस्तु अपने पास रखना शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में ऐसा काम करने का अवसर मिलेगा, जिससे आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है. सुख-सुविधाओं के साधनों में वृद्धि होगी. व्यापार विस्तार से जुड़ी योजना आगे बढ़ सकती है।

सिंह- आज कामकाज और व्यापार के मोर्चे पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। किसी पुराने कानूनी या कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामले में राहत अथवा विजय की संभावना बन सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा और प्रेम तथा संतान से भी सुखद सहयोग मिलेगा। अपने पास हरी वस्तु रखना लाभकारी रहेगा।

कन्या- आज प्रेम के मामले में दिल को खास खुशी मिल सकती है। भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और यात्रा का भी योग बन रहा है। यदि आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी के साथ नजदीकियां बढ़ेंगी और लंबे समय से चली आ रही गलतफहमियां या परेशानियां दूर हो सकती हैं। नीली वस्तु अपने पास रखना शुभ रहेगा।

तुला- आज का दिन थोड़ा संभलकर चलने का है। परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल नहीं हैं, इसलिए जल्दबाजी और लापरवाही से बचें। चोट-चपेट या अचानक किसी परेशानी की आशंका के कारण स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। हालांकि प्रेम, संतान, नौकरी और जीवनसाथी से जुड़े मामले राहत देने वाले रहेंगे। लाल वस्तु का दान करना शुभ होगा। पुरानी उलझनों और परेशानियों से राहत मिलने की संभावना है. मेहनत और लगातार प्रयास से नौकरी, व्यापार और सरकारी कामों में सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक- आज आपके लिए खुशियों से भरा दिन रह सकता है। जीवनसाथी का भरपूर सानिध्य मिलेगा और नौकरी या कामकाज में भी परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात संभव है। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार तीनों मोर्चों पर दिन शानदार रहने के संकेत हैं। लाल वस्तु पास रखना शुभ रहेगा।

धनु- आज आप अपने विरोधियों और शत्रुओं पर दबाव बनाए रखने में सफल रहेंगे, हालांकि मन में कुछ बेचैनी या व्यवधान बना रह सकता है। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है। अच्छी बात यह है कि प्रेम और संतान से भरपूर सुख मिलेगा और व्यापार में भी शानदार परिणाम मिल सकते हैं। लाल वस्तु पास रखें।

मकर- आज भावनाओं के प्रभाव में आकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में स्थिति सामान्य से थोड़ी कमजोर रह सकती है। इसके बावजूद व्यापार के लिए दिन बेहद अच्छा है और यहां आपको उम्मीद से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। काली जी का स्मरण करना शुभ रहेगा।

कुंभ- आज जमीन, मकान या वाहन से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। खरीदारी का प्रबल योग बन रहा है और घर-परिवार में किसी उत्सव या खुशी का माहौल भी बन सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा और प्रेम, संतान तथा व्यापार से जुड़े मामलों में भी दिन आपका साथ देगा। हरी वस्तु अपने पास रखना शुभ रहेगा।

मीन- आज आपकी मेहनत और साहस दोनों रंग लाएंगे। नौकरी और रोजी-रोजगार में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं, जबकि व्यापार करने वालों के लिए भी सफलता के मजबूत संकेत हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और प्रेम तथा संतान से सुख मिलेगा। कुल मिलाकर कामकाज और व्यापार के लिए दिन बेहद शुभ रहने वाला है। हरी वस्तु पास रखना शुभ रहेगा।

शब्दजाल - 8387

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो,राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान

शब्दजाल - 8386 का हल

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दा	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	वी	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7321

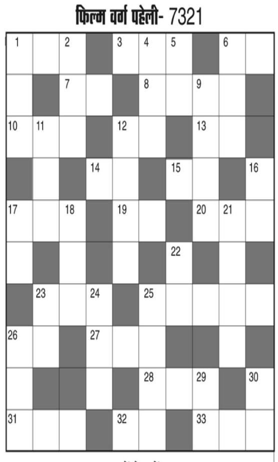

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्हीं रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7320

चा	ल	बा	ज	■	चा	ला	क	■	जा
ह	■	रि	■	आ	ह	■	र्ज	■	ल
त	ला	श	■	र	त	न	■	प्या	सा
■	वा	■	रा	जू	■	ज	ख्म	■	ज
रा	■	तु	म	■	जो	र	■	ना	■
म	स्ती	■	क	ह	र	■	अ	स्ति	त्व
अ	■	जीं	स	■	दा	वा	■	क	■
व	क्त	■	म	द	र	■	दा	■	अं
ता	■	हे	■	र्द	■	फि	दा	■	जा
र	ह	मा	न	■	रो	जा	■	धू	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.15 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	08.25 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.40 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.56 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.01 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.48 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.51 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.31 बजे से
		मिथुन	23.29 बजे से
		कर्क	01.43 बजे से
		सिंह	03.59 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 254 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 08.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 13.16 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 17.02 बजे को समाप्त। **करण** नाग 08.57 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 20.18 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 38' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872829 **जूलियन दिन** 2461294.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 28 **विशेष** भाद्रपद अमावस्या, तान्हा पोला।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सच्ची पूजा

एक बार संत राबिया बेतहाशा सड़क पर भागी जा रही थीं। उनके एक हाथ में पानी से भरा प्याला था और दूसरे में जलती मशाल। लोगों ने उन्हें इस तरह देखा तो हैरत में पड़ गए। आमतौर पर राबिया अध्यात्म का कोई गूढ़ तथ्य समझाने के लिए विचित्र कहानियों और रूपकों का प्रयोग करती थीं, लेकिन यह आचरण उन सबसे अलग था। लोग कुछ पूछें इसकी गुंजाइश भी नहीं थी क्योंकि वह तेजी से दौड़ती जा रही थीं और साथ में कुछ कहती भी जा रही थीं। हालांकि जिस किसी ने ध्यान दिया उसने राबिया के वचनों को सुना। वह कह रही थीं कि मैं स्वर्ग को जला देना और नरक को पानी में डुबो देना चाहती हूं। सुनने वालों को समझ में नहीं आया कि ऐसा कहने के पीछे आशय क्या है। राबिया की बात का मर्म जानने की उत्सुकता हर किसी में थी। लोग उनका सम्मान करते थे और उनकी बातें बड़ी गंभीरता से सुनते थे।इसलिए कई और लोग उनके पीछे-पीछे दौड़ने लगे। एक जगह एक बुजुर्ग फकीर ने राबिया को रोका और पूछा कि वह ऐसा क्यों करना चाहती हैं। राबिया ने कहा, 'मैं स्वर्ग को जलाना और नरक को डुबाना इसलिए चाहती हूं कि लोग सही मायने में धार्मिक हो सकें। लोग जन्नत के लालच में नेक काम करते हैं या दोजख से डर कर बुरे कामों से बचते हैं। लालच और डर जहां हों वहां ईश्वर के प्रति सच्चा प्रेम नहीं हो सकता। स्वर्ग और नरक नहीं होंगे तो लालच और डर मिट जाएगा और हम ऊपर वाले की बंदगी ज्यादा अच्छी तरह कर सकेंगे।'

सूडोकु नवताल- 7630

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7629 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 8845

बाएँ से दाएँ

1.निशा,रात (उर्दू-2)
4.ताला (अंग्रेजी-2)
6.दुलारा,लाडला-2
7.बढ़ावा,समर्थन-2
9.निवास,घर,नीड़-3
12.कमी-3
14.पनाह,आश्रय-3
16.अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17.सज्जनता,सभ्यता-4
18.गिरवी रखी वस्तु-3
20.एक राशि-3
22.दबाव (अंग्रेजी-3)
24.कुल,मुनाफा-2
26.उम्मीद,आशा-2
27.मादा का विलोम-2
28.आगमन-2

ऊपर से नीचे

1.मदिरा,मय-3
2.ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3.सम्मान,प्रसिद्धि-2
5.डोली उठाने वाले-3
6.वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8.अधिकार-2
10.सेनापति,कप्तान-2,3
11.पति की मां-2
13.आत्मबलिदानी -5
14.कद काठी-3
15.रसद,किराणा-3
19.प्रत्येक-2
20.मैला,अस्वच्छ-3
21.मिट्टी,धूल-2
22.छापाखाना-2
23.जिव्हा,जीभ-3
25.सम्मान-2
26.फलों का राजा-2

शब्द पहेली -8844 का हल

■	ल	गा	म	■	प	ता	का	■
द	क्ष	■	ही	■	ह	■	ल	ता
रो	■	■	न	का	र	ना	■	क
गा	य	ब	■	न	■	ला	न	त
■	■	ल	ब	■	रा	य	■	■
आ	स	रा	■	ना	■	क	या	स
ई	■	म	हा	व	र	■	■	ह
ना	क	■	जि	■	सी	■	रा	ज
■	ल	की	र	■	ला	ग	त	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आतिशबाजी के बीच सजे-धजे बैलों की जोड़ियों ने बढ़ाई पोला पर्व की रौनक

नगर परिषद ने गुजरी चौक में विधि-विधान से कराया पोला पर्व का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

महाराष्ट्र की सीमा से सटे लांजी क्षेत्र में गुरुवार को प्रमुख पारंपरिक पर्व पोला की धूम रही। गांवों से लेकर नगर तक किसान अपने बैलों को नहला-धुलाकर आकर्षक ढंग से सजाकर पर्व मनाने पहुंचे। कहीं बैलों के सींगों पर रंग चढ़ा तो कहीं उन्हें पारंपरिक साज-सज्जा से सजाया गया। शाम होते ही ढोल-ताशे, बैंड और आतिशबाजी के बीच पोला की रौनक देखते ही बनी। लांजी में नगर परिषद की ओर से भी गुजरी चौक में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए।

महाराष्ट्र की सीमा से लगे होने के कारण लांजी क्षेत्र में मराठी संस्कृति और परंपराओं का विशेष प्रभाव है। यही वजह है कि यहां पोला सहित कई महाराष्ट्रीयन पर्व पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। पोला पर्व किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है। खेती के कठिन दौर में किसानों का साथ देने वाले बैलों के प्रति कृतज्ञता जताने के लिए इस दिन उनकी विशेष पूजा की जाती है।

रंग-रोगन कर बैलों को सजाया, आकर्षक जोड़ियां बनीं

पोला के अवसर पर किसानों ने बैलों को नहला-धुलाकर साफ-सफाई की और फिर उन्हें रंग-बिरंगे साज-सामान से सजाया। बैलों के सींगों पर रंग किया गया। गले में आकर्षक सजावटी सामग्री पहनाई गई और पारंपरिक तरीके से उन्हें तैयार किया गया। सजाई गई बैलों की जोड़ियां पोला पर्व का मुख्य आकर्षण रहीं।

ग्रामीण मान्यता के अनुसार खेती के प्रमुख कार्यों के बाद पोला के दिन बैलों को विश्राम दिया जाता है। इसके बाद उनका अगला प्रमुख उपयोग फसल कटाई के समय होता है। इसलिए यह पर्व किसानों और उनके पशुधन के बीच आत्मीय संबंध का प्रतीक भी माना जाता है।

नगर परिषद ने गुजरी चौक में कराया विशेष आयोजन

नगर परिषद लांजी की ओर से प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 10 सितंबर की शाम 5 बजे गुजरी चौक में पोला पर्व का आयोजन किया गया। नगर परिषद कार्यालय से बैंड-धुमाल और आतिशबाजी के साथ पोला की शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर सहित पार्षद एवं नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। शोभायात्रा के दौरान पंडित अरविंद्र मिश्रा ने मां लंजकाई मंदिर, श्री हनुमान मंदिर गुजरी चौक और राम मंदिर गुजरी चौक में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों ने नगर में सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए पूजा की। इसके बाद सजे-धजे बैलों की जोड़ियों की पूजा कर पोला पर्व की परंपरा निभाई गई।

पूजा के बाद आतिशबाजी, घरों में हुआ भोग

पूजा-अर्चना के बाद गुजरी चौक में आतिशबाजी की गई। इसके पश्चात बैलों की जोड़ियां अपने-अपने घरों की ओर रवाना हुईं। घर पहुंचने पर परिवार के सदस्यों ने बैलों की दोबारा पूजा की और उन्हें भोग लगाया। इसके बाद परिवार और रिश्तेदारों के बीच घर में बनाए गए पारंपरिक पकवान, मिठाइयां और अन्य व्यंजनों का आदान-प्रदान किया गया। आयोजन के दौरान नगर परिषद के विजय गोस्वामी, दिनेश कचवाहे, किशोर रामटेक्कर, सौरभ मोनू पशीने, मुकेश रणदिवे, शरद आसटकर, संजय खोबरागड़े, कैलाशपुरी गोस्वामी सहित कार्यालयीन अधिकारी-कर्मचारी संतोष भार्गव, झगन मिश्रा एवं नगर परिषद के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और नगरवासी भी आयोजन में शामिल हुए।

व्यवहार न्यायालय लांजी में कल नेशनल लोक अदालत

राजीनामा योग्य प्रकरणों के पक्षकारों से लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 12 सितंबर 2026, शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला न्यायालय बालाघाट के साथ ही व्यवहार न्यायालय लांजी में भी लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न राजीनामा योग्य प्रकरणों का आपसी सुलह और समझौते के आधार पर निराकरण किया जाएगा।

यह आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। लांजी में व्यवहार न्यायालय के न्यायाधीश प्रीतम शाह की देखरेख में लोक अदालत की तैयारियां की जा रही हैं।

अधिवक्ताओं और अधिकारियों के साथ हुई बैठक

नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर व्यवहार न्यायालय लांजी में अधिवक्ताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण कराने तथा पक्षकारों को लोक अदालत के प्रति जागरूक करने पर चर्चा की गई।

इसके साथ ही तहसील कार्यालय लांजी एवं नगर परिषद लांजी के समन्वय से बाजार दिवसों में पैरालीगल वालंटियर्स (पीएलव्ही) के माध्यम से लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। लोगों को लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया और इसके महत्व की जानकारी दी जा रही है।

कई प्रकार के मामलों का होगा निराकरण

लोक अदालत में ऐसे मामलों का निराकरण किया जाएगा, जिनमें पक्षकार आपसी सहमति से समझौता कर सकते हैं। इनमें लड़ाई-झगड़े एवं मारपीट से जुड़े राजीनामा योग्य आपराधिक मामले, भरण-पोषण, वाहन दुर्घटना से संबंधित क्षतिपूर्ति प्रकरण, पारिवारिक एवं वैवाहिक विवाद, चेक बाउंस, भूमि अधिग्रहण, श्रम विवाद, कामगार मुआवजा तथा बैंक वसूली से संबंधित मामले शामिल हैं।

न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों के पक्षकार अपने अधिवक्ता के माध्यम से अथवा स्वयं उपस्थित होकर समझौते के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आपसी सहमति बनने पर प्रकरण का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से किया जाएगा।

प्रीलिटिगेशन मामलों को भी किया जाएगा शामिल

तहसील विधिक सेवा समिति, व्यवहार न्यायालय लांजी की ओर से न्यायालयीन प्रकरणों के साथ-साथ प्रीलिटिगेशन मामलों के पक्षकारों से भी लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की गई है। जलकर, संपत्तिकर, विद्युत बिल, बैंक रिकवरी सहित अन्य ऐसे विवाद, जो अभी न्यायालय में लंबित नहीं हैं, उनका भी आपसी सुलह के माध्यम से निराकरण कराया जा सकता है।

समिति ने पक्षकारों से अपील की है कि वे अपने प्रकरणों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए अपने अधिवक्ता के माध्यम से आवश्यक आवेदन प्रस्तुत करें तथा 12 सितंबर को जिला न्यायालय बालाघाट अथवा तहसील न्यायालय लांजी में उपस्थित होकर नेशनल लोक अदालत का लाभ उठाएं।

नगर परिषद लांजी में कल नेशनल लोक अदालत

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी में शासन के निर्देशानुसार कल 12 सितंबर 2026, शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नगर परिषद कार्यालय में आयोजित होने वाली इस लोक अदालत का समय सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से नगर परिषद से संबंधित समझौता योग्य प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। इनमें मुख्य रूप से सम्पत्ति कर एवं जल शुल्क से जुड़े विवादित मामलों को शामिल किया गया है। लंबे समय से कर संबंधी मामलों के निराकरण की प्रतीक्षा कर रहे नागरिकों के लिए लोक अदालत में आपसी सहमति से प्रकरण निपटाने का अवसर उपलब्ध रहेगा। नगर परिषद प्रशासन ने सभी संबंधित करदाताओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर अपने प्रकरणों का निराकरण कराएं। लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के साथ ही शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार छूट का लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने ने नगर के करदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि वे नेशनल लोक अदालत के इस अवसर का लाभ उठाकर अपने कर संबंधी विवादों का समाधान कराएं और लंबित मामलों का निराकरण सुनिश्चित करें।

पुलिस ने घेराबंदी कर ओड़िशा के चार गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार, 27 किलो गांजा बरामद

पद्मेश न्यूज। लांजी। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे नशे के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत बालाघाट पुलिस की अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी अभियान के तहत लांजी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 27 किलो गांजे के साथ चार संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों के ओडिशा से गांजा लेकर महाराष्ट्र के आमगांव रेलवे स्टेशन पहुंचने और वहां से ऑटो के माध्यम से लांजी क्षेत्र की ओर आने की जानकारी सामने आई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर नितेश भार्गव एवं एसडीओपी लांजी दीपक तोमर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी लांजी घनश्याम बैरागी एवं पुलिस टीम द्वारा की गई।

सूचना के बाद पुलिस ने की घेराबंदी

पुलिस को गांजा तस्करी से संबंधित सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने लांजी-आमगांव मार्ग पर सेवती-सिंगोला क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना शुरू किया। इसी दौरान संदिग्ध रूप से आ रहे चार लोगों को पुलिस ने रोककर पूछताछ की। सिंगोला बस स्टैंड के आसपास घेराबंदी कर उन्हें हिरासत में लिया गया। पुलिस द्वारा तलाशी लिए जाने पर उनके कब्जे से गांजा बरामद हुआ। जांच के दौरान गांजे का कुल वजन 27 किलो पाया गया। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनसे पूछताछ शुरू की।

ओडिशा से लाए थे गांजा

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ओडिशा से गांजा लेकर महाराष्ट्र के आमगांव रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। इसके बाद चारों ऑटो में सवार होकर लांजी क्षेत्र की ओर आ रहे थे। इसी दौरान पुलिस को उनकी गतिविधियों की सूचना मिली और टीम ने रास्ते में घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रबीर पिता गोमारा मलिक उम्र 24 वर्ष, दिलीप पिता रामनाथ कहार उम्र 35 वर्ष, सोनारसिंह पिता बुगतसिंह उम्र 35 वर्ष एवं संदीप पिता पनिका मलिक उम्र 30 वर्ष, सभी निवासी सालगुड़ा, ओडिशा के बताएं गए है।

किसे पहुंचाना था गांजा, नेटवर्क की तलाश

चारों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस तस्करी के पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी ओडिशा में गांजा कहां से लेकर आए थे, लांजी क्षेत्र में इसे किस व्यक्ति तक पहुंचाया जाना था तथा इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

पूछताछ के आधार पर पुलिस द्वारा गांजा तस्करी के रूट, सप्लाई नेटवर्क और संभावित स्थानीय संपर्कों की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में पुलिस द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जांच आगे बढ़ने के साथ तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

लांजी में गूंजा समरसता का संदेश, श्रद्धा से निकली मंगल कलश वंदन यात्रा

कलश वंदन यात्रा को हम पर्व के रूप में मना रहे हैं—अजय सुखदेव

पदमेश न्यूज। लांजी। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें जयंती वर्ष के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत लांजी नगर में भव्य मंगल कलश वंदन यात्रा निकाली गई। श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकता के वातावरण में निकली इस यात्रा में जनप्रतिनिधियों,भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं संत गुरु रविदास महाराज जी के अनुयायियों ने सहभागिता की।यात्रा का शुभारंभ लांजी नगरपालिका परिसर में लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश स्थायी आमंत्रित सदस्य अजय सुखदेव, मंडल प्रभारी महेंद्र उमरे, बिसौनी मंडल अध्यक्ष देवेश ऐडे, लांजी मंडल अध्यक्ष आलोक चौरसिया,पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष उज्ज्वल श्रीवास्तव एवं भाजपा युवा नेता जितेंद्र गौतम सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर यात्रा का शुभारंभ हुआ।

कलश यात्रा ने नगर के विभिन्न मार्गो का किया भ्रमण

नगर के विभिन्न मार्गों से होकर निकली मंगल कलश वंदन यात्रा का नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यात्रा के दौरान समता, सामाजिक समरसता, सद्भाव, बंधुत्व एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। यात्रा का समापन सीतेश्वर मंगल भवन में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में हुआ। बताया गया कि बालाघाट जिले में भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे के नेतृत्व में बालाघाट नगर से प्रारंभ होकर मंगल कलश वंदन यात्रा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंच रही हैं।

उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने की प्रेरणा देते हैं- भटेरे

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में लांजी के पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने संत गुरु रविदास महाराज जी के जीवन एवं उनके सामाजिक चिंतन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत रविदास जी ने समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर समानता, मानवता और भाईचारे के साथ आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने की प्रेरणा देते हैं।

यह अभियान निरन्तर जारी है- अजय

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश स्थायी आमंत्रित सदस्य अजय सुखदेव ने कहा कि समरसता संकल्प अभियान श्रद्धा, समरसता और सामाजिक समता का दिव्य संगम है। मंगल कलश वंदन यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि संत गुरु रविदास महाराज जी के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का पर्व है। हम इस कलश वंदन यात्रा को पर्व के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा प्रदेश महामंत्री, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं समरसता संकल्प अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी तथा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एवं अभियान के सह-संयोजक भगवान परमार के मार्गदर्शन में यह अभियान व्यापक रूप से चलाया जा रहा है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आजादी के बाद भी सड़क को तरस रहा कन्हड़गांव-बारिश में टूट जाता है संपर्क

कटंगी मोहाड़ी मार्ग के निर्माण का इंतजार, कीचड़ और गड्ढों से होकर स्कूल पहुंचते हैं विद्यार्थी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

आजादी के दशकों बाद भी जिले के खैरलांजी क्षेत्र का ग्राम कन्हड़गांव मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझ रहा है। गांव से कटंगी मोहाड़ी की ओर जाने वाले मार्ग का अब तक निर्माण नहीं हो सका है। सड़क के अभाव में बारिश के दिनों में कन्हड़गांव का आसपास के गांवों से संपर्क लगभग टूट जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण की मांग नई नहीं है बल्कि वर्षों से वे इस समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते आ रहे हैं लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

कक्षा आठवीं के बाद पढ़ाई भी बनी चुनौती

ग्राम कन्हड़गांव में कक्षा आठवीं तक ही पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध है। इसके बाद विद्यार्थियों को आरंभा डोंगरमाली सहित आसपास के अन्य गांवों की शिक्षण संस्थाओं में पढ़ाई के लिए जाना पड़ता है। सामान्य दिनों में किसी तरह आवागमन हो जाता है लेकिन बारिश शुरू होते ही विद्यार्थियों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ होने के कारण छात्र-छात्राओं को जोखिम उठाकर स्कूल पहुंचना पड़ता है। कई बार दोपहिया वाहन फिसलने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

नोनसा मार्ग भी बदहाल

कन्हड़गांव से ग्राम नोनसा तक डामरीकृत सड़क बनी हुई है लेकिन देखरेख के अभाव में यह सड़क भी जगह-जगह से उखड़ चुकी है। सड़क पर बने गड्ढे ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़कों की मरम्मत और निर्माण नहीं किया गया तो बारिश के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।

पुलिया के दोनों छोर पर गड्ढे-आवागमन में परेशानी

कन्हड़गांव के समीप कटंगी और मोहाड़ी जाने वाले मार्ग पर नाले के ऊपर बनी पुलिया भी बदहाल स्थिति में है। कच्चे मार्ग पर बनी पुलिया के दोनों छोर पर बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश में इन गड्ढों में पानी और कीचड़ भर जाने से राहगीरों को पुलिया पार करने में काफी परेशानी होती है। ग्रामीणों के अनुसार मार्ग और पुलिया की खराब स्थिति के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

चुनाव में आते हैं नेता-आश्वासन के बाद भूल जाते हैं समस्या

ग्रामीणों का आरोप है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान जनप्रतिनिधि गांव पहुंचकर सड़क निर्माण सहित अन्य समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाते हैं। चुनाव के बाद स्थिति फिर वही हो जाती है। ग्रामीणों ने कई बार जनप्रतिनिधियों के साथ जिला प्रशासन से भी सड़क निर्माण की मांग की लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं हो सकी है।

विधायक ने फिर दिया सड़क निर्माण का भरोसा

हाल ही में क्षेत्रीय विधायक विक्की पटेल ने ग्राम कन्हड़गांव पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की और सड़क निर्माण को लेकर आश्वासन दिया है। विधायक के आश्वासन के बाद ग्रामीणों में एक बार फिर सड़क निर्माण की उम्मीद जगी है। अब ग्रामीणों को इंतजार है कि वर्षों पुरानी यह समस्या केवल आश्वासन तक सीमित न रहकर वास्तव में सड़क निर्माण के रूप में धरातल पर दिखाई दे।

ग्रामीणों की मांग-अब आश्वासन नहीं चाहिए पक्की सड़क

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं बल्कि गांव के विकास की पहली जरूरत है। खराब मार्ग के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में परेशानी होती है और बारिश में दैनिक जरूरतों के लिए भी ग्रामीणों को जोखिम उठाना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान करते हुए सड़क का निर्माण कराया जाए ताकि बरसात में गांव का संपर्क न टूटे।

साइबर गिरोहों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 70 लाख से अधिक की राशि-संपत्ति जब्त

भोपाल। एजेंसी। मध्यप्रदेश पुलिस ने साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी के खिलाफ पिछले 10 दिनों में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अंतर्राज्यीय गिरोहों का पर्दाफाश किया है। निवेश व शेयर ट्रेडिंग ठगी, ई-कॉमर्स रिफंड फ्रॉड, म्यूल बैंक खाते, वर्क-फ्रॉम-होम ठगी और मोबाइल हैकिंग से जुड़े मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ 70 लाख रुपये से अधिक की राशि और संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस ने तकनीकी माध्यमों और हृष्ट्रक्क के स्क्रक्ष्तक्ररू मॉड्यूल के जरिए पीड़ितों की लाखों रुपये की ठगी की राशि भी वापस कराई। ग्वालियर साइबर क्राइम विंग ने 1.63 करोड़ रुपये की निवेश ठगी के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर 26 डेबिट/प्रीपेड कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज और मोबाइल जब्त किए। गुना पुलिस ने फर्जी सिम व बैंक खातों से रिफंड फ्रॉड करने वाले गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर ईवी कार और 25 मोबाइल सहित 60 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की। इंदौर में विजयनगर पुलिस ने फर्जी 'Nokia_Securities' ऐप से शेयर बाजार ठगी करने वाले 13 आरोपियों और एरोड्रम पुलिस ने साइबर सिंडिकेट के 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया। तिलक नगर पुलिस ने 1.39 लाख रुपये की पूरी ठगी राशि वापस कराई।

पन्ना पुलिस ने वर्क-फ्रॉम-होम ठगी में राजस्थान से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर 5.82 लाख रुपये नकद जब्त किए। फ्रेंचाइजी ठगी में बिहार से तीन आरोपी पकड़े गए, जबकि मोबाइल हैकिंग मामले में चार आरोपी गिरफ्तार हुए। देवास में दो मामलों में 87,910 रुपये और अशोकनगर में 1.43 लाख रुपये पीड़ितों को वापस कराए गए।

पुलिस ने नागरिकों से अनजान लिंक, क्क्य, ऑनलाइन निवेश, रिफंड और फ्रेंचाइजी ऑफर से सावधान रहने तथा हृञ्क्क और UPI PIN साझा नहीं करने की अपील की है। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 या cyber-crime.gov.in पर शिकायत करने को कहा गया है।

संदिग्ध मोबाइल एप डाउनलोड करना पड़ा मंहगा

भोपाल। एजेंसी। कोलार थाना इलाके के कान्हा कुंज फेस-2 में रहने वाले एक युवक को संदिग्ध मोबाइल एप डाउनलोड करना भारी पड़ गया। एप डाउनलोड करने के दो दिन बाद जब उसने बैंक खाता चेक किया तब पता चला की उसके एकाउंट से 60 हजार रुपए गायब हो चुके है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक 30 वर्षीय शुभम पाल ने अपनी शिकायत में बताया की बीती 27 अगस्त को उसने अपने मोबाइल फोन में एक्सएमटीवी नाम का एप डाउनलोड किया था। कुछ समय बाद उन्होंने एप को मोबाइल से हटा दिया। इसी दिन उनके बैंक खाते से दो अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 60 हजार रुपए निकाल लिए गए। उसे इसकी जानकारी नहीं थी। बाद में जब उसने 29 अगस्त को बैलेंस चेक किया तब उसे रकम निकलने का पता चला। फरियादी ने इसकी शिकायत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 और साइबर क्राइम पोर्टल पर दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर साइबर सेल से मिली ई-शून्य प्राथमिकी के जरिए कोलार पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

टेलीकॉम फैक्ट्री में 2 श्रमिकों की मौत पर जांच के निर्देश

जबलपुर। एजेंसी। रानीताल स्थित टेलीकॉम फैक्ट्री की भूमि से शेड हटाने और 2 सितंबर को हुए हादसे में दो श्रमिकों की मौत के मामले में नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच की शिकायत पर संभागीय आयुक्त धनंजय सिंह भदौरिया ने कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्यकारी निदेशक, उद्योग विभाग अनिल राठौर को मामले में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कार्यकारी निदेशक ने मंच के पदाधिकारियों को 11 सितंबर को विस्तृत चर्चा के लिए बुलाया है। चर्चा के बाद संबंधित मुद्दों पर कार्रवाई शुरू किए जाने की बात कही गई है।

मंच की ओर से दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि रानीताल टेलीकॉम फैक्ट्री का स्क्रेप हटाकर बेचा जा रहा है। शेड हटाने की आड़ में परिसर के वृक्षों की कटाई किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। मंच ने बताया कि फैक्ट्री की भूमि से संबंधित मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है और वहां यथास्थिति बनाए रखने के आदेश जारी हैं। इसके बावजूद गतिविधियां जारी रहने पर मंच ने आपत्ति जताई है।

दो श्रमिकों की मौत की जांच पर उठाए सवाल...

ज्ञापन में 2 सितंबर को टेलीकॉम फैक्ट्री में शेड हटाने के दौरान हुए हादसे में दो श्रमिकों की मौत का मुद्दा भी उठाया गया। मंच ने मामले की निष्पक्ष और सख्त जांच कराने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि जांच के नाम पर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई है। मंच ने पूरे मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा मंच ने रिछाई स्थित टेलीकॉम परिसर में खाली पड़ी करीब 35 एकड़ भूमि पर टेलीकॉम क्लस्टर एवं मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित किए जाने की मांग भी रखी। मंच का कहना है कि इस भूमि का उपयोग औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। संभागीय आयुक्त धनंजय सिंह भदौरिया ने मंच के पदाधिकारियों को कार्यकारी निदेशक अनिल राठौर के साथ विस्तृत चर्चा करने के निर्देश दिए हैं। चर्चा के बाद ज्ञापन में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान डॉ. पी.जी. नाजपांडे, रजत भार्गव, एडवोकेट वेदप्रकाश अधौलिया और एडवोकेट बृजेश साहू सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

उज्जैन की शाही मस्जिद हटाने के खिलाफ दायर याचिकाएं खारिज, रोड़ चौड़ीकरण में बाधक हिस्सा हटेगा

इन्दौर। एजेंसी। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में जस्टिस संदीप एन. भट्ट की एकल पीठ ने उज्जैन की 100 साल पुरानी शाही मस्जिद के हिस्से को सिंहस्थ विकास कार्य हेतु तोड़े जाने के खिलाफ दायर दो याचिकाओं को सुनवाई उपरांत निरस्त कर दिया जिसके चलते अब उज्जैन की इस शाही मस्जिद का टूटना तय हो गया है। मामले में याचिकाकर्ताओं का कहना है कि चूंकि कोर्ट का विस्तृत आदेश अभी जारी नहीं हुआ है, आदेश मिलने के बाद वे इसके खिलाफ अपील करेंगे।

ज्ञात हो कि उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के चलते सड़क चौड़ीकरण कार्य किया जा रहा है। जिसमें उज्जैन नगर निगम गोपाल मंदिर वाली सड़क चौड़ीकरण के लिए मार्ग में आने वाले निर्माणों को हटा रहा है। इस कार्यवाही में ही शाही मस्जिद को हटाने के लिए निगम के भवन अधिकारी ने नोटिस जारी किया था, जिसके खिलाफ एक याचिका शाही मस्जिद वक्फ पंचायत मोचियान और शाही मस्जिद इंतजामिया कमेटी की ओर से दायर कर मप्र शासन, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के संयुक्त संचालक, उज्जैन नगर निगम, भवन अधिकारी और कलेक्टर को पक्षकार बनाया गया था। दूसरी याचिका शाही मस्जिद वक्फ पंच मोचियान के अध्यक्ष अरशान हुसैन की ओर से दाखिल की गई। इसमें मप्र शासन, नगर निगम और मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड को पक्षकार बनाया गया था। याचिकाकर्ताओं की ओर से याचिका में कोर्ट को बताया गया था कि यह शाही मस्जिद 100 वर्ष से अधिक पुरानी है और ऐतिहासिक महत्व रखती है। 17 मार्च, 1925 को सिधिया राजघराने के चेयरमैन, टाउन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट और ग्वालियर सरकार लश्कर की ओर से शहर काजी को पत्र जारी किया था। इसमें भूमि अधिग्रहण के बाद मस्जिद की शेष भूमि को यथावत् रखने का उल्लेख था। इसके अलावा वर्ष 1975 में आवागमन सुगम बनाने के लिए मस्जिद की ओर से स्वेच्छा से जमीन दिए जाने की बात भी याचिका में कही है। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं और सरकार का पक्ष सुनने के बाद याचिकाओं को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता सैयद अशहार अली वारसी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हम विस्तृत आदेश का इंतजार कर रहे हैं। कोर्ट के आदेश को देखने के बाद उसके खिलाफ हम अपील दायर करेंगे।

जोखिमपूर्ण भवनो की जांच में होगी लापरवाही, तो तय होगी जवाबदेही-मुख्यमंत्री साय

रायपुर। एजेंसी। विद्यार्थियों और नागरिकों के जीवन की सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन की जिम्मेदारी केवल किसी घटना के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संभावित खतरों की पहले से पहचान कर उन्हें दूर करना भी हमारी जिम्मेदारी है।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी जिलों में हॉस्टल, पीजी, कोचिंग सेंटर, स्कूल तथा बड़े शैक्षणिक भवनों का तत्काल निरीक्षण एवं सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां भी सुरक्षा संबंधी कमियां सामने आएं, वहां समय-सीमा निर्धारित कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित कराया जाए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से कहा कि वे अपने-अपने जिलों में स्वयं इसकी नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि शासन के निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर दिखाई दे।

मुख्यमंत्री साय ने स्कूलों, पुस्तकालयों, छात्रावासों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्थित पुराने एवं जर्जर भवनों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे भवन, जिनकी स्थिति जोखिमपूर्ण है अथवा जिनसे किसी प्रकार की जनहानि की आशंका हो सकती है, उनकी पहचान कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान हो और दुर्घटना की आशंका को पहले ही समाप्त कर दिया जाए। विशेष रूप से बच्चों और विद्यार्थियों से जुड़े संस्थानों में सुरक्षा मानकों के पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिलों में सुरक्षा से संबंधित निरीक्षण की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। केवल शिकायत अथवा दुर्घटना सामने आने के बाद कार्रवाई करने की प्रवृत्ति के स्थान पर सतत निगरानी और समय रहते सुधार की कार्यसंस्कृति विकसित करनी होगी।

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को अवैध एवं मिलावटी शराब के निर्माण, बिक्री, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आबकारी विभाग, पुलिस और जिला प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों अथवा स्थानों पर अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री या मिलावट की आशंका हो, वहां संयुक्त टीमों के माध्यम से छापेमारी की जाए। उन्होंने पुलिस और आबकारी विभाग को सूचनाओं का नियमित आदान-प्रदान करते हुए संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के निर्माण अथवा मिलावट में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता सामने आने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि बैठक में दिए गए निर्देशों पर तत्काल अमल शुरू किया जाए तथा जिलों में की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा भी सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर मुख्य सचिव विकास शील, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, वन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, संयुक्त सचिव प्रभात मलिक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

ब्लैक मांबा रेस्टोरेंट के बाहर छात्रो ने मचाया तांडव

भोपाल। एजेंसी। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित ब्लैक मांबा रेस्टोरेंट के बाहर बीती देर शाम बीएसएस कॉलेज छात्रों की फ्रेशर्स पार्टी के दौरान छात्रों के बीच आपस में विवाद हो गया। झगड़ा बढ़ने पर मारपीट हुई और छात्रों ने रेस्टोरेंट के बाहर खड़ी एक छात्र की थार गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी। तोड़फोड़ होने से थार का कांच टूटकर अंदर बैठे युवक के मुंह पर लगा था, जिससे उसे चोट आई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्र की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पिपलानी के इंद्रपुरी में रहने वाले दिव्यांश पटेल ने बताया की वह बिलखिरिया स्थित प्रेस्टीज कॉलेज में पढ़ता है। बुधवार रात वह अपने चचेरे भाई और दो दोस्तों के साथ कार से ब्लैक मांबा क्लब पहुंचा था। क्लब में बीएसएस कॉलेज की फ्रेशर्स पार्टी चल रही थी, जिसमें अन्य कॉलेजों के छात्र भी मौजूद थे। दिव्यांश और उसके साथी थार में बैठे बातचीत कर रहे थे, तभी अचानक कई दोपहिया वाहनों से युवक वहां पहुंचे और बिना किसी बातचीत के वाहन में तोड़फोड़ शुरू कर दी। हमले में थार के कांच टूटने से दिव्यांश की आंख में चोटं आई है। वारदात के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्र को इलाज के लिये पहुंचाया। शुरुआती सूचना में आरोपियो द्वारा हवाई फायर करने की बात भी सामने आई थी। हालांकि पुलिस ने गोली चलने से इंकार किया है। पुलिस आरोपियो की पहचान जुटाने के लिये क्लब और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि बीएसएस कॉलेज के छात्रों की फ्रेशर्स पार्टी चल रही थी। इसी दौरान छात्रों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बताया जाता है कि पार्टी में दूसरे छात्र शामिल हो गए थे। छात्रों का पुराना विवाद घटना का कारण बताया जा रहा है।

आरजीपीवी कर्मचारी ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर कई लोगो से 18 लाख ठगे

भोपाल। एजेंसी। राजधानी के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में नौकरी दिलाने का झांसा देकर विश्वविद्यालय के कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर करीब दर्जनभर लोगों को विश्वविद्यालय में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 18 लाख रुपए ठग लिए। बाद में जब रकम देने के बाद भी नौकरी नहीं लगी और न ही पीड़ितो की रकम लौटाई गई। तब परेशान पीड़ित गांधीनगर थाने पहुंचे और शिकायत की। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। थाना पुलिस के मुताबिक नुसरल आयशा समेत करीब दर्जनभर लोगों ने पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए बताया है कि आरजीपीवी कर्मचारी नसीम खान ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन्हें विश्वविद्यालय में नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। आरोपियों ने अलग-अलग समय पर नौकरी लगवाने के नाम पर उनसे करीब 18 लाख रुपए ले लिए। पीड़ितों का आरोप है कि रकम देने के बाद पहले तो आरोपी जल्द नौकरी लगने की बात कहते रहे लेकिन बाद में टालमटोल करनी शुरु कर दी। काफी समय बीतने पर भी जब नौकरी नहीं लगी तब पीड़ितों ने अपनी रकम वापस लौटाने को कहा। लेकिन आरोपियों ने रकम लौटाने से इनकार कर दिया। पुलिस के मुताबिक शिकायत में करीब दर्जनभर लोगों से नौकरी के नाम पर रकम लेने की बात सामने आई है। सभी शिकायतों और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की जॉच कर रही है।

खुले में एक्सपायर दवाएं छोड़ने पर 5 हजार का जुर्माना

भोपाल। एजेंसी। नगर निगम ने खुले में एक्सपायर दवाएं और सीरप छोड़ने वाले व्यक्ति का पता लगाकर 5 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया। कार्रवाई ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत की गई।

अशोका गार्डन क्षेत्र में मकान खाली करने वाले किरायेदार ने एक्सपायर दवाएं और सीरप कार्टून में रखकर खुले में छोड़ दिए थे। निगम के कचरा वाहन चालक ने कार्टून को राजेंद्र नगर गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पहुंचाया और इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। कार्टून में मिले कागजात के आधार पर निगम अमले ने संबंधित किरायेदार का पता लगाया और उससे 5 हजार रुपये का स्पॉट फाइन वसूला।

निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर की गई कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यक्ति को खतरनाक और हानिकारक बायोमेडिकल कचरा खुले में नहीं फेंकने की समझाइश भी दी गई। निगम ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऐसे कचरे का सुरक्षित निष्पादन कराने की अपील की है।

नापतौल विभाग ने अप्रैल से अब तक बनाए 175 प्रकरण

इंदौर। एजेंसी। नापतौल विभाग ने अप्रैल से अब तक अनियमितताओं के 175 प्रकरण बनाए हैं। रक्षाबंधन के दौरान 10 ग्राम कम मिठाई देने पर एक फर्म पर 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी बिग बास्केट द्वारा एमआरपी से अधिक राशि वसूलने पर 15 हजार और ऑटोमोबाइल पार्ट्स पर अधिक राशि लेने के मामले में 25 हजार रुपये का जुर्माना किया गया। यह जानकारी संभागायुक्त भास्कर लाक्षाकार की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई नापतौल विभाग की समीक्षा बैठक में दी गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी सिंहस्थ को देखते हुए विभाग की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। अस्थायी दुकानों के संभावित स्थानों को चिन्हित कर वहां नापतौल व्यवस्था की निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही शॉपिंग मॉल में खाद्य पदार्थों की पैकिंग और वजन का प्राथमिकता से सत्यापन किया जाए।

टेनिसः कोको गॉफ और ज्वेरेव भी अंतिम-4 में पहुंचे

US ओपनः रायबकिना सेमीफाइनल में, वर्ल्ड नंबर-1 रैंकिंग भी हासिल की

न्यूयॉर्क,एजेंसी। यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना, अमेरिका की कोको गॉफ और जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

महिला एकल में कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने चीन की झेंग किनवेन को 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर पहली बार वर्ल्ड नंबर-1 रैंकिंग हासिल कर ली। वहीं अमेरिका की कोको गॉफ ने रूस की मिर्रा एंड्रीवा को 2-6, 7-6, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं। दोनों का सेमीफाइनल मुकाबला होगा। रायबकिना ने झेंग के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही वह विमेंस टेनिस की नई वर्ल्ड नंबर-1 बन गईं। वह इस रैंकिंग तक पहुंचने वाली कजाकिस्तान की पहली खिलाड़ी हैं। रायबकिना अब अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ खेलेंगी। इस साल वह ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीत चुकी हैं।

ज्वेरेव ने बोटिक वैन को हराया, अब खाचानोव से होगी भिड़ंत

पुरुष वर्ग में अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में बोटिक वैन डे जैंडशुल्प को 6-2, 7-5, 6-1 से हराकर एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अपने शुरूआती 2 मैचों को पांच-पांच सेट तक खींचने वाले ज्वेरेव ने लय पकड़ ली है और लगातार तीन मैच सीधे सेटों में जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। मेंस सिंगल्स में अमेरिका के बेन शेल्टन और फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना रूस के करेन खाचानोव से होगा। खाचानोव को एलेक्जेंडर ब्लॉक्स के रिटायर होने के बाद सेमीफाइनल में जगह मिली, जबकि ज्वेरेव ने बोटिक वान डे जैंडशुल्प को हराकर अंतिम-4 में प्रवेश किया।

जूनियर एशिया कप में भारत की सबसे बड़ी जीत, सेमीफाइनल में पहुंची डिफेंडिंग चैंपियन

मीक्की। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने पाकिस्तान पर 19 गोल मारकर रिकॉर्ड जीत दर्ज की। पाकिस्तानी टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। यह महिला जूनियर हॉकी में भारत की सबसे बड़ी जीत है। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने गुरुवार को जूनियर एशिया कप के क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने पहले हाफ में 10 और दूसरे हाफ में 9 गोल किए। भारत की पूजा मलिक ने हैट्रिक लगाई। सानिका चंद्रकांत माने, मधु सिदार और सुप्रिया ने 2-2 गोल किए। रोशनी ऐंद ने भी 2 गोल किए। भारत ने पहले ही क्वार्टर में 5 गोल कर दिए थे। पूजा साहू ने 7वें मिनट में खाता खोला, रोशनी ऐंद ने 9वें, तनुश्री दिनेश कडू ने 11वें, सुखवीर कौर ने 13वें और सानिका माने ने 13वें मिनट में गोल किया। दूसरे क्वार्टर में मधु सिदार, गीता यादव, सानिका माने, तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल किए।

ताहिर टी20 क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बने

जमैका। दक्षिण अफ्रीकी लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने 47 साल की उम्र में भी टी20 क्रिकेट में एक रिकार्ड बनाकर सभी को हैरान कर दिया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के आठ साल बाद भी जिस प्रकार से ताहिर ने खेला है उससे सभी हैरान हैं। हाल ही में ताहिर इस प्रारूप में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बने हैं। उन्होंने यह ऐतिहासिक उपलब्धि कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में गुयाना वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए हासिल की। सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ हुए मुकाबले में ताहिर ने अपने चार ओवरों में केवल 17 रन देकर पांच विकेट लिए।

सीपीएल 2026 टूर्नामेंट के 31वें मैच में सेंट लूसिया किंग्स और गुयाना वॉरियर्स के बीच हुए मुकाबले में सेंट लूसिया किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट के नुकसान पर 54 रन बना

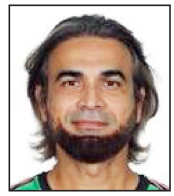

लिए थे और वह एक मजबूत स्कोर की ओर बढ़ रही थी। तभी इमरान ताहिर ने अपनी स्पिन के जादू से विरोधी बल्लेबाजी क्रम को धवस्त कर दिय। ताहिर ने अपनी फिटनेस और कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने स्पेल के चारों ओवर बिना किसी ब्रेक के लगातार फेंके। उनकी सटीक लाइन और लेंथ के सामने सेंट लूसिया के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। उन्होंने प्रत्येक ओवर में कम से कम एक विकेट लेकर विरोधी टीम को ध्वस्त किया। उन्होंने केवल 17 रन देकरद पांच अहम विकेट लिए।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही, 47 साल और 166 दिन की उम्र में इमरान ताहिर टी20 क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्र दराज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कुक आइलैंड के टोमाकानुटे रिटावा का रिकॉर्ड तोड़ा है। टोमाकानुटे ने साल 2022 में फिजी के खिलाफ 46 साल और 299 दिन की उम्र में ये रिकार्ड बनाय था।

हर्षित की जगह यश ठाकुर अफगानिस्तान सीरीज और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किये गये -बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा के फिट नहीं होने से युवा यश ठाकुर को अफगानिस्तान सीरीज के साथ ही एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई के अनुसार हर्षित अभी तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं जिसको देखते हुए उनकी जगह पर विदर्भ के तेज गेंदबाज यश ठाकुर को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इस प्रकार देखा जाये तो राणा के फिट नहीं होने से यश को सुनहरा अवसर मिला है। अब देखना है कि वह इसका कितना लाभ उठा पाते हैं। बोर्ड के अनुसार राणा बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपने रिहैब प्रोग्राम के दौरान तेजी से उबर रहे थे। हालांकि, 7 सितंबर को एक मैच सिमुलेशन सेशन के दौरान गेंदबाजी करते समय उन्हें 'रेक्टस फेमोरिस' में खिंचाव (स्ट्रेन) आ गया। इस नई चोट के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से

दोनों महत्वपूर्ण आयोजनों से बाहर कर दिया गया है। हर्षित राणा के लिए यह एक बड़ा झटका है, खासकर जब वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे। गौरतलब है कि भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का पहला मैच 13 सितंबर को खेला जाएगा, जबकि बाकी मैच 15 और 17 सितंबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित होंगे।

इसके बाद भारतीय टीम एशियन गेम्स 2026 में भी हिस्सा लेगी, जहां क्रिकेट इवेंट में भी भारत अपनी दावेदारी पेश करेगा। इन दोनों ही बड़े मंचों पर हर्षित की तेज गेंदबाजी की कमी महसूस की जाएगी पर अब यश ठाकुर के पास अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने रखने का सुनहरा अवसर है। 27 वर्षीय यश घरेलू क्रिकेट में विदर्भ का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने हाल ही में जुलाई में भारत के जिम्बाब्वे दौरे पर अपना टी20 डेब्यू किया था। उन्होंने उस सीरीज में खेले गए दो मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार विकेट हासिल किए थे, जिससे चयनकर्ताओं का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हुआ था। सिर्फ अंतरराष्ट्रीय ही नहीं, घरेलू स्तर पर भी यश का रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 50 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैचों में 7.04 की बेहतरीन इकॉनमी रेट से कुल 81 विकेट झटके हैं।

भारत की मोना ने रजत के साथ हासिल किया ओलंपिक कोटा, अवनी को कांस्य

सियोल। दक्षिण कोरिया के चांगवोन में जारी विश्व निशानेबाज पैरा स्पोर्ट चैंपियनशिप में भारतीय टीम की मोना अग्रवाल को रजत जबकि अवनी लेखरा को कांस्य पदक मिला है। मोना को रजत के साथ ही लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए भी कोटा मिला है। मोना ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक के साथ लॉस एंजिल्स 2028 पैरालिंपिक के लिए देश को एक कोटा भी दिला दिया। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में सर्बिया की 22 साल की क्रिस्टीना ट्रिफुनोविक ने 250.2 के स्कोर के साथ ही स्वर्ण पदक जीता। मोना अग्रवाल ने उन्हें कड़ी टक्कर दी थी पर वह 250.0 के मामूली अंतर से स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर पायीं। अवनी लेखरा ने 229.4 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। मोना अग्रवाल के करियर का पहला विश्व चैंपियनशिप पदक है। इससे पहले, उन्होंने पिछले साल इसी चांगवोन रेंज पर आयोजित विश्व कप में रजत पदक जीता था।

रॉबिन्सन ने तीसरे टेस्ट में बनाये दो बड़े रिकार्ड

एजबेस्टन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन ही दो बडे रिकार्ड अपने नाम किये हैं। रॉबिंसन ने जहां टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे किए। वहीं 112 साल में 100 या उससे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले सबसे बेहतर औसत वाले गेंदबाज भी बने हैं। इसी के साथ ही रॉबिंसन ने औसत के मामले में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी पीछे छोड़ दिया है।

रॉबिन्सन ने यह उपलब्धि पाकिस्तान की पारी के पहले ही ओवर में उस समय हासिल कर ली जब उन्होंने सलामी बल्लेबाज साइम अयूब को एलबीडब्ल्यू आउट कर अपना 100वां टेस्ट लिया। इस प्रकार रॉबिन्सन ने अपना 100 वां टेस्ट विकट लिया।

वहीं केवल 24 टेस्ट मैचों में 100 विकेट पूरे करने के साथ ही रॉबिन्सन ने अपने करियर के गेंदबाजी औसत को 19.23 तक भी पहुंचा दिया। यह आंकड़ा उन्हें 100 या उससे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों में 19.34 के औसत के साथ पिछले 100 सालों में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत रखने वाले गेंदबाज के रूप में स्थापित करता है। वहीं भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का औसत 19.79 है, जिन्होंने 234 विकेट लिए हैं रॉबिन्सन ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए इस विशिष्ट क्लब में अपनी जगह बनाई है। कुल मिलाकर, 100 या उससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में यह सातवां सर्वश्रेष्ठ औसत है, जो रॉबिन्सन के प्रभाव को दिखाता है।

पाक के रजाउल्लाह ने डेब्लू मैच में ही 144 की रफ्तार से गेंदबाजी कर हैरान किया

लंदन। पाकिस्तान के उभरते हुए तेज गेंदबाज रजाउल्लाह ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपने प्रदर्शन से पाक की उम्मीदें जगायीं।

इस मैच में पाक टीम पहली पारी में केवल 133 रनों पर ही सिमट गयी थी। इसके बाद मेजबान इंग्लैंड की टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक चार विकट पर 156 रन बना लिए थे। हैरी ब्रूक 52 और डेन लारेंस 5 पर खेल रहे थे।

बल्लेबाजी के लिए उतरी। रजाउल्लाह ने अपने टेस्ट करियर की पहली गेंद। 143 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से फेंकी। वहीं ओवर की तीसरी गेंद 144 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से निकली। चौथी गेंद इंग्लैंड के कप्तान जो रूट के पैड पर जा लगी और वह एलबीडब्यलू हो गये। इस प्रकार बिना कोई रन दिये ही रजाउल्लाह ने इंग्लैंड के सबसे अनुभवी बल्लेबाज को विकेट लेकर एक बेहतरीन शुरुआत की।

इसके बाद इस अनजान से गेंदबाज ने लगातार 140 किलोमीटर प्रति घंटा से ऊपर की गति से गेंदें फेंकते हुए हैरी ब्रूक को हैरान किया और उसके बाद सलामी बल्लेबज एमिलियो गे का विकट लिया। एमिलियो नले 60 रन बनाए थे। कुछ ही गेंदों में रजाउल्लाह ने साबित कर दिया कि वह सिर्फ स्विंग और सीम पर निर्भर रहने वाले गेंदबाज नहीं हैं, बल्कि पाकिस्तान के पुराने धुरंधरों की तरह रफ्तार भी उनका प्रमुख हथियार है। इसके बाद सोशल मीडिया पर रजाउल्लाह की तुलना महान पाकिस्तानी तेज गेंदबाज और पूर्व कप्तान वकार युनिस से होने लगी। इसका एक कारण समान एक्शन और डील-डौल बताया गया है।

अगले माह होगा दिल्ली गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली गोल्फ क्लब में 15 से 18 अक्टूबर तक डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा। 40 लाख डॉलर इनामी राशि वाला ये टूर्नामेंट वैश्विक गोल्फ कैलेंडर में एक अहम स्थान रखता है। ऐसे में इसका आयोजन देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें दुनिया भर के बड़े स्टार खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। इसमें भारत की ओर से शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनो का ही लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर विश्वस्तरीय दिग्गजों के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा।

इस चैम्पियनशिप में पूर्व विश्व नंबर 1 आयरलैंड के रोरी मैकलरॉय के अलावा गत चैम्पियन टॉमी फ्लीटवुड भी भाग लेंगे। फ्लीटवुड का लक्ष्य यहां अपने खिताब को बरकरार रखना रहेगा। इन दिग्गजों की उपस्थिति से भारतीय गोल्फ प्रशंसकों को भी इनक खेल देखने का अवसर मिल जाएगा। टूर्नामेंट में शामिल होने वाले बड़े नामों में गत ओपन चैम्पियन रियान फॉक्स भी शामिल हैं। इसके अलाव यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप के स्टार विक्टर होवलैंड जैसे खिलाड़ी भी मैदान में होंगे।

गौरतलब है कि डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप रेस टू दुबई के नौ टूर्नामेंटों में आठवां है, जो इसे यूरोपीय टूर के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार, डीपी वर्ल्ड टूर चैम्पियनशिप, दुबई में नवंबर में होने वाले फाइनल के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनाता है। खिलाड़ी न केवल विशाल इनामी राशि के लिए बल्कि रेस टू दुबई रैंकिंग में महत्वपूर्ण अंकों के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिससे टूर्नामेंट में एक अतिरिक्त तीव्रता और ड्रामा जुड़ जाएगा।

6 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी करेंगे पांड्या !

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अगल माह 6 अक्टूबर से खेल में वापस करेंगे। बीसीसीआई के अनुसार पंड्या अगर फिट हुए तो 6 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में इंडिया ए टीम की ओर से उतरेंगे। पांड्या फिट नहीं होने के कारण लंबे समय से टीम से बाहर हैं, ऐसे में उनकी वापसी की अटकलों से प्रशंसकों में उत्साह की लहर दौड़ गयी है।

बोर्ड ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा की थी। इसमें पांड्या का नाम भी शामिल था। गौरतलब है कि पांड्या ने साल 2018 के बाद से ही कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। पिछले आठ साल में सफेद गेंद क्रिकेट में उन्होंने अपने को विश्व के शीर्ष तेज-गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में साबित किया है पर लगातार चोटिल होने के कारण वह टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। टी20 विश्व कप के बाद से टीम से बाहर हैं।

कुछ दिन पहले ही बताया गया था कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) उन्हें फिटनेस क्लीयरेंस देने के करीब है पर तभी अचानक एक और बुरी खबर आई कि ट्रेनिंग के दौरान उन्हें फिर से पैर में चोट लग गई थी। इसी वजह से उन्हें अफगानिस्तान सीरीज से बाहर कर दिया गय। अब ऑस्ट्रेलिया ए सीरीज में शामिल किये जाने पर उनकी उम्मीदें टिकी हैं।

ऑस्ट्रेलिया ए का भारत दौरा 22 सितंबर से शुरू होगा, दोनों टीमों के बीच पहले दो मल्टी-डे मैच खेले जाएंगे। हार्दिक इन फर्स्ट-क्लास मैचों का हिस्सा नहीं होंगे, बल्कि उनकी वापसी एकदिवसीय मुकाबले से होगी जो मंगलवार, 6 अक्टूबर से शुरू होगी। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए इंडिया ए स्क्वाड का एलान किया था, जिसमें 15 खिलाड़ियों की सूची में हार्दिक पांड्या का नाम भी शामिल रहा। इस आगामी वनडे सीरीज में इंडिया ए की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ करेंगे जबकि देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है।

पाक टीम का खराब प्रदर्शन जारी , रिकॉर्ड टूटने से बचा

बर्मिंघम। इंग्लैंड दौरे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का खराब प्रदर्शन जारी है। यहां तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी पाक टीम की बल्लेबाज ध्वस्त हो गयी।यहां तक कि खराब बल्लेबाजी का एक रिकार्ड टूटते-टूटते बचा। इस मुकाबले में मेजबान टीम इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पाक को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था पर पाक टीम रन बनाने में असफल रही और 33.5 ओवर में केवल 133 रन ही बना पायी। पाकिस्तान की यह पारी इतनी तेजी से सिमटी कि एक 16 साल पुराना सबसे छोटी पारी का शर्मनाक रिकॉर्ड टूटते-टूटते रह गया।

सलामी बल्लेबजा सैम अयूब शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि अजान अवैस ने 9 और अब्दुल्लाह शफीक ने 3 रन बनाये। शान मसूद भी 5 रन ही बना पाये इस खराब प्रदर्शन से पाक टीम ने पहले 10 ओवर के अंदर ही अपने चार विकेट केवल 26 रन पर ही खो दिय। इसके बाद कप्तान बाबर आजम भी 7 रन बनाकर जोश टंग की गेंद पर आउट हुए। इससे पाक टीम ने 48 रनों पर ही 5 विकेट खो दिये।

पाक की ओर से सऊद शकील ही 47 गेंदों पर 7 चौकों की सहायता से 43 रन बना पये पर उन्हें दूसरे छोर से कोई खास साथ नहीं मिला। गाजी घोरी 4, मोहम्मद इमरान 5 और राजाउल्लाह 11 रन बनाकर आउट हुए। सऊद शकील भी 43 रन पर जोश टंग की गेंद पर बोल्ड हो गए। पूरी टीम 133 रन पर सिमट गई।

पाक की 33.5 ओवर की यह पारी इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उसकी तीसरी सबसे छोटी पारी है। इससे छोटी दो पारियां साल 2010 में नॉटिंघम में 29 ओवर में 80 रन और लॉर्ड्स में 33 ओवर में 74 रन पर सिमटने वाली रही थीं। इस प्रकार, एजबेस्टन में टीम 33.5 ओवर तक टिकने में कामयाब रही और वह शर्मनाक रिकॉर्ड टूटने से बच गया,

इंग्लैंड की गेंदबाजी में जोश टंग ने 4 विकेट झटके। ओली रॉबिन्सन ने भी 3 विकेट अपने नाम किए। यह रॉबिन्सन का टेस्ट क्रिकेट में 100वां विकेट भी था। जोफ्रा आर्चर ने भी 3 विकेट लेकर पाकिस्तानी बल्लेबाजों की कमर तोड़ी।

पाकिस्तान को 133 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड की शुरुआत भी उतनी मजबूत नहीं रही, जिसने 39 रन पर अपने तीन विकेट गंवा दिए। हालांकि, एमिलियो गे ने 60 और हैरी ब्रूक ने नाबाद 52 रन बनाकर पारी को संभाला। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने 39 ओवर में 156/4 रन बना लिए थे और उसे पहली पारी में 23 रन की बढ़त मिल चुकी थी। पहले ही सीरीज के शुरुआती दोनों टेस्ट गंवा चुकी पाकिस्तान के लिए एजबेस्टन में भी यही हाल रहा तो इंग्लैंड के हाथों क्लीन स्वीप से बचना एक बड़ी चुनौती होगी।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में रोहित हैं सबसे कम गेंदों में शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज

मुम्बई। पिछले कुछ साल में दुनिया भर में टी20 क्रिकेट तेजी से बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ ही टी20 लीग भी दुनिया भर में खेली जा रही हैं। इसमें कई क्रिकेटरों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। भारतीय बल्लेबाजों ने भी टी20 प्रारुप में अपने प्रदर्शन से कई रिकार्ड बनाये हैं। आज जहां उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा अपनी तूफानी बल्लेबाजी के कारण इस प्रारुप में स्टार बनकर उभरे है। इसके बाद भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम गेंदों में शतक का रिकार्ड भारत की ओर से आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के नाम है। हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित ने केवल मात्र 35 गेंदों में यह शतक लगाया था। रोहित ने ये शतक साल 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में लगाया था जो आज तक नहीं टूटा है। उस मुकाबले में उन्होंने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए सिर्फ 35 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया था। यह पूर्ण कालिक सदस्य देशों के खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए टी20 अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 33-33 गेंदों में शतक लगाये थे। रोहित ने अपनी उस पारी में कुल 43 गेंदों का सामना करते हुए 118 रन बनाए थे, जिसमें 12 शानदार चौके और 10 छक्के शामिल थे। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए केवल 12.4 ओवर में 165 रनों की रनों की साझेदारी की थी।

पिछले नौ साल में कोई भी भारतीय बल्लेबाज इस रिकॉर्ड को तोड़ने में सफल नहीं रहा। अभिषेक इस रिकॉर्ड के सबसे करीब पहुंचे थे, जब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 37 गेंदों में शतक बनाया था। अभिषेक ने उस मैच में 54 गेंदों में 135 रनों की आक्रामक पारी खेली थी, जिसमें 7 चौके और 13 छक्के शामिल थे हालांकि यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी है, और यह रिकॉर्ड आज भी अभिषेक के नाम है। इसके अलावा, संजू सैमसन ने 40 गेंदों में, तिलक वर्मा ने 41 गेंदों में और ईशान किशन ने 42 गेंदों में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाए हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ वैभव और सैमसन में से किसे अवसर देंगे गंभीर?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को 13 सितंबर से अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज से पहले टीम प्रबंधन और मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने एक समस्या खड़ी हो गयी है। वह ये है कि पारी की शुरुआत के लिए अभिषेक शर्मा के साथ अनुभवी संजू सैमसन या उभरते हुए आक्रामक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में से किसे अवसर दिया जाये। तीन मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरेंगी। वहीं उपकप्तनी की जिम्मेदारी तिलक वर्मा के पास है। टीम के पास तीन आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक , वैभव और सैमसन के होने से टीम के लिए संशय की स्थिति बनी है1

पारी की शुरुआत को लेकर पहले भी इस प्रकार की मुश्किलें आई हैं। वैभव ने आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए आक्रामक प्रदर्शन करते हुए अपनी दावेदारी पेश की थी, जहाँ उन्होंने 16 मैचों में 48.50 की औसत और 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे। इसमें 37 गेंदों पर 103 रनों की आक्राम पारी भी शामिल थी

हालांकि इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने अभिषेक के साथ अनुभवी संजू सैमसन को शामिल किया था पर इंग्लैंड दौरे पर सैमसन के शुरुआती मैचों में बड़ी पारियां खेलने में विफल रहने के बाद, टीम प्रबंधन ने विभव को उतारा था इस प्रकार सलामी जोड़ी में बदलाव होता रहा।

जिम्बाब्वे दौरे में सैमसन शामिल नहीं थे। इसलिए वैभव ने अभिषेक के साथ पारी शुरु की थी। इस सीरीज में वैभव ने 50.33 की औसत और 196.10 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 151 रन बनाकर अपनी दावेदारी पक्की की। वैभव ने दो अर्धशतक भी लगाये। इससे सलामी जोड़ीदार के लिए उनकी दावेदारी और पक्की हो गयी थी। वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ सैमसन की भारतीय टीम में वापसी से अब एक बार फिर पारी की शुरुआत किससे करायी जाये सवाल उठ खड़ा हुआ है।

वहीं अभिषेक टी20 क्रिकेट में भारत के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं और लगातार टीम की योजनाओं का अभिन्न अंग रहे हैं, ऐसे में उनकी जगह किसी और को उतारा जाएगा ये संभव नहीं है। दूसरी ओर, वैभव ने भी आईपीएल से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक आक्रामक बल्लेबाजी दिखायी है। दलीप ट्रॉफी में हालांकि कमजोर प्रदर्शन से वैभव की दावदारी को झटका लगा है। दूसरी ओर सैमसन, एक अनुभवी और मैच विजेता बल्लेबाज हैं और टीम में शामिल किये जाने के बाद उन्हें बाहर बिठाना भी संभव नहीं दिखता।

नागपुर-रायपुर मार्ग पर लगा लंबा जाम

सौंदड़ में सुबह से वाहनों की कतारें-पर्याप्त यातायात व्यवस्था नहीं होने से वाहनधारकों को परेशानी

पद्मेश न्यूज। गोदिंया। सड़क अर्जुनी तहसील के सौंदड़ गांव से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय महामार्ग क्र. 53 (नागपुर-रायपुर मार्ग) पर गुरुवार, 10 सितंबर को सुबह से भारी यातायात जाम की स्थिति बनी रही, क्षेत्र में चल रहे उड़ान पुल के निर्माण कार्य, मार्ग के संकरा होने तथा यातायात को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं. इससे नागपुर-रायपुर मार्ग पर यातायात की रफ्तार काफी धीमी हो गई।

सौंदड़ गांव से राष्ट्रीय महामार्ग क्र. 53 के साथ ही गोंदिया-चंद्रपुर रेलमार्ग भी गुजरता है. इसी परिसर में पिछले कई वर्षों से उड़ान पुल का निर्माण कार्य जारी है. निर्माण कार्य के चलते मार्ग की उपलब्ध चौड़ाई कम होने से यहां आए दिन यातायात प्रभावित होने की शिकायत वाहनधारकों और स्थानीय नागरिकों द्वारा की जा रही है. सुबह के समय यातायात जाम होने से स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों, किसानों, नौकरीपेशा लोगों, अधिकारी-कर्मचारियों, स्थानीय ग्रामीणों तथा लंबी दूरी की यात्रा

करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा. जाम में महिला, छोटे बच्चों और बुजुर्ग यात्रियों वाले वाहन भी फंसे रहे। स्थानीय नागरिकों ने यह भी चिंता जताई कि जाम की स्थिति में एंबुलेंस जैसे अत्यावश्यक सेवा वाले वाहनों को भी रास्ता निकालने में कठिनाई हो सकती है. ऐसे में आपात स्थिति के दौरान समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

रेलवे स्टेशन जाने वालों की भी परेशानी

सौंदड़ गांव के नागरिकों को रेलवे स्टेशन की ओर जाने के लिए इसी मार्ग का उपयोग करना पड़ता है. महामार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लगने के कारण वाहन चालकों के साथ पैदल आने-जाने वाले ग्रामीणों को भी रास्ता पार करने और स्टेशन तक पहुंचने में दिक्कत हुई. स्थानीय नागरिकों के अनुसार, जाम वाले स्थान पर यातायात को व्यवस्थित करने के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मी दिखाई नहीं दिए. वहीं, उड्डाणपुल निर्माण स्थल पर वाहनों की सुरक्षित आवाजाही के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की जरूरत भी बताई जा रही है।

निर्माण कार्य जल्द पूरा करने की मांग

उड्डाणपुल का निर्माण कार्य कब तक पूरा होगा, इसे लेकर अब वाहनधारकों और सौंदड़ क्षेत्र के नागरिकों में सवाल उठ रहे हैं. नागरिकों ने निर्माण अवधि में यातायात सुचारू रखने के लिए प्रभावी यातायात नियोजन, पर्याप्त पुलिस बल व सुरक्षा कर्मियों की तैनाती करने की मांग की है. साथ ही उड्डाणपुल का निर्माण कार्य गति से पूरा करने की भी मांग की जा रही है।

चार गांवों की जलापूर्ति पांच दिनों से ठप

31 लाख रु. का बिजली बिल बकाया-शिवसेना (उबाठा) ने आठ दिन का दिया अल्टीमेटम

पद्मेश न्यूज। गोदिंया। गोंदिया जिले में ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं. बनगांव, रामपुरी, खांबी और शिरेगांव इन चार गांवों को पानी उपलब्ध कराने वाली महत्वपूर्ण जलापूर्ति योजना पिछले पांच दिनों से बंद है. बताया जा रहा है कि करीब 31 लाख रु. का बिजली बिल बकाया होने के कारण योजना की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है. इसके चलते चारों गांवों में पेयजल संकट गहरा गया है और ग्रामीणों को पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।

एक ओर शासन की ओर से हर घर जल जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित पेयजल उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर बिजली बिल के बकाये के चलते चार गांवों की जलापूर्ति बंद होने से व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि पांच दिनों से पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है. जलापूर्ति जल्द शुरू करने की मांग को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है. इस संबंध में ग्रामीण जलापूर्ति उपविभाग, नवेगांवबांध के उपविभागीय अभियंता के माध्यम से जिला परिषद गोंदिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया. शिवसेना ने मांग की है कि संबंधित जलापूर्ति योजना को तत्काल शुरू किया जाए. साथ ही चेतावनी दी गई कि आठ दिनों के भीतर जलापूर्ति बहाल नहीं हुई तो तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

पानी नागरिकों का मूलभूत अधिकार

शिवसेना पदाधिकारियों ने कहा कि पानी नागरिकों का मूलभूत अधिकार है. केवल बिजली बिल बकाया होने के कारण चार गांवों की जलापूर्ति बंद रहना ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या है. उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर योजना शुरू करने की मांग की और कहा कि निर्धारित अवधि में समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा. इस अवसर पर जिला प्रमुख शैलेश जायस्वाल, युवा सेना तहसील प्रमुख ओमराज कोल्हे, विभाग प्रमुख कृष्णा चांदेवार, शाखा प्रमुख मुकेश चापेकर, पिंटू बोरकर, भास्कर बालबुद्धे, हितेश हांडेकर सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक उपस्थित थे।

बिजली बिल वसूली करने गए कनिष्ठ अभियंता से मारपीट

पद्मेश न्यूज। गोदिंया। बिजली बिल की वसूली के लिए गए कनिष्ठ अभियंता और उनके साथ मौजूद कर्मचारियों के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है. घटना बुधवार, 9 सितंबर को गोंदिया तहसील के दासगांव खुर्द में घटित हुई. मामले की शिकायत कनिष्ठ अभियंता कमलेश मस्के ने रावणवाड़ी पुलिस थाने में दर्ज कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दासगांव खुर्द निवासी महफूज फैजुद्दीन सैय्यद के बिजली बिल की राशि पिछले जून माह से बकाया थी. बिजली विभाग की ओर से उन्हें कई बार बकाया बिल का भुगतान करने की सूचना दी गई थी. बताया गया कि संबंधित उपभोक्ता ने आर्थिक असमर्थता जताते हुए बिल भरने में असमर्थता व्यक्त की थी. इसी बीच वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर कनिष्ठ अभियंता कमलेश मस्के अपने साथ कर्मचारियों को लेकर बकाया बिजली बिल की वसूली के लिए संबंधित उपभोक्ता के घर पहुंचे. उस समय उपभोक्ता घर पर मौजूद नहीं था. इसके बाद विभागीय नियमानुसार उनके घर का विद्युत कनेक्शन काट दिया गया। विद्युत कनेक्शन काटे जाने के बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा कनिष्ठ अभियंता से इसका कारण पूछा गया. शिकायत के अनुसार, इसी बात को लेकर विवाद हुआ और कनिष्ठ अभियंता के साथ कथित रूप से धक्कामुक्की व मारपीट की गई. अचानक हुई घटना से मौके पर कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई. घटना के बाद कनिष्ठ अभियंता कमलेश मस्के ने रावणवाड़ी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

इनका कहना है

बिजली बिल की वसूली के लिए नियमानुसार कार्रवाई करने पहुंचे थे. इसी दौरान हम पर अचानक हमला किया गया, जिससे हमें काफी धक्का लगा. घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी है और रावणवाड़ी पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई गई है. मामले में उचित कार्रवाई की उम्मीद है।

कमलेश मस्के
कनिष्ठ अभियंता, दासगांव

मुंबई में बेजुबानों पर कहर- चेंबूर में छह बिल्लियों की बर्बर हत्या

मुंबई । मुंबई के चेंबूर इलाके में जानवरों के प्रति क्रूरता का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहाँ कामाख्यावाड़ी क्षेत्र में करीब छह बिल्लियों को सिर कुचलकर बेरहमी से मार डाला गया है। इन मृतकों में बिल्लियों के बच्चे भी शामिल हैं, और आशंका है कि उन पर किसी धारदार या भारी वस्तु से हमला किया गया था। इस जघन्य घटना से लोकल पशु प्रेमियों में गहरा आक्रोश है, और पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता रुबीना अब्दुल मलिक पठान (53) ने बताया कि वह पिछले पांच-छह सालों से इलाके में लावारिस बिल्लियों को खाना खिलाने और उनका इलाज कराने का काम करती हैं। सबसे पहले 3 सितंबर को उन्हें इलाके में चार बिल्लियां मृत मिलीं, जिनके शरीर और सिर पर गंभीर चोटों के निशान थे। रुबीना ने इन मृत बिल्लियों की तस्वीरें अपने मोबाइल में सहेज ली थीं। इसके कुछ दिनों बाद, 6 सितंबर की सुबह रुबीना को शनि मंदिर के पास एक बिल्ली और उसका बच्चा मृत मिला। दोनों के सिर पर गंभीर चोटें थीं और वे खून से लथपथ थे। लगातार बिल्लियों की मौत की इन घटनाओं से स्थानीय पशु प्रेमी चिंतित हो उठे और उन्हें संदेह हुआ कि कोई अज्ञात व्यक्ति जानबूझकर इन बेजुबानों को निशाना बना रहा है। रुबीना ने पशु अधिकार संगठन पेटा इंडिया और अन्य कार्यकर्ताओं से संपर्क किया, जिनकी सलाह पर मृत बिल्ली और उसके बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए परेल स्थित पशु अस्पताल भेजा गया। इसके बाद, आरसीएफ पुलिस थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। नागरिकों और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने इस जघन्य अपराध की गंभीरता से जांच की मांग की है और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आग्रह किया है। उन्होंने पुलिस से इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने की भी अपील की है ताकि संदिग्धों की पहचान हो सके। इस बीच, पेटा इंडिया ने मामले में आरोपी की गिरफ्तारी तक पहुँचाने वाली जानकारी देने वाले को 50 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की है। पेटा ने चेंबूर में लगभग 20 बिल्लियों के मृत और क्षत-विक्षत मिलने की घटनाओं पर भी चिंता जाहिर की है, हालांकि पुलिस की मौजूदा शिकायत में 6 बिल्लियों की मौत का उल्लेख है।

साहिबगंज में बाढ़ से उजड़ने लगे आशियाने, पलायन को मजबूर लोग

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से दियारा क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती नजर आई है। गंगा खतरे के निशान से 1.37 मीटर ऊपर बह रही है। बढ़ते पानी के कारण सदर प्रखंड और दियारा क्षेत्र के कई गांव तथा निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। पानी अब घरों में घुसने के साथ कई आशियानों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। हालात बिगड़ने पर प्रभावित परिवार घरों से जरूरी सामान निकालकर नावों के सहारे सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने को मजबूर हुए हैं। जल संसाधन विभाग के अनुसार साहिबगंज में गंगा का जलस्तर 28.62 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि खतरे का निशान 27.25 मीटर है। साहिबगंज में अब तक का सर्वाधिक दर्ज जलस्तर 30.91 मीटर रहा है। जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी से दियारा क्षेत्र के लोगों की चिंता बढ़ गई है। कारगिल दियारा क्षेत्र के कई परिवार नाव के जरिए घर का सामान लेकर लालबथानी गांव की ओर जा रहे हैं। कुछ परिवार साहिबगंज के शहरी क्षेत्र में भी पहुंच रहे हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में जुगाड़ की नावें और स्थानीय नावें ही लोगों के लिए आवागमन और राहत का प्रमुख साधन बनी हुई हैं। प्रभावित परिवारों का कहना है कि अब सबसे बड़ी चिंता घर बचाने से ज्यादा परिवार और जरूरी सामान को सुरक्षित रखने की है। जिस जगह थोड़ी भी ऊंची जमीन मिल रही है, लोग वहीं अस्थायी आशियाना बनाने की तैयारी कर रहे हैं। कई परिवार अपने घरों से सामान निकालकर सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचा रहे हैं। पानी बढ़ने से उन्हें घर पूरी तरह डूब जाने का भी डर सता रहा है।

पदमेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

जिले में 27 हजार से अधिक बच्चे कुपोषित, 3741 अति कुपोषित

महिला एवं बाल विकास विभाग के अगस्त के आंकड़ों ने चौंकाया, 1.21 लाख बच्चों के वजन में सामने आई स्थिति, पुराने आंकड़े सार्वजनिक करने से विभाग ने बनाई दूरी

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। जिले में कुपोषण को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी अगस्त 2026 के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। विभाग के अनुसार जिले में कुल 1 लाख 21 हजार 892 बच्चों का वजन कराया गया, जिसमें 27 हजार 889 बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें 3 हजार 741 बच्चे अति कुपोषित, 15 हजार 588 बच्चे मध्यम कुपोषित तथा 8 हजार 587 बच्चे कम कुपोषित श्रेणी में चिन्हित किए गए हैं। आंकड़ों के सामने आने के बाद जिले में बच्चों के स्वास्थ्य और कुपोषण से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

10 सितंबर को पद्मेश न्यूज़ द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग से कुपोषण की स्थिति से जुड़े आंकड़ों की जानकारी लेने का प्रयास किया गया। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास देवेन्द्र कुमार सुंदरियाल ने अगस्त 2026 के आंकड़े तो उपलब्ध कराए, लेकिन पिछले महीनों और पूर्व वर्षों के आंकड़े सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि जिले में कुपोषण की स्थिति पिछले एक-दो वर्षों में किस दिशा में बढ़ी या घटी है। जिले की 11 तहसीलों में भी कुपोषण की स्थिति अलग-अलग स्तर पर बनी हुई है। विशेष रूप से बैहर और बिरसा क्षेत्र में अति कुपोषित एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की संख्या अधिक होने की बात सामने आ रही है। दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और नियमित उपचार की व्यवस्था को लेकर पहले से ही कई चुनौतियां हैं। ऐसे में हजारों बच्चों का कुपोषित श्रेणी में चिन्हित होना विभाग के सामने बड़ी चुनौती है। विभागीय अधिकारी का कहना है कि बच्चों को चिन्हित करने के बाद उनकी स्थिति में सुधार के लिए विभागीय स्तर पर प्रक्रिया के तहत कार्य किया जा रहा है। बच्चों का वजन और स्वास्थ्य संबंधी मापदंडों के आधार पर उन्हें अलग-अलग श्रेणियों में चिन्हित किया जाता है और इसके बाद आवश्यक उपचार एवं पोषण संबंधी व्यवस्था किए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि 27 हजार 889 बच्चों के कुपोषित पाए जाने के बावजूद विभाग इसे चिंताजनक रूप से बढ़ा हुआ आंकड़ा मानने को तैयार नहीं है। सबसे बड़ा सवाल पुराने आंकड़ों को लेकर खड़ा हो रहा है। वर्ष 2026 के अगस्त माह का आंकड़ा विभाग द्वारा सार्वजनिक कर दिया गया, लेकिन इसी वर्ष के पहले के महीनों अथवा वर्ष 2024-25 के आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिले में कुपोषण की वास्तविक स्थिति कितने समय से बनी हुई है और पिछले

परियोजनावार पोषण स्तर की जानकारी

0 - 5 वर्ष तक के बच्चों के पोषण स्तर की जानकारी माह अगस्त 2026

	Project	Total Children measured	SAM (N)	SAM (%)	MAM (N)	MAM (%)	SUW (N)	SUW (%)
1	Baihar	10640	460	4.32	1620	15.23	1000	9.4
2	Balaghat	12536	334	2.66	1745	13.92	784	6.25
3	Balaghat Navin	4308	147	3.41	573	13.3	300	6.96
4	Birsa	14259	551	3.86	1948	13.66	1197	8.39
5	Katngi	11422	283	2.48	1107	9.69	876	7.67
6	Khair-Lanji	9624	258	2.68	1123	11.67	669	6.95
7	Kirnapur	13655	377	2.76	1752	12.83	750	5.49
8	Lalburra	12201	350	2.87	1581	12.96	794	6.51
9	Lanji	12813	356	2.78	1479	11.54	883	6.89
10	Paraswada	8316	302	3.63	1129	13.58	532	6.4
11	Waraseoni	12118	323	2.67	1531	12.63	802	6.62
	Total	**121892**	**3741**	**3.07**	**15588**	**12.79**	**8587**	**7.04**

वर्षों की तुलना में इसमें कितना बदलाव आया है। यदि विभाग लगातार बच्चों का वजन कर आंकड़े तैयार कर रहा है तो इन आंकड़ों को सार्वजनिक करने में क्या परेशानी है, यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्व में उपलब्ध एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020-21 में जिले में कुपोषण का आंकड़ा करीब 41 प्रतिशत तक बताया गया था। उस समय भी जिले में हजारों बच्चे कुपोषण की श्रेणी में चिन्हित हुए थे। अब वर्ष 2026 में एक बार फिर 27 हजार से अधिक बच्चों के कुपोषित पाए जाने से यह सवाल उठ रहा है कि वर्षों से चल रहे पोषण अभियान और विभागीय योजनाओं के बावजूद कुपोषण की समस्या पूरी तरह खत्म क्यों नहीं हो पा रही है। वर्तमान आंकड़ों में सबसे अधिक चिंता 3 हजार 741 अति कुपोषित बच्चों को लेकर है। इन बच्चों को सामान्य कुपोषित बच्चों की तुलना में अधिक निगरानी, उपचार और पोषण की आवश्यकता होती है। ऐसे में विभाग के सामने केवल बच्चों को चिन्हित करने की नहीं, बल्कि उन्हें कुपोषण की स्थिति से बाहर लाने की वास्तविक चुनौती है। अब देखना होगा कि विभाग इन बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए किस स्तर पर काम करता है और आने वाले महीनों में इसका परिणाम आंकड़ों में कितना दिखाई देता है। विभाग द्वारा पुराने आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए जाने से भी पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यदि अगस्त का आंकड़ा उपलब्ध है तो पिछले महीनों और वर्षों का आंकड़ा भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि जिले में कुपोषण की वास्तविक स्थिति की तुलना की जा सके। फिलहाल अगस्त के आंकड़ों ने इतना जरूर स्पष्ट कर दिया है कि जिले में हजारों बच्चे आज भी कुपोषण की समस्या से जूझ रहे हैं और इनमें 3741 बच्चे अति कुपोषित श्रेणी में हैं। अब जिम्मेदारी विभाग की है कि आंकड़ों के संकलन और बच्चों की पहचान के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य में वास्तविक सुधार भी सुनिश्चित किया जाए।

बैहर-बिरसा में हालात चिंताजनक

बैहर और बिरसा तहसीलों में आदिवासी बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर सामने आए आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। बैहर में 10,640 बच्चों के वजन परीक्षण में 460 बच्चे अति कुपोषित और 1,620 बच्चे मध्यम कुपोषण की श्रेणी में मिले हैं, जबकि करीब 1,000 बच्चे कम वजन की स्थिति में हैं। दूसरी ओर बिरसा में 14,259 बच्चों का वजन दर्ज किया गया, जिसमें 551 बच्चे अति कुपोषित, 1,948 मध्यम कुपोषित और 1,197 बच्चे कम वजन वाले पाए गए। यानी दोनों तहसीलों में बड़ी संख्या में बच्चे पोषण की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। आदिवासी अंचल में पहले से ही स्वास्थ्य सुविधाओं और जागरूकता को लेकर चुनौतियां बनी हुई हैं, ऐसे में कुपोषण के ये आंकड़े व्यवस्था के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर रहे हैं। टीकाकरण समेत अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के बावजूद यदि बच्चों की सेहत लगातार कमजोर हो रही है तो इसकी रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की जमीनी हकीकत पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

11 सितम्बर को जिले में नारबोद पर्व को रहेगा स्थानीय अवकाश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर द्वारा वर्ष 2026 के लिए बालाघाट जिले में तीन स्थानीय अवकाश घोषित किए थे। जिसके अनुसार जिले में 11 सितंबर 2026 (शुक्रवार) को नारबोद त्यौहार का स्थानीय अवकाश रहेगा। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि ये स्थानीय अवकाश कोषालय, उपकोषालय एवं बैंकों पर लागू नहीं होंगे। उक्त संस्थान अपने निर्धारित कार्य दिवसों के अनुसार खुले रहेंगे। कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार अब वर्ष 2026 का अंतिम स्थानीय अवकाश 11 नवंबर 2026 (बुधवार) को भाईदूज के अवसर पर रहेगा।

फोर व्हीलर की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया रोड नवेगांव स्कूल के पास फोर व्हीलर की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार दो व्यक्ति घायल हो गए ।दोनों घायल व्यक्ति सुरेंद्र पिता मदन लाल विश्वकर्मा 40 वर्ष वार्ड नंबर 2 ग्राम गर्रा बालाघाट और विवेक ठाकुर पिता चुन्नीलाल ठाकुर 34 वर्ष वार्ड नंबर 27 बालाघाट निवासी है। दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र विश्वकर्मा की सरेखा बाईपास में गेराज है। 9 सितंबर को सुरेंद्र अपने दोस्त विवेक ठाकुर के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम हट्टा रिश्तेदारी में गए थे। शाम 7ः00 बजे करीब दोनों हट्टा से मोटरसाइकिल में बालाघाट लौट रहे थे। तभी नवेगांव स्कूल के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही एक फोर व्हीलर में मोटरसाइकिल को ठोस मार दी और फरार हो गई ।दुर्घटना के दौरान मौके पर भीड़ लग गई। तभी किसी व्यक्ति ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी है। दोनों घायल को 108 एंबुलेंस जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया ।जिला अस्पताल पुलिस ने सुरेंद्र विश्वकर्मा का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण नवेगांव भिजवा दी है।

सागर जिले में जहरीली शराब से मौतों के बाद बालाघाट पुलिस अलर्ट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सागर जिले में जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों की घटना के बाद बालाघाट पुलिस ने भी अवैध शराब और नशे के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस गांव-गांव पहुंचकर जन चौपाल लगा रही है। इन चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के गंभीर दुष्परिणामों से अवगत कराने के साथ नशा छोड़ने और दूसरों को भी नशे से दूर रखने की अपील की जा रही है ।जन चौपाल में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों को सागर में शराब के सेवन से हुई मौतों का हवाला देते हुए अवैध एवं संदिग्ध शराब से पूरी तरह दूर रहने की हिदायत दी जा रही है। पुलिस का संदेश साफ है कि नशे का एक गलत कदम जिंदगी पर भारी पड़ सकता है। ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि वे अवैध शराब की बिक्री और नशे से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाएं।

अवैध शराब बेचने वालों पर नजर, सूचना मिलते ही कार्रवाई

पुलिस द्वारा गांवों में अवैध शराब का कारोबार करने वालों और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। अवैध शराब की बिक्री की सूचना मिलने पर पुलिस संबंधित स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई कर रही है तथा शराब के अड्डों को नष्ट किया जा रहा है। पुलिस की इस मुहिम का उद्देश्य अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में नशे के बढ़ते प्रभाव को कम करना है।

नशे के साथ साइबर ठगी से भी बचा रही पुलिस

जन चौपाल में पुलिस केवल नशे के खिलाफ जागरूकता ही नहीं फैला रही, बल्कि ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार के अपराधों से बचने के तरीके भी बताए जा रहे हैं। साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और जेवरात साफ करने के बहाने लोगों के साथ धोखाधड़ी करने वाले गिरोहों से सावधान रहने की जानकारी दी जा रही है ।पुलिस ग्रामीणों को समझा रही है कि अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने, अज्ञात लिंक पर क्लिक करने अथवा किसी को बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी देने से पहले पूरी सावधानी बरतें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

वाहन चेकिंग से संदिग्धों पर भी नजर

क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जानकारी जुटाई जा रही है तथा आवश्यक पूछताछ की जा रही है। पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम के लिए लगातार निगरानी बढ़ाई जा रही है।

जनहित में पुलिस की अपील-नशे को कहें ना

बालाघाट पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशे से दूर रहें और अपने परिवार को भी नशे की गिरफ्त में आने से बचाएं। अवैध शराब की बिक्री या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। समय पर दी गई एक सूचना किसी बड़ी घटना को रोक सकती है और किसी परिवार को उजड़ने से बचा सकती है ।पुलिस का यह अभियान केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं बल्कि लोगों की जागरूकता और सहयोग के जरिए सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

आपसी रंजिश में युवक पर चाकू-तलवार से हमला

15 हजार रुपये, मोबाइल और सोने की अंगूठी छीनने का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के बैहर रोड स्थित होटल कायनात के सामने बुधवार की देर रात आपसी रंजिश को लेकर एक युवक के साथ चाकू, तलवार, लोहे के पाइप और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर घायल करने का मामला सामने आया है। घायल युवक विकास उर्फ दीप पिता अशोक कुशराम 22 वर्ष वार्ड नंबर 2 ग्राम कोसमी थाना नवेगांव निवासी को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। युवक ने मारपीट के दौरान जेब में रखे 15 हजार रुपये, मोबाइल और सोने की अंगूठी छीनने का भी आरोप लगाया है। मामले की जांच कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास उर्फ दीप कुशराम वार्ड नंबर 2 कोसमी निवासी पढ़ाई करता है। बताया गया है कि 9 सितंबर की रात करीब 1 बजे विकास अपने साथी रितेश बम्बूरे के साथ मोटरसाइकिल से बिरयानी खरीदने के लिए होटल कायनात पहुंचा था। होटल के सामने अकील कुरैशी, अमान पटेल, मोहम्मद रेहान, तौसीफ सहित अन्य युवक खड़े थे। बताया गया कि पूर्व से आपसी रंजिश के चलते युवकों ने विकास को देखते ही उसके साथ मारपीट शुरू कर दी ।आरोप है कि हमलावरों ने चाकू, तलवार और लोहे के पाइप से हमला करने के साथ ही हाथ-मुक्कों से भी मारपीट की। विकास को बचाने के लिए उसका साथी रितेश आगे आया लेकिन उसके साथ भी मारपीट की गई। डर के कारण रितेश वहां से भाग गया। वहीं विकास अपनी जान बचाने के लिए होटल कायनात के अंदर चला गया ।घटना की जानकारी मिलने पर विकास का दोस्त अनुराग पारधी होटल कायनात पहुंचा और घायल विकास को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर गया जहां उसे उपचार के लिए भर्ती कराया गया ।घायल विकास ने आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान युवकों ने उसकी जेब में रखे 15 हजार रुपये निकाल लिए। इसके अलावा उसकी सोने की अंगूठी और मोबाइल भी छीन लिया गया। घटना के पीछे आपसी रंजिश बताई जा रही है। फिलहाल कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट